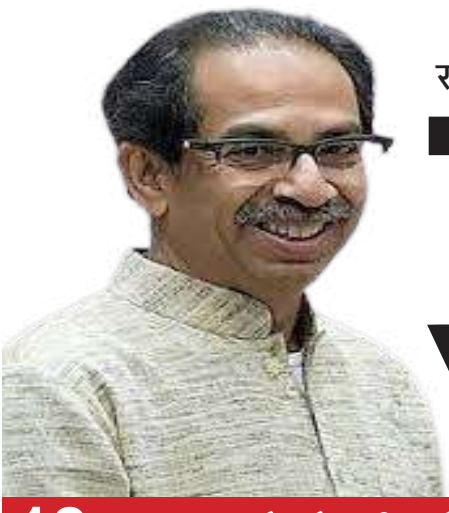

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 उद्धव ठाकरे को स्पीड पोस्ट से मिला राम मंदिर का निमंत्राण.....

गाजा में नरसंहार के लिए बाइडेन भी जिमेदार..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 250 | नई दिल्ली, सोमवार, 22 जनवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

प्रभु श्रीराम का अयोध्याधाम सज - धज कर तैयार, आज होगी प्राण प्रतिष्ठा

● प्रातःकाल 10 बजे से मंगल ध्वनि का होगा भव्य वादन

प्रात : किरण

अयोध्याधाम \एजेंसी । प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्याधाम में खुशियों के दीप जग-मग कर रहे हैं। चारों दिशा अखंड रामधुन के जयघोष से गूंज रही हैं। भारतवर्ष के लिए 22 जनवरी का तिथि बेहद मंगलकारी और भावुक कर देने वाली होगी। सोमवार को यहां नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। भक्ति भाव से

विभोर अयोध्याधाम में श्रीराम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सोमवार प्रातःकाल 10 बजे से मंगल ध्वनि का भव्य वादन होगा। 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र, विभिन्न राज्यों से, लगभग 2 घंटे तक इस शुभ घटना का साक्षी बनेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जानकारी दी है कि अयोध्या के यतीन्द्र मिश्र इस भव्य मंगल वादन के परिकल्पनाकार और संयोजक हैं, जिसमें केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली ने सहयोग किया है। ट्रस्ट के अनुसार, यह भव्य संगीत कार्यक्रम हर भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर का प्रतीक है, जो प्रभु श्री राम के सम्मान में विविध परंपराओं को एकजुट करता है। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश भर के विभिन्न प्रदेशों के प्रसिद्ध वाद्ययंत्रों का भी वादन होगा। इन स्वर लहरियों के बीच श्रीरामलला अपने सिंहासन पर विराजमान होंगे। भारतीय परंपरा के वादन में जितने प्रकार के वाद्ययंत्र हैं, सभी का मंदिर प्रांगण में वादन होगा। इनमें उत्तर प्रदेश का पखावज, बांसुरी, ढोलक, कर्नाटक का वीणा, महाराष्ट्र का सुंदरी, पंजाब का अलगोजा, ओडिशा का मर्दल, मध्यप्रदेश का संतूर, मणिपुर का पुंग, असम का नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ का तंबूरा, बिहार का पखावज, दिल्ली की शहनाई, राजस्थान का रावणहत्था, बंगाल का श्रीखोल, सरोद, आंध्र का घटम, झारखंड का सितार, गुजरात का संतार, तमिलनाडु का नागस्वरम,तविल, मृदंग और उत्तराखंड का हुड़का शामिल हैं।

114 कलशों के औषधीय जल से कराया गया मूर्ति को स्नान : इससे पहले पांच दिन तक वैदिक अनुष्ठान किए गए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कहा कि रविवार को 114 कलशों के विभिन्न औषधीय जल से मूर्ति को स्नान कराया गया। भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए सात दिवसीय अनुष्ठान चल रहा है। इस क्रम में 20 जनवरी को पुष्पाधिवास, शर्कराधिवास और फलाधिवास किए गए। साथ ही दैनिक पूजा-अर्चना, हवन आदि के साथ चीनी और फलों से भी अनुष्ठान हुआ। दिव्य और भव्य मंदिर प्रांगण में 81 कलश स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई। शाम को पूजा और आरती भी हुई। शुक्रवार को मैसूरु के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई श्री रामलला की मूर्ति को मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कराया गया। उल्लेखनीय है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में श्रीरामलला के समक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे। अयोध्याधाम में लघु भारत के दर्शन होंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 14.0°C

न्यूनतम तापमान 09.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	64,225
चांदी	78,700
सेंसेक्स	71,683
निफ्टी	21,622

मुख्यमंत्री ने समस्तीपुर में श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का किया लोकार्पण

मरीजों को सभी प्रकार की मिलेगी सुविधाएं, इलाज के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा : नीतीश

● भविष्य में एक हजार बेड का अस्पताल बनाने के लिए किया जाएगा काम

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को समस्तीपुर जिला के सराय रंजन में 591 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का आज उद्घाटन हुआ है। यह सुंदर अस्पताल बना है जहां इलाज की सभी प्रकार की सुविधा होगी। आप सभी को इलाज के लिए बाहर जाना नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने सभा कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। यह बहुत सुंदर अस्पताल बना है। इसका आज उद्घाटन हुआ है, यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। हम पहले

भी यहां आकर इसके निर्माण कार्य को देखते रहे हैं। उद्घाटन के साथ ही आज से यहां मरीजों का इलाज शुरू हो गया है। इस क्षेत्र के लोगों को अपने इलाज के लिए अन्य कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मरीजों को यहां सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी। श्रीराम जानकी मठ द्वारा इस अस्पताल के निर्माण के लिए जमीन दान दी गई थी, इसलिए इस अस्पताल का नाम श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रखा गया है। इस अस्पताल के निर्माण में केंद्र सरकार ने भी सहयोग दिया है। यह अस्पताल बड़ा और अच्छा बना है। यहां अभी 500 बेड की सुविधा है लेकिन भविष्य में 1000 बेड का अस्पताल बनाने के लिए काम किया जाएगा और मेडिकल के छात्रों के नामांकन की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण कार्यों एवं यहां की व्यवस्थाओं के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

500 बेडवाले इस अस्पताल में आधुनिक युक्त चिकित्सा की सुविधा होगी :

500 बेडवाले इस अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त चिकित्सा की सुविधा होगी। यहां प्रति वर्ष मेडिकल के 100 विद्यार्थियों का नामांकन होगा। श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भूकपरोधी बनाया गया है। यह ग्रीन बिल्डिंग है। अस्पताल परिसर में ही अधीक्षक, प्राचार्य, चिकित्सक, कर्मीगण एवं छात्र-छात्राओं के लिए आवासन की व्यवस्था की गई है। मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए धर्मशाला का भी प्रावधान कराया गया है। श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अस्पताल के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। इस दौरान श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई।

ये रहें मौजूद : इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री आलोक कुमार मेहता, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी, सांसद रामनाथ ठाकुर, विधायक अजय कुमार, विधायक राजेश सिंह, विधायक रणविजय साहू, विधायक वीरेंद्र पासवान, विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन, पूर्व सांसद अश्वमेध देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दिनेश कुमार, दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त मनीष कुमार, दरभंगा प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक बाबू राम, समस्तीपुर के जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, समस्तीपुर के पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी, श्रीराम जानकी अस्पताल एवं कॉलेज की अधीक्षक डॉ अलका झा, प्राचार्य डॉ आभारानी सिन्हा सहित वरीय अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मोदी ने की धनुषकोडी मंदिर में पूजा - अर्चना

प्रात : किरण

चेन्नई \एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक से पहले रविवार को धनुषकोडी के दक्षिणी सिरे का दौरा किया और कोठंडारास्वामी मंदिर में पूजा की। इसके बाद प्रधानमंत्री तमिलनाडु की अपनी तीन दिवसीय रामायण-कनेक्ट यात्रा समाप्त कर नई दिल्ली के लिए रवाना हो गये। श्री मोदी ने अपनी यात्रा के अंतिम चरण में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। बाद में उन्होंने अरिचल मुनाई का दौरा किया। जिसके बारे में कहा जाता है कि यहीं पर राम सेतु का निर्माण हुआ था। अरिचल मुनाई भारतीय मुख्य भूमि पर अंतिम बिंदु है। उन्होंने समुद्र तट पर कुछ समय बिताया, कुछ देर ध्यान किया और समुद्र में फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाईं और प्रार्थना की। उन्होंने अरिचल मुनाई में राष्ट्रीय प्रतीक के साथ स्थापित अशोक स्तंभ पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। धनुषकोडी और अरिचल मुनाई में लगभग एक घंटा बिताने के बाद श्री मोदी रामेश्वरम के लिए रवाना हुए जहां से वह हेलीकॉप्टर द्वारा मदुरै पहुंचे और नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। श्री मोदी ने अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान शुक्रवार शाम को यहां खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्घाटन किया, धनुषकोडी की यात्रा के साथ अपना दौरा समाप्त करने से पहले, शनिवार को त्रिची के श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर और रामनाथपुरम में भगवान रामनाथस्वामी मंदिर का दौरा किया।

संक्षिप्त खबरें

इसरो ने अयोध्या में राम मंदिर का उपग्रह तस्वीर किया जारी

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की है। इसरो ने अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह से ली गई तस्वीर रविवार को साझा की, जिसमें अयोध्या में बन रहा भव्य मंदिर दिखाई दे रहा है जिसमें रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होना है। पिछले साल 16 दिसंबर को ली गई तस्वीर में दशरथ महल, अयोध्या रेलवे स्टेशन और पवित्र सरयू नदी भी दिखाई दे रही है। रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य लोगों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होगा।

मुख्यमंत्री ने खगड़िया में नवनिर्मित अनुमंडलीय अस्पताल का किया लोकार्पण

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को खगड़िया जिला के गोगरी में 15 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित अनुमंडलीय अस्पताल का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। लोकार्पण के पश्चात अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। 100 शय्या वाला यह अनुमंडल अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस अस्पताल का भवन भूकंपरोधी है। ये रहें मौजूद : इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, सांसद चौधरी महबूब अली कैसर, विधायक डॉ संजीव कुमार सिंह, विधायक पन्ना लाल पटेल, विधान पार्षद राजीव कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, स्वास्थ्य विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुंगेर के प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह, मुंगेर प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक संजय सिंह, खगड़िया के जिलाधिकारी अमित कुमार पाण्डेय, खगड़िया के पुलिस अधीक्षक अमितेश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

कांग्रेस का प्रधानमंत्री होता तो मणिपुर में हिंसा पर चौथे दिन ही काबू पा लिया जाता : राहुल

प्रात : किरण

कलियाबोर\एजेंसी । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि यदि देश में उनकी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री होता, तो मणिपुर में हिंसा पर चौथे दिन ही काबू पा लिया गया होता। गांधी ने असम के नगांव जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सेना की मदद से तीन दिन के भीतर पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा को काबू कर सकते हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ऐसा करना नहीं चाहती। उन्होंने कहा, मणिपुर कई महीनों से हिंसा की आग में जल रहा है, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री आज तक वहां नहीं गए। यदि कांग्रेस का प्रधानमंत्री होता, तो हिंसा के तीसरे दिन ही मणिपुर का दौरा करता और चौथे दिन तक हिंसा पर काबू पा लिया गया होता। गांधी ने कहा, यदि प्रधानमंत्री सेना को आदेश देते हैं, तो वे तीन दिन में इसे रोक सकते हैं, लेकिन भाजपा इस आग को बुझाना नहीं चाहती और इसी लिए प्रधानमंत्री वहां नहीं जा रहे और सेना को यह तमाशा रोकने का आदेश नहीं दे रहे। उन्होंने कहा, भाजपा के झंडों के साथ कुछ लोग घूम रहे हैं, लेकिन आम लोग हमारे साथ हैं। गांधी ने कहा, नेता आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन जिनके दिल अहंकार और नफरत से भरे होते हैं, वे जल्द ही गायब हो जाते हैं। गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए अपने भाषण की शुरूआत में भीड़ से सवाल किया, हिंदुस्तान में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री कौन है? उन्होंने कहा कि वह जहां भी जाते हैं, यही सवाल पूछते हैं और उन्हें यही जवाब मिलता है। बहरहाल, उन्होंने भीड़ द्वारा लिए गए नाम को दोहराया नहीं।

एम्स ने फैसला लिया वापस सभी सेवाएं रहेंगी खुली

नई दिल्ली \एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने स्पष्ट किया है कि निर्बाध और सतत रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए सोमवार को सभी नैदानिक सेवाएं खुली रहेंगी। इससे पहले शनिवार को दिल्ली एम्स ने घोषणा की थी कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर अस्पताल दोपहर 2:30 बजे तक बंद रहेगा। संस्थान ने अपने आदेश में कहा था कि सोमवार को आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी। अब नए आदेश के मुताबिक ओपीडी समेत सभी रोगी देखभाल सेवाएं सोमवार को सामान्य रूप से चालू रहेंगी। एम्स नई दिल्ली ने 22 जनवरी को केंद्र सरकार के कार्यालयों, केंद्रीय संस्थानों और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों को आधे दिन (दोपहर 2:30 बजे तक) बंद रखने के संबंध में रविवार को एक कार्यालय ज्ञापन जारी किया। एम्स के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, ह्यऊपर उद्धृत विषय पर 20 जनवरी के इस कार्यालय ज्ञापन की निरंतरता में, मरीजों को किसी भी असुविधा को रोकने और रोगी देखभाल सेवाओं की सुविधा के लिए आउट पेशेंट सेवाओं सहित सभी नैदानिक सेवाएं खुली रहेंगी।

प्राण प्रतिष्ठा मकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर राम ज्योति प्रज्ज्वलित की जाएगी.....

प्राण प्रतिष्ठा समारोह : आज शाम को 10 लाख दीपों से जगमग होगी अयोध्या

प्रात : किरण

अयोध्या \एजेंसी। राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद 22 जनवरी की शाम अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगाएगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर राम ज्योति प्रज्ज्वलित की जाएगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन होगी। अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत ह्यराम ज्योतिह्न प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी (आरटीओ) आर. पी. यादव ने

बताया कि 22 जनवरी की शाम 100 प्रमुख मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए जाएंगे और इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप दीप जलाए जाएंगे तो इसमें स्थानीय कुम्हारों की मदद ली जा रही है और उनसे दीपों को खरीदा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही दीपोत्सव की शुरूआत हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद योगी सरकार की तरफ से पूरी अयोध्या को दीपों से सजाया जाएगा और राज्य पर्यटन विभाग की ओर से इसकी भव्य तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, सरयू तट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किये जायेंगे।

51 स्थानों पर 22 हजार से अधिक वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था :

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले अतिथियों के वाहनों की पार्किंग के लिए 51 स्थानों पर व्यापक इंतजाम किये हैं। पार्किंग में 22,825 वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा। पार्किंग के लिए किसी को भटकना न पड़े, इसके लिए पार्किंग स्थलों को गूगल मैप पर अपलोड कर दिया गया है। वहीं, पार्किंग स्थलों को वीवीआईपी, वीआईपी और अन्य मेहमानों के लिए भी आरक्षित किया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात बीडी पॉल्सन ने बताया कि अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों की गाड़ियों को पार्क करने के लिए 51 स्थानों को चिह्नित किया गया है। इनमें एक समय में एक साथ करीब 22,825 वाहनों को खड़ा किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि रामपथ पर पांच स्थानों, भक्ति पथ मार्ग पर एक स्थान, धर्म पथ मार्ग पर चार स्थानों, परिक्रमा मार्ग पर पांच स्थानों, बंधा मार्ग पर दो स्थानों, टेढ़ी बाजार रामपथ से महोबरा मार्ग पर एक और टेढ़ी बाजार रामपथ से उनवल मार्ग पर सात स्थानों को पार्किंग के लिए चिह्नित किया गया। इसके अलावा अयोध्या से गोंडा मार्ग पर दो, एनएच 27 पर 10 स्थानों, तीर्थ क्षेत्र पुरम में सात स्थानों और कारसेवक पुरम टेंट सिटी के आस-पास तीन स्थानों, रामकथा मंडपम टेंट सिटी पर चार स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इन पार्किंग को सरकारी, निजी और पर्यटन विभाग की भूमि पर बनाया गया है। इसके अलावा अयोध्या धाम में बनी मल्टीलेवल पार्किंग में भी गाड़ियों

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह भारतवर्ष के पुनर्निर्माण की शुरूआत : भागवत

प्रात : किरण

नई दिल्ली \एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि अयोध्या में रामलला का उनके जन्मस्थान में प्रवेश और मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह भारतवर्ष के पुनर्निर्माण के अभियान की शुरूआत होगी। भागवत ने कहा क भारतवर्ष का पुनर्निर्माण सद्भाव, एकता, प्रगति, शांति और सभी की भलाई के लिए जरूरी है। संघ प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक लेख में अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए हिंदू समाज के निरंतर संघर्ष का उल्लेख किया और कहा कि इस विवाद पर टकराव और कड़वाहट का अब अंत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षों के कानूनी संघर्ष के बाद उच्चतम न्यायालय ने सच्चाई और तथ्यों की पड़ताल करने और मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद नौ नवंबर, 2019 को संतुलित फैसला सुनाया। भागवत ने कहा कि धार्मिक दृष्टिकोण से भगवान राम देश के बहुसंख्यक समाज के सबसे अधिक पूजे जाने वाले देवता हैं और उन्हें आज भी पूरा समाज मयार्दा के प्रतीक के रूप में स्वीकार करता है। उन्होंने कहा, इसलिए अब इस विवाद को लेकर पक्ष और विपक्ष में जो टकराव पैदा हुआ है, उसे खत्म किया जाना चाहिए। इस बीच जो कड़वाहट पैदा हुई है, उसे भी खत्म किया जाना चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह देखना होगा कि यह विवाद पूरी तरह खत्म हो। भागवत ने कहा, अयोध्या का अर्थ है एक ऐसा शहर, जहां कोई युद्ध न हो, एक संघर्ष-रहित स्थान। इस अवसर पर, पूरे देश में अयोध्या का पुनर्निर्माण समय की मांग है और (यह) हम सभी का कर्तव्य भी है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का अवसर ह्यराष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरणह्न का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

साले की हत्या करने के लिए दी थी तीन लाख की सुपारी, पुलिस ने जीजा समेत दो को किया गिरफ्तार

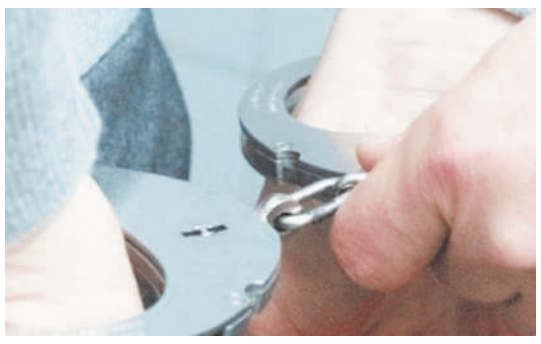

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। काशीपुर में पुलिस ने 30 दिसंबर को बेकरी संचालक अजय कुमार को गोली मारकर हत्या के प्रयास करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस का दावा है कि संपत्ति हड़पने के लिए अजय के जीजा अनिल सिंह गुंबर ने दो शूटरों को तीन लाख रुपये की सुपारी देकर हमला कराया था। पुलिस ने 30 दिसंबर को बेकरी संचालक अजय कुमार को गोली मारकर हत्या के प्रयास करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस का दावा है कि संपत्ति हड़पने के लिए अजय के जीजा अनिल सिंह गुंबर ने दो शूटरों को तीन लाख रुपये की सुपारी देकर हमला कराया था। पुलिस ने आरोपी जीजा समेत दोनों शूटरों को गिरफ्तार कर प्रयुक्त बाइक और तमंचा भी बरामद किया है। एसपी अभय सिंह ने बताया कि योगेंद्र कुमार निवासी ग्राम ढकिया नंबर एक ने केस दर्ज कराते हुए बताया था कि उनका चचेरा भाई अजय कुमार अपनी स्कूटी से घर जा रहा था। नूरपुर ढकिया के पास बाइक सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने उस पर गोली चला दी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पीड़ित के जीजा अनिल की नजर अजय की संपत्ति पर थी। वह अजय को रास्ते से हटाना चाहता था। उसने चार-पांच माह पहले भी अजय पर हमला कराया था। हालांकि इसकी पुलिस में शिकायत नहीं कराई थी। अब योगेंद्र ने अपनी फर्म पर काम करने वाले राजू और हीरा को तीन लाख रुपये की सुपारी और तमंचा देकर हमला करा दिया। पुलिस ने मामले में अनिल गुंबर, राजू निवासी ग्राम खटोला थाना दिनेशपुर और हीरा लाल निवासी ग्राम महावीर नगर आदर्श नगर थाना गदरपुर को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद किया है।

फैक्टरी की छत से गिरकर कर्मचारी की मौत

उत्तरकाशी, एजेंसी। क्षेत्र में अलीपुर रोड स्थित एक फैक्टरी की छत से गिरकर कर्मचारी की मौत हो गई। सुबह प्रबंधन के लोग फैक्टरी पहुंचे तो घटना का पता चला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक लक्सर कोतवाली क्षेत्र के सेठपुर गांव निवासी मिथुन प्लास्टिक के टैंक बनाने वाली कंपनी में कार्यरत था। बृहस्पतिवार रात वह छत पर टहल रहा था। तभी पैर फिसलने से वह नीचे फर्श पर मुंह के बल आ गिरा। इससे उसके सिर में चोट आई। पूरी रात वह ठंड में वहीं पड़ा रहा। सुबह जब लोगो ने देखा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। थाना प्रभारी नरेश राठौड़ ने बताया कि इस संबंध में मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

ट्रांसपोर्टरों ने महाराष्ट्र में कटे चालान का किया विरोध

हरिद्वार, एजेंसी। महाराष्ट्र के धुले में ट्रक के चालान कटने को लेकर शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बैठक की। उन्होंने मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर महाराष्ट्र प्रशासन को एक नोटिस भी भेजा। एसोसिएशन ने कहा कि यदि उत्तराखंड के वाहन नंबर का प्लेट लगाकर महाराष्ट्र में संचालित किया जा रहा है तो इसे विभाग को हल्के में नहीं लेना चाहिए। मामले को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि आए दिन इस तरह का मामला सामने आता है और ट्रांसपोर्टर बड़ा जुर्माना भरने से बचने के लिए तत्काल फर्जी तरीके से कटे चालान को जमा कर देता है। ट्रांसपोर्टर सुनील सिंह ने कहा कि यदि महाराष्ट्र के धुले प्रशासन के एसडीएम/ एआरटीओ की ओर से उनकी नोटिस पर कार्रवाई नहीं की गई तो वह जल्द ही पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि जिस वाहन को उत्तराखंड के अलावा राजस्थान, हरियाणा का परमिट मिला है वह महाराष्ट्र में कैसे जा सकता है। मामले को गंभीरता से लेने और ऑनलाइन चालान की प्रक्रिया पर निगरानी करने की भी मांग की। इस दौरान निर्मल ठाकुर, लज्जे शर्मा आदि ने एआरटीओ पंकज श्रीवास्तव से मिले और अपनी समस्या रखी। एआरटीओ ने उन्हें आश्वस्त किया कि लिखित तौर पर शिकायती पत्र दें। इसे वह महाराष्ट्र एआरटीओ प्रशासन को भेजकर तत्काल अवगत कराएंगे।

चेक बाउंस की आरोपी महिला को तीन माह का कारावास

ऋषिकेश, एजेंसी। न्यायिक मजिस्ट्रेट नंदिता काला की अदालत ने चेक बाउंस मामले में महिला को दोषी सिद्ध पाते हुए तीन माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। दोषी महिला पर तीन लाख 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। जिसमें से तीन लाख 48 हजार प्रतिकर के रूप में परिवादी को देय होंगे। जबकि 2 हजार की धनराशि अर्थदंड के तौर राजकोष में जमा करानी होगी। चंद्रभागा चंद्रेश्वर नगर निवासी राजेश कुमार साहनी ने 24 अगस्त 2021 को न्यायालय में वाद दायर किया था। राजेश ने बताया था कि कमल अरोड़ा निवासी भैरव मंदिर लक्ष्मण झूला रोड से उनकी जान पहचान थी। 15 सितंबर 2020 को कमल अरोड़ा ने उससे निजी कार्य के लिए तीन लाख रुपये उधार लिए थे। राजेश ने बताया कि जब उसने छह माह बाद कमल अरोड़ा से धनराशि मांगी तो उसने नकद धनराशि के बजाय तीन लाख का चेक दिया। 25 मार्च 2021 को जब चेक खाते में जमा कराया गया तो बैंक ने अपर्याप्त धनराशि का कारण बताते हुए चेक वापस कर दिया। इस बात की सूचना कमल अरोड़ा को भी दी गई। बावजूद इसके उसने धनराशि नहीं लौटाई। मजबूरन उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट नंदिता काला की अदालत ने फैसला सुनाया।

मायूस और पीड़ितों की उम्मीद जगा रही कुमाऊं कमिश्नर की जनसुनवाई

नैनीताल, एजेंसी। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने शनिवार को जनसुनवाई कर मौके पर शिकायतों का समाधान किया। जनशिकायतों में अधिकांश शिकायतें सड़क, बिजली, पानी, भूमि विवाद, पति-पत्नी के आपसी विवाद के साथ ही विभागों के अधिकारियों से संबंधित आई। जनसुनवाई में आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों के साथ ही फरियादियों को तलब कर समस्याओं का मौके पर समाधान किया। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने बताया कि साल 2000 की एक पुरानी शिकायत विगत साल 2022 में जनसुनवाई में आई थी। जनपद ऊधमसिंह नगर तहसील काशीपुर के ग्राम मानपुर फिरोजपुर जो कार्बेट नेशनल पार्क के अंदर 54 ग्रामवासी निवास करते थे इनका विस्थापन मानपुर फिरोजपुर में वर्ष 2000 में हुआ था, ग्राम सभा में बन्दोवस्ती का कार्य चल रहा था लेकिन बन्दोबस्ती मे त्रुटिया हो रही थी। जिसकी वजह से क्षेत्र के लोगों का नाम खतौनी में दर्ज नहीं हो पा रहा था। आयुक्त द्वारा ग्राम मानपुर फिरोजपुर का भ्रमण कर स्थिति से अवगत होते हुए समस्या को सीएम मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया। ग्राम वासियों द्वारा बताया गया कि बन्दोबस्ती का कार्य समाप्त हो चुकी है और उनका नाम खतौनी में 18 जनवरी 2024 को दर्ज हो चुका और पक्की खतौनी मिल गई है। ग्राम वासियों ने आयुक्त का धन्यवाद किया। बलवंत सिंह निवासी जिला चंपावत की शिकायत विगत जनसुनवाई में आई थी कि 2021 में बीकॉम कर लिया था लेकिन उनके नंबर नहीं बताए गए और मार्कशीट भी नहीं दी गई। दीपक ने जांच के लिए उच्च शिक्षा को निर्देश दिए थे। उच्च शिक्षा में जांच में सही पाया और बलवंत को मार्कशीट मिल गई। जिस पर बलवंत सिंह ने आयुक्त का आभार व्यक्त किया। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने मंडल के सभी उपजिलाधिकारियों के तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि तहसील दिवस में आमजनमानस की छोटी-छोटी शिकायतों को प्राथमिकता से समाधान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस की समस्यायें उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लोगों द्वारा लाई जा रही है जो उचित नही है।

माल रोड पर जाखनदेवी के पास दो पहिया वाहनों के संचालन पर रोक

अल्मोड़ा, एजेंसी। माल रोड पर शिखर तिराहे से जाखनदेवी तक सीवर लाइन बिछाने के दौरान पूर्व प्रधान की ट्रैक्टर से कुचलने से हुई मौत के बाद इस सड़क पर दो पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। रविवार से इस सड़क पर दो पहिया वाहनों का संचालन नहीं हो सकेगा। माल रोड पर शिखर तिराहे से जाखनदेवी तक सीवर लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है, इससे इस सड़क पर चार पहिया वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। स्थानीय लोगों के आक्रोश के बाद पूर्व में इस सड़क पर दो पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक हटा दी गई थी।

धली में मार्ग पर वाहनों के लिए 40 किमी की स्पीड तय

ऋषिकेश, एजेंसी। दूधली मोथरोवाला मार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए यातायात पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए इस मार्ग पर आवाजाही के लिए 40 की स्पीड तय की है। लोक निर्माण विभाग को गति सीमा सूचना बोर्ड लगाने के लिए विभाग से पत्राचार करने की बात कही गई है। राजधानी देहरादून जाने के लिए बाईपास मार्ग दूधली मोथरोवाला मार्ग पर पिछले काफी समय से दुर्घटनाएं हो रही थी। इस संबंध में दूधली के सामाजिक कार्यकर्ता अजय कुमार ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में अवगत कराया कि दूधली मार्ग पर वाहनों की अधिकता होने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। अजय कुमार की शिकायत पर ट्रैफिक पुलिस ने दोपहिया और चौपहिया वाहनों के स्पीड 40 प्रति किमी की तय की है। दूधली के आंगनबाडी केंद्र किशनपुर ग्रांट एक में उत्तरायणी पर्व के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें महिलाओं ने लोकनृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से राज्य की संस्कृति से रूबरू कराया। इस दौरान आनंदी जोशी, सुशीला राय, मीना जोशी, आरती पांडेय, प्रीति जोशी, राधिका जोशी, मंजू जोशी, पूजा डोभाल, विमला पांडेय, रेणु पंत आदि थे।

एमडीडीएम के अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

ऋषिकेश, एजेंसी। एमडीडीए अवैध निर्माण कार्यों पर बड़ी कार्रवाई करने जा रहा है। अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त करने के साथ ही अवैध रूप से निर्मित दो भवनों को भी जमींदोज किया जाएगा। इस संबंध में प्राधिकरण के संयुक्त सचिव व एसडीएम ऋषिकेश ने आदेश जारी किए हैं। ऋषिकेश व आसपास के क्षेत्र में लंबे समय से अवैध प्लाटिंग व निर्माण कार्यों की शिकायत लंबे समय से मिल रही थी। एमडीडीए ने कार्रवाई के तहत अवैध तरीके से निर्मित किए जा रहे भवनों को सील भी किया था। वहीं कई लोगों को नोटिस भी जारी किए थे। सील किए जाने के बाद जो भवन स्वामी नक्शा पास नहीं करा पाए अब उनके खिलाफ कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। इस संबंध में प्राधिकारण के संयुक्त सचिव व एसडीएम योगेश मेहरा ने रायवाला और गौहरीमाफी में अवैध प्लांटिंग को ध्वस्त करने, विस्थापित क्षेत्र आमबाग में दो भवनों को जमींदोज करने के साथ ही दो निर्माणाधीन भवनों भी सील करने के आदेश जारी किए हैं। मेहरा ने बताया कि आमबाग में पंकज शर्मा और मुकेश जैन के निर्माणाधीन भवन में ध्वस्त करने, अपर गंगानगर में राजकुमार सेठी और अवधूत आश्रम मार्ग पर मानव जौहर की निर्माणाधीन बिल्डिंग को सील करने के आदेश दिए गए हैं।

वीर नारियों और शौर्य पदक विजेताओं को किया सम्मानित

काशीपुर, एजेंसी। प्रतापपुर स्थित रिमाउंट प्रशिक्षण एवं डिपो हेमपुर में 8वां सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। शनिवार को हेमपुर डिपो में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर देवेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों का अभिनंदन किया और उनकी समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान ब्रिगेडियर देवेंद्र कुमार ने वीर नारियों और शौर्य पदक विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 12 वीर नारियों और 7 शौर्य पदक विजेता समेत 65 भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया। वहां पर कर्नल (रिटायर्ड) सुबोध शुक्ला, निदेशक जिला सैनिक बोर्ड रुद्रपुर, ऑनरेरी कैप्टन (रिटायर्ड) बच्चन सिंह नेगी अध्यक्ष भूतपूर्व संगठन ने अपने विचार व्यक्त किए।

हरिनगर संघर्ष समिति से वार्ता को पहुंची प्रशासन की टीम बैरंग लौटी

नैनीताल, एजेंसी। हरिनगर गांव में रह रहे लोगों को भूमि का मालिकाना हक दिलाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर नथुवाखान में क्रमिक अनशन शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों से वार्ता के लिए पहुंची प्रशासन की टीम बैरंग लौट गई। शनिवार को एसडीएम के निर्देश पर कानूनगो और विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। बताया कि समस्याओं को हल कराने के लिए उपजिलाधिकारी ने कमेटी गठित की है जो जल्द ही निरीक्षण करेगी। ग्रामीणों का कहना था कि कमेटी में शामिल अधिकारी अनशन स्थल पर आकर ग्रामीणों से वार्ता करें। हरिनगर भूमि मालिकाना हक संघर्ष समिति के संयोजक गणेश आर्या ने बताया कि समिति ने शनिवार से आमरण अनशन की घोषणा की थी जिसे कमेटी गठित होने की सूचना के बाद फिलहाल स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि क्रमिक अनशन जारी रहेगा। क्रमिक अनशन में में प्रकाश चंद्र पथिक, गणेश आर्या, पूनम देवी, भुवन चंद्र, रमेश चंद्र आदि थे।

पाले ने मटर की 75 फीसदी फसल खराब की

काशीपुर/जसपुर, एजेंसी। जनवरी का महीना आधा बीतने के बावजूद बारिश नहीं हुई है लेकिन पाला अनुमान से ज्यादा गिर रहा है। मटर उत्पादकों को इसकी मार सर्वाधिक पड़ी है। किसानों का कहना है कि जरूरत से ज्यादा पाला पड़ने से मटर की 70 से 75 फीसदी फसल को नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार जिले में करीब 40 से 45,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मटर की खेती की जाती है। सामान्य तौर पर इसकी खेती तीन श्रेणियों अगेती, मीडियम और पछेती में होती है। अग्रिम की फसल कट चुकी है। मीडियम का समय चल रहा है।

शिवरात्रि पर इटली की लाइट से जगमगाएगा जागेश्वर धाम

अल्मोड़ा, एजेंसी। शिवरात्रि पर विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम इटली की रंग-बिरंगी लाइट की रोशनी से जगमग होगा। यहां पहुंचे पर्यटन विभाग के ओएसडी भाष्कर खुल्बे ने मास्टर प्लान के तहत हो रहे कार्यों का निरीक्षण कर शिवरात्रि तक कम से कम एक मंदिर में इटली से आई आधुनिक लाइट स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान को धरातल पर उतारने में तेजी लाई जाए। शनिवार को उत्तराखंड पर्यटन विभाग के ओएसडी खुल्बे जागेश्वर धाम पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान जागनाथ का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने मास्टर प्लान के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह धाम धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसका मास्टर प्लान सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यहां पहुंचने के बाद इसकी प्रसिद्धि अधिक बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मंदिर का मास्टर प्लान के तहत विकास किया जा रहा है। अधीक्षण पुरातत्वविद मनोज सक्सेना ने मंदिर परिसर में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कहा कि मास्टर प्लान के तहत होने वाले कार्य समय पर पूर्ण होंगे। इस दौरान पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे, सीडीओ आकांक्षा कोंडे, प्रबंधक मंदिर समिति ज्योत्सना पंत, उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, जिला पर्यटन अधिकारी अमित लोहनी आदि मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार और पर्यटन विभाग के ओएसडी भाष्कर खुल्बे से पहले प्रदेश के मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू जागेश्वर पहुंचे। उन्होंने भगवान जागनाथ की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने भी मास्टर प्लान के तहत हो रहे कार्यों का जायजा लिया। कहा कि जागेश्वर धाम धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से पवित्र धाम है। यहां देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं। उनके लिए भी यहां सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। समय से कार्य पूरा होना चाहिए। इस दौरान क्षेत्र के जीरतोली के ग्रामीणों ने घरों के आसपास भूस्खलन होने का मामला उनके समक्ष रखा। मुख्य सचिव ने सीडीओ आकांक्षा कोंडे को इस संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसएसपी देवेंद्र पींचा, एसडीएम सदर जयवर्द्धन शर्मा, एसडीएम भनोली एसएस नगन्याल आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

हल्द्वानी, एजेंसी। महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसके सिर पर चोट के निशान देख पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह पता चल सकेगी। ऊंचापुल स्थित गली नंबर तीन निवासी ऋतु दुर्गापाल (30) की मौत के बाद पुलिस ने परिजनों ने पूछताछ की। पता चला कि वह लंबे समय से बीमार थी। उसे पथरी की शिकायत थी। कुछ दिन से पीलिया भी हो गया था। बताया कि रात के समय मकान की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में सोने गई थी। रात में जब उसका पति पीयूष दुर्गापाल छत पर पहुंचा तो ऋतु जमीन पर अचेत पड़ी थी। उसके सिर पर चोट का निशान था। मुखानी एसओ प्रमोद पाठक ने बताया कि मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

छह माह की गर्भवती है त्रिलोक की पत्नी, खबर सुन बदहवास हुई, रातभर इंतजार किया सुबह आई मौत की खबर

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा में सड़क हादसे में मारे गए चालक विजय सिंह और उसके सहयोगी त्रिलोक राम पिकअप चलाकर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। विजय अविवाहित था, जबकि त्रिलोक का विवाह एक वर्ष पूर्व हुआ था और उसकी पत्नी छह माह की गर्भवती है। सड़क हादसे में मारे गए चालक विजय सिंह और उसके सहयोगी त्रिलोक राम पिकअप चलाकर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। विजय अविवाहित था, जबकि त्रिलोक का विवाह एक वर्ष पूर्व हुआ था और उसकी पत्नी छह माह की गर्भवती है। मां कमला देवी और छह माह की गर्भवती पत्नी पूजा का वह मेहनत-मजदूरी का पालन-पोषण कर रहा था। तीनों नए मेहमान के आने का खुशी से इंतजार कर रहे थे। सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन उनकी खुशियों को एक हादसे ने ग्रहण लगा दिया है। बृहस्पतिवार सुबह त्रिलोक पत्नी और मां को जल्द घर लौटने की बात कहकर घर से काम पर निकला लेकिन देर शाम तक भी वह घर नहीं लौटा तो दोनों की चिंता बढ़ गई। दोनों दूसरे दिन सुबह तक उसके घर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इसी बीच उसकी मौत की खबर उन्हें मिली। पति की मौत से गर्भवती पत्नी बदहवास है तो मां के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लंबे समय से एक-दूसरे के सहयोगी रहे चालक विजय और त्रिलोक ने एक साथ ही दुनिया को अलविदा कहा है। चालक विजय और उसके सहयोगी ने दिनभर काम किया। विजय देर शाम त्रिलोक को घर छोड़ने निकला। त्रिलोक अपने घर को जाने वाले रास्ते पर पहुंच भी गया। घटनास्थल से सिर्फ 120 मीटर दूर उसका घर है लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। चालक विजय अविवाहित था और मां शांति देवी और पिता किशन सिंह बेटे के सिर पर सेहरा सजाने की तैयारियों में जुटे थे। दुल्हन की खोजबीन चल रही थी। इसी बीच हुई इस दुर्घटना ने माता-पिता से बेटा छीन लिया। बेटे के सिर पर सेहरा सजाने की हसरत अधूरी रह गई।

141 प्रजातियों के 5250 पक्षी पहुंचे आसान बैराज

ऋषिकेश, एजेंसी। प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखंड एवं अध्यक्ष जैव विविधता बोर्ड उत्तराखंड धनंजय मोहन के नेतृत्व में 12 सदस्यीय टीम ने आसन कंजर्वेशन रिजर्व पार्क में प्रवासी पक्षियों की गणना की। पार्क में अब तक विभिन्न प्रजातियों के 5250 प्रवासी पक्षी पहुंच चुके हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या करीब 954 यूरेशियन कूट की पाई गई है आसन कंजर्वेशन रिजर्व पार्क देश की 38वीं रामसर साइट है। यह उत्तराखंड की पहली रामसर साइट भी है। यहां सर्दियों में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी पहुंचते है। खासकर यह जगह सुर्खाब पक्षी के लिए प्रसिद्ध है। देशभर से पर्यटक यहां सुर्खाब पक्षी को देखने आते है। लेकिन इस बार बड़ी संख्या में यूरेशियन कूट, गैडवाल और रेड क्रेस्टेड पोचार्ड पक्षी भी आसन बैराज पहुंचे हैं। शनिवार को प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखंड एवं अध्यक्ष जैव विविधता बोर्ड उत्तराखंड धनंजय मोहन और अपर वन संरक्षक व सदस्य जैव विविधता बोर्ड उत्तराखंड आरके मिश्र आसन बैराज पहुंचे। उनके साथ 10 अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम भी थी। टीम ने प्रवासी पक्षियों की गणना की। इनमें सबसे अधिक संख्या 954 यूरेशियन कूट, 783 गैडवाल और 608 रेड क्रेस्टेड पोचार्ड और 487 सुर्खाब की पाई गई है।

डिजिलॉकर पर बोर्ड छात्रों के प्रमाणपत्र अपलोड करें

रामनगर (नैनीताल), एजेंसी। बोर्ड के सभी रिकॉर्ड डिजिटाइज करने के साथ हाईस्कूल-इंटर के बोर्ड परीक्षार्थियों के प्रमाणपत्र डिजिलॉकर पर अपलोड किए जाएंगे। विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने शनिवार को उत्तराखंड विद्यलयी शिक्षा परिषद में अधिकारियों की बैठक में ये निर्देश दिए। महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने सभी अनुभागों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर संतोष जताया। उन्होंने परिषद के मुख्य भवन की साज-सज्जा व परिसर के सौंदर्यीकरण के निर्देश परिषद के अधिकारियों को दिए। बैठक में परिषद के सभी रिकॉर्डों को डिजिटाइज करने और हाईस्कूल-इंटर के बोर्ड परीक्षा परिणाम के प्रमाणपत्रों को डिजिलॉकर पर अपलोड करने के निर्देश दिए। कहा कि परिषद को देश के अन्य शिक्षा बोर्डों की अच्छी प्रैक्टिसेज का अध्ययन करना चाहिए। इसके बाद महानिदेशक तिवारी और संयुक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती ने राजकीय इंटर कॉलेज रामनगर का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानाचार्य को विद्यालय की खाली पड़ी भूमि को छात्र हित में उपयोग के लिए प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजने के निर्देश दिए। उन्होनें बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज रामनगर पीएम श्री विद्यालय के रूप में चयनित है और शीघ्र ही जरूरी संसाधनों की उपलब्धता विद्यालय में की जाएगी। इस दौरान विद्यालयी शिक्षा परिषद के अपर सचिव वीपी सिमल्टी, संयुक्त सचिव शिवपूजन सिंह आदि रहे।

बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुशील और मनोहर बने सचिव

ऋषिकेश, एजेंसी। परवादून बार एसोसिएशन के चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर सुशील कुमार वर्मा और सचिव पद पर मनोहर सिंह सैनी ने जीत हासिल की है। शनिवार को परवादून बार एसोसिएशन का चुनाव तहसील परिसर में बार काउंसिल से आए पर्यवेक्षक राकेश गुप्ता और अर्जुन सिंह भंडारी के निगरानी में संपन्न हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी आरवी नेपाली ने बताया कि परवादून बार एसोसिएशन के लिए हुए चुनाव में 62 मतदाताओं में से 59 ने अपने मत का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर पहले से ही निवर्तमान अध्यक्ष फूल सिंह लोधी निर्विरोध चुने गए थे। चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर सुशील कुमार को 33 मत मिले प्रतिद्वंदी मनीष धीमान को 26 मत मिले। सचिव पर पर निवर्तमान सचिव मनोहर सिंह सैनी को 38 और सुमित को 21 मत मिले। सह सचिव पद पर अशरफ अली, को 33 और जुबैर को 26 मत मिले। लेखा परीक्षक पद पर मनीष यादव को 32 और सुरेश भट्ट को 27 मत मिले। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर तरन्नुम सलीम को 30 और सुरेश भट्ट को 29 मत मिले। इस तरह उपाध्यक्ष पद पर सुशील वर्मा, सचिव मनोहर सिंह सैनी, सह सचिव अशरफ अली, लेखा परीक्षक मनीष यादव और पुस्तकालय अध्यक्ष तरन्नुम सलीम को निर्वाचित घोषित किया। कार्यकारिणी सदस्य के पद पर भव्य चमोला, मोनिका पटेल, अनुज बर्सवाला पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। चुनाव में एकमात्र उम्मीदवार रमन कुमार ने जीत हासिल की।

जदयू मुख्यालय में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से लाभान्वित छात्रों का अभिनंदन सह संवाद समारोह

बिहार की 13 करोड़ जनता है नीतीश कुमार का परिवार : उमेश

- सिर्फ बिहार में होती है 10 रुपए में इंजीनियरिंग की पढ़ाई : अशोक
- बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा पर खर्च करती है सरकार: लेशी सिंह
- नीतीश कुमार ने युवाओं के लिए खोले संभावनाओं के द्वार: ललन सर्राफ
- सैकड़ों लोगों ने ग्रहण की जदयू की सदस्यता

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ तथा राज नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, पटना के संयुक्त तत्वाधान में बिहार प्रदेश जदयू मुख्यालय स्थित कपूर्री सभागार में रविवार को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से लाभान्वित छात्रों का अभिनंदन सह संवाद समारोह का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नए बिहार को गढ़ने का काम किया है। खासतौर पर शिक्षा के क्षेत्र में बिहार ने बेशुमार और बेमिसाल उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना आपने आप में अनोखी योजना है। इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि इसके तहत दिए जाने वाले ऋण की गारंटर स्वयं सरकार होती है। इस योजना की मदद से प्रदेश के कमजोर और गरीब परिवार के बेटे-बेटियां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने आगे कहा कि केन्द्र की मौजूदा सरकार संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है। सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। ऐसे संवेदनशील समय में युवाओं को सजग होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि श्री नीतीश कुमार के लिए बिहार की 13 करोड़ जनता उनका परिवार है। वे बिहार की तरक्की के लिए दिन-रात लगे रहते हैं। हमें ऐसे नेता का हाथ मजबूत करना है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि 24 जनवरी को आयोजित जननायक कपूर्री ठाकुर जन्मशताब्दी समारोह को ऐतिहासिक बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।

भवन निर्माण मंत्री अशोक चैधरी ने कहा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने महिला सशक्तिकरण का जो सपना देखा था उसे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने धरातल पर उतारा है। पहले मैट्रिक की परीक्षा में लड़कियों की भागीदारी 30 प्रतिशत होती थी लेकिन पिछले वर्ष आयोजित मैट्रिक की परीक्षा में आधे से अधिक लड़कियां शामिल हुईं। श्री नीतीश कुमार ने साइकिल योजना एवं पोशाक योजना के माध्यम से बालिकाओं को प्रोत्साहित किया गया है। 2005 में जब श्री नीतीश कुमार ने बिहार का बागडोर संभाला तो 10.5 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर थे लेकिन आज यह आंकड़ा घटकर 0.5 प्रतिशत से भी कम पर आ गया है। हमारे नेता श्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में न सिर्फ बिहार की मूलभूत संरचनाओं का विकास किया बल्कि गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने हेतु कल्याणकारी योजनाओं को भी सरजमीं पर उतारा है। श्री अशोक चैधरी ने आगे कहा कि बिहार देश ही नहीं, दुनिया का पहला राज्य है जहां 10 रुपये में इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती है। यह शिक्षा के प्रति श्री नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि हमारी सरकार छात्र-छात्राओं के भविष्य को संवारने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, जिसमें स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड सबसे महत्वपूर्ण योजना है। इसकी घोषणा सात निश्चय के तहत हुई थी। श्री नीतीश कुमार ने शिक्षा पर भरपूर जोर दिया है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के तहत गरीब बच्चों के जीवन को संवारने के लिए ऋण दिया जाता है। श्रीमती लेशी सिंह ने कहा कि श्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी कई योजनाएं चलाई हैं।

विधानपार्षद सह कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ ने कहा कि शिक्षा और महिला सशक्तिकरण लिए नीतीश कुमार ने प्रदेश में अनोखा और उल्लेखनीय कार्य किया है। श्री नीतीश कुमार न केवल बिहार बल्कि पूरे देश की जरूरत हैं। उन्होंने युवाओं के लिए संभावानाओं के कई द्वार खोले हैं।

ये रहें मौजूद : कार्यक्रम में विधानपार्षद सह मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह गांधी जी, अतिपिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ नवीन कुमार आर्य, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप, जदयू व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धनजी प्रसाद, जदयू के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह, राज नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के संस्थापक डॉ एनपी प्रियदर्शी, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य मुकेश जैन, पिछड़ा वर्ग आयोग की पूर्व सदस्य कंचन गुप्ता, वरीय नेता अरविन्द निराला सिन्दूरिया, नवीन कुमार उर्फ नगीना चैरसिया, सुरेश कुमार साहू, संतोष गुप्ता, बीरेन्द्र मुन्ना, सुजित पाठक आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने सामाजिक विषयों पर गीत, नृत्य व नाटिका की कई प्रस्तुतियां दीं और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से लाभान्वित छात्र-छात्राओं ने अपने उद्गार भी व्यक्त किए। छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र दिए गए। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने जदयू की सदस्यता भी ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप ने किया।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने अयोध्या पहुंचे पशुपति पारस

रालोजपा ने भगवान श्रीराम के स्वागत में 51 सौ दीप जलाए

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अयोध्या में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री माननीय पशुपति कुमार पारस रविवार को अयोध्या पहुँचें। केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं भी इस पूण्य अवसर का साक्षी बनूगाँ। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को दिन देश के लिए बहुत बड़ा दिन होनेवाला है क्योंकि इस दिन वर्षो बाद रामलला मुख्य मंदिर में विराजमान होगें। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरा देश जश्न में डूबा है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई हर जगह राममय दिख रहा है। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि रविवार को संध्या प्रदेश कार्यालय पटना में प्रभु श्रीराम के आगमन पर 5100 दीप जलाए गये। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद प्रिंस राज ने कहा कि पार्टी द्वारा आज प्रभु श्रीराम के स्वागत में पार्टी द्वारा 5100 दीपों का प्रज्वलित किया गया एवं कल प्रभु के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पार्टी कार्यालय में रामचरित मानस का पाठ, यज्ञ तथा हवन एवं भंडारा का आयोजन किया गया है। प्रभु राम की आगमन से देशभर में उत्सव जैसा माहौल है जय श्रीराम के उदघोषण से पूरा वातावरण राममय हो चुका है। देशभर में मंदिर एवं मठों को भव्य तरीकों से सजाया गया है। साथ ही मंदिर मठों में विशेष पुजा का आयोजन किया गया है। रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हेतु सात दिन पूर्व से ही अनुष्ठान किये जा रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि प्रदेश कार्यालय पटना दीपोत्सव कार्यक्रम में छात्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश यादव के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ स्मिता शर्मा, छात्र प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा, राजेन्द्र विश्वकर्मा, छात्र के राष्ट्रीय प्रवक्ता विशाल यादव, विजय यादव, शुभम यादव, मोहन सिंह सहित कई कार्यकताओं ने प्रभु श्रीराम के स्वागत में दीप जलाया एवं पटाखों के साथ प्रभु श्रीराम का स्वागत किया।

विधि मंत्री एवं कृषि मंत्री 23 जनवरी को राजद कार्यालय में सुनवाई कार्यक्रम में होंगे शामिल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के पहल पर राजद द्वारा चल रहे सुनवाई कार्यक्रम राजद कार्यालय में 23 जनवरी मंगलवार को विधि मंत्री डॉ मो शमीम अहमद एवं कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत कार्यकताओं से मिलेंगे और सुनवाई करेगें। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि दोनों मंत्री से मिलने वालों को मंगलवार 23 जनवरी को राजद कार्यालय में पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच आवेदक स्वयं उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन कराकर ही सुनवाई कार्यक्रम मे शामिल होंगे। जिनका रजिस्ट्रेशन होगा क्रमानुसार अपराह्न 01 बजे से अपराह्न 03 बजे तक मंत्री द्वय बारी-बारी से कार्यकताओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेगें और आवश्यक कार्रवाई करेगें। एजाज ने आगे बताया कि कार्यकताओं को मंत्रीगण से मिलकर अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े जनसमस्याओं अथवा शिकायतों से उन्हें अवगत कराने के लिए आवश्यक संलग्नों के साथ लिखित में आवेदन देना होता है, उसी के अनुसार सुनवाई के बाद कार्रवाई की जाती है।

प्रो चंद्रशेखर को पहले ही हटाना चाहिए था : चिराग

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

प्रो. चंद्रशेखर को शिक्षा मंत्री पद से हटाकर आलोक मेहता को शिक्षा मंत्री बनाया गया है। इसे लेकर प्रदेश में सियासत जारी है। इस बीच रविवार को चिराग पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री को बहुत पहले ही प्रो चंद्रशेखर पर कार्रवाई करना चाहिए था। शिक्षा विभाग उनके हाथ से पहले ही छीन लेना चाहिए था। मीडिया से मुखातिब चिराग ने आगे कहा कि जिस तरीके से प्रो चंद्रशेखर विवादित बयान देकर समाज में भेदभाव का भावना प्रकट कर रहे थे। शिक्षा मंत्री का एक जिम्मेवारी होती है कि आने वाले समय में शिक्षा के नींव को इतना मजबूत करें की जात, धर्म, मजहब से उठकर, एकता का भाव लेकर अपने प्रदेश के लोगों का साथ लेकर चलने का वो कार्य करें। आगे श्री चिराग ने कहा कि मंत्री ने जिस तरीके से एक भारी आबादी की भावनाओं को भड़काने का काम किया, समाज में भेदभाव की भावना उत्पन्न करने का काम किया है, ऐसे में मंत्री पर पहले ही बड़े कठोर कार्रवाई होना चाहिए था, लेकिन अब उन्हें शिक्षा मंत्री पद से हटाया गया है, जो इतनी देर के बाद कार्रवाई होगी तो, इससे वो संदेश नहीं जा सकता है। वे निरंतर में विवादित बयान देते आए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा है। उसमें शामिल होने अवश्य जाऊंगा और बड़ा ही भाग्यशाली हूं। विपक्ष के द्वारा राम मंदिर को मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कलयुग में त्रेता युग का नया अध्याय शुरू होगा। इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दिया।

सर्द पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी, मुश्किलें बढ़ी

पूरे प्रदेश में शीत लहर का अलर्ट जारी

पटना। राजधानी पटना सहित पूरे प्रदेश में शीत लहर का अलर्ट जारी किया गया है। सर्द पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। शनिवार को पटना में हल्की धूप निकली तो लोगों को लगा कि मौसम से राहत मिलेगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। रात में कनकनी बढ़ गई। अहले सुबह से सर्द पछुआ के प्रवाह से घर से निकलना दुभर हो गया। कंपकंपाती ठंड से जन जीवन पूरी तरह प्रभावित है। न्यूनतम पारा गिरकर नौ डिग्री तक चला गया। इधर, मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक पटना, नालंदा, गया, औरंगाबाद, भागलपुर, खगड़िया, मुंगेर, जमुई, बांका, लखीसराय, नवादा, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, रोहतास, बक्सर, कैमूर समेत 18 जिलों में भीषण शीत लहर का अलर्ट जारी किया। वहीं पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, सहरसा, मधेपुरा, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली समेत 20 जिलों में शीत दिवस का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान घने स्तर का कुहासा देखने को मिलेगा। इस समय दिन और रात में सर्द हवा चल रही हैं। न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। 26 जनवरी के आसपास शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ बनने की आशंका है। इस कारण 26 से 27 जनवरी के बीच बिहार के कई जिलों में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने बारिश के साथ कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सामान्य तौर पर दिसंबर से जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से शीतकालीन बारिश हो जाती थी। इसकी वजह से आसमान साफ हो जाता था। इस बार ऐसा नहीं देखा जा रहा है। इसके परिणाम स्वरुप अगले तीन दिनों तक बिहार राज्य के एक या दो स्थानों में शीत दिवस एवं कोहरा रहने का पूवानुर्मान है।

बच्चों व बुजूर्गों को बचने की सलाह : चिकित्सकों का कहना है कि कोल्ड स्ट्रोक का मौसम है, इसलिए शरीर को बाहरी तापमान में अचानक परिवर्तन झेलने के लिए विवश नहीं करना चाहिए। जैसे बिल्कुल बंद में हैं तो थोड़ा सामान्य होते हुए बाहर जाएं। मतलब, अचानक बाहर मत जाएं। बाहर निकलना है तो गर्म कपड़ा ठीक से पहनें। गला ढंक कर रखें। पूरा गर्म कपड़ा कभी भी एक बार में नहीं उतारें। सुबह उठते ही या गर्म कपड़ा तुरंत उतारकर नहाने न जाएं। पहले से बीपी है तो दवा लेते रहें। नहीं है तो भी आसामान्य लगने पर जांच कराते रहें। कई बार जाड़ा में बीपी की दवा की मात्रा बढ़ जाती है, इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करें। डायबिटीज वाले लोग एक्सपोजर से विशेष तौर पर बचें।

पंच रुपी हनुमान मंदिर में आरंभ हुआ अखंड कीर्तन

पटना। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में रविवार को राजवंशी नगर स्थित पंचरूपी हनुमान मंदिर में 24 घंटे का अष्टजाम सह अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया जहां मनेर पटना से आए सुशील व्यास एवं सुपन राय के नेतृत्व में कीर्तन मंडली ने कीर्तन किया। इस संबंध में मंदिर के मुख्य पुजारी सुरेन्द्र दुबे एवं उपमुख्य पुजारी संतोष तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर मंदिर में महावीर जी की विशेष पूजा अर्चना की गयी। मंदिर परिसर को खास तरह की लाइट से सजाया गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में सोमवार को दिया जला जाएगा और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर मंदिर के सदस्य भगवान राम, कार्यालय प्रभारी ओम प्रकाश शर्मा, पुजारी बिरजू मिश्रा राजेश झा ,अजय झा, श्रीकांत झा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मिलर हाई स्कूल मैदान नहीं मिला तो वीरचंद पटेल मार्ग पर कर्पूरी जयंती मनाएगी भाजपा : सम्राट

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा है कि अगर 24 जनवरी को भाजपा के लिए आरक्षित मिलर स्कूल मैदान नहीं मिला तो वीरचंद पटेल मार्ग पर पूरा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा जदयू और राजद कार्यालय के सामने कर्पूरी जयंती मनाई जाएगी। मिलर हाई स्कूल मैदान में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जदयू द्वारा कहा जा रहा है कि 23 तारीख को यह मैदान आरक्षित कराया है, ठहरने के लिए , तो आज किस नियम के तहत यहां जदयू द्वारा पंडाल लगाया गया है। श्री चौधरी ने कहा कि राजनीतिक तौर पर सबको कार्यक्रम करने का अधिकार है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने स्कूल मैदान को आरक्षित करवाने का पेपर पत्रकारों को दिखाते हुए कहा कि कल भी भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर मैदान खाली करवाने का आग्रह किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा प्रदेश में लोकतंत की हत्या नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि हमलोग फिर से आग्रह कर रहे हैं कि जदयू यह मैदान खाली करे। श्री चौधरी ने कहा कि लगातार हमलोग आग्रह कर रहे, जिला प्रशासन से आग्रह किया, सीएम से आग्रह किया है। 24 जनवरी के लिए मजबूर नहीं किया जाए। प्रेस वार्ता में कपूर्री जयंती समारोह के संयोजक प्रमोद चंद्रवंशी, एमएलसी अनिल शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा, ललन मंडल, उपाध्यक्ष अमृता भूषण, सरोज रंजन पटेल, संतोष पाठक, प्रदेश मीडिया प्रभारी और प्रवक्ता मनोज शर्मा, कार्यालय मंत्री प्रवीण चंद्र पटेल, प्रवक्ता राकेश सिंह, अरविंद सिंह, अरविंद कुमार, पंकज सिंह, क्षेत्रीय प्रभारी अशोक भट्ट, मीडिया सह प्रभारी सुनील सेवक, अमित प्रकाश बबलू , रणवीर कुमार, सूरज पांडेय , पूनम सिंह, पियूष शर्मा, सुमित शशांक सहित कई लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 105 लोगों की हुई जांच

पटना। अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को शक्तिधाम बैंक रोड पटना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। मौके पर ट्रस्ट के सचिव अमर कुमार अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक माह चिकित्सा शिविर आयोजित होता है। इस चिकित्सा शिविर में कुल 105 मरीजों ने अपनी जांच करवाई। अग्रवाल ने बताया कि सभी मरीजों को निःशुल्क चाय बिस्कुट दिया गया। शिविर में डॉ बी के अग्रवाल द्वारा हेपेटाइटिस की जांच की गई। शिविर में इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस इ की जांच के लिए 25 मरीजों का खून लिया गया। मौके पर शिविर में 69 मरीजों के आँखों की जांच प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डा शशि मोहनका द्वारा किया गया। इनमे 16 मरीजों का मोतियाबिंद काफी बढ़ा हुआ था। डा मोहनका ने बताया की इनका निःशुल्क फेको विधि द्वारा आपरेशन श्याम मंदिर, न्यूबहादुरपुर के पास स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में किया जाएगा। 18 मरीजों को निःशुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। आंखों के अतिरिक्त मधुमेह की जांच डॉ सुभाष कुमार द्वारा की गयी जिसमे 21 लोगों में मधुमेह पाया गया। डा कुमार ने बताया कि मधुमेह रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। मौके पर शिविर में 12 लोगों के दांतों की जांच डॉ नितिन मैतिन द्वारा की गयी जिसमे 10 लोगों के दांत में बीमारी पाई गयी। मौके पर होमियोपैथिक विशेषज्ञ डॉ कन्हैया अग्रवाल द्वारा भी 19 मरीजों को विभिन्न बीमारियों की दवा दी गयी। इस चिकित्सा शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि दवा के कारोबारी समाजसेवी पवन केजरीवाल द्वारा सभी मरीजों को सभी जरूरी दवा निःशुल्क दी गई। केजरीवाल ने कहा कि उनके द्वारा अगले सभी चिकित्सा शिविरों में भी दवाईयां निःशुल्क दी जाएगी। मौके पर ब्लड प्रेशर की जांच जितेंद्र के द्वारा की गई। एम पी जैन ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में मुख्य भूमिका अमर कुमार अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, ललन लाठ, श्रवण अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, सूर्य नारायण, राजकुमार खेमका, रितेश तुलस्यान, तरुण हिसारिया, शशांक अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों की रही।

वैशाली-पारुखास रेलखंड पर स्पीड ट्रायल कल

पटना। हाजीपुर-सगौली नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित 16 किमी लंबे वैशाली-पारुखास रेलखंड पर 23 जनवरी को स्पीड ट्रायल तथा 24 जनवरी को संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी परिमंडल, कोलकाता द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। स्पीड ट्रायल एवं निरीक्षण के दौरान लोगों को रेलवे लाईन से दूर रहने को कहा गया है। इसकी अवहेलना करने पर यदि किसी भी प्रकार की दुर्घटना होती है तो इसके लिए रेल प्रशासन जिम्मेवार नहीं होगा। विदित हो कि 148 किमी लंबे हाजीपुर-सगौली नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत अब तक हाजीपुर से वैशाली तक ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। अब 16 किमी लंबे वैशाली से पारुखास तक निर्माण कार्य पूरा करते हुए 24 को सीआरएस निरीक्षण किया जायेगा तथा सीआरएस की अनुमति मिलने के उपरांत इस रेलखंड पर भी ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया जायेगा। इस परियोजना के शेष बचे भाग का निर्माण कार्य प्रगति पर है ।

स्कूलों में छुट्टी संबंधित के के पाठक के निर्णय का स्वागत

पटना। सूबे के सरकारी व निजी स्कूलों में छुट्टी संबंधित शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक के फैसले का प्राईवेट स्कूलस एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमायल अहमद ने स्वागत किया और उन्होंने कहा की लगातार विद्यालय बंद करने के फैसले से बच्चो की पढ़ाई बाधित होती है और सिलेबस भी पूरा नहीं हो पाता है। जिसके कारण बच्चो को काफी नुकसान होता है। साथ ही साथ शिक्षक एवम स्कूल के संचालकों को कई तरह की कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। अतः देश के होनहार छात्रों के उज्जवल भविष्य और सुनहरे सपनो को कतई भी किसी बेमायने परिस्थिति की भेंट ना चढ़ाए और विद्यालय शिक्षण का कार्य कुशलतापूर्वक चलने दें ताकि देश की नींव मजबूत रहे। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा कोचिंग इंस्टिट्यूट पर लिए गए फैसले को सही ठहराते हुए इसका पुजोर स्वागत किया एवं सरकार को धन्यवाद और बहुत-बहुत बधाई दी । उन्होंने कहा की प्रतिदिन स्कूली शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात शाम में उसी पठन-पाठन के लिए कोचिंग संस्थान वाले दोबारा से पैरेंट्स की गाढ़ी कमाई को झूठे दावे, मानसिक दबाव, भ्रामक दुष्प्रचार और झुटी उम्मीदों की बलि चढ़ाते है। जबकि सच्चाई ये है के विद्यालय में बच्चे अधिक सुरक्षित वातावरण में रहकर प्रत्येक विषयो के विषय विशेषज्ञ से कड़े अनुशासन एवं कुशल नेतृत्व में शिक्षा ग्रहण करते है साथ ही इनके विद्यालय आने जाने का समय अंकित होता है जबकि कोचिंग संस्थानो में ऐसा नही होता।

महामृत्युंजय पाटनेश्वर महादेव मंदिर में अखंड कीर्तन शुरू

- फूलों व रंग बिरंगी रोशनी से मंदिर की भव्य सजावट
- भजन व मधुर भक्ति गीतों से भक्तों में उत्साह

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पाटलिपुत्रा स्थित महामृत्युंजय पाटनेश्वर महादेव मंदिर में भी जोरदार तैयारी की जा रही है। विभिन्न प्रकार के फूलों से मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। पूरे मंदिर परिसर को रंग बिरंगी एलईडी लाईट से नहला दिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर मंदिर प्रांगण में विशेष इंतजाम किए गए हैं। अखंड कीर्तन शुरू हो चुका है। मंदिर के पुजारी बाबा शंकर ने बताया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भक्तों में उत्साह है। वर्षों का सपना सोमवार को पूरा होने जा रहा है। इसी खुशी में महामृत्युंजय मंदिर में विशेष तैयारी की गई है। बाबा शंकर ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन मंदिर प्रांगण में पूजा पाठ के अलावा भजन, पूजन व हवन सहित दीपोत्सव की तैयारी है। रविवार के 11:45 से अखंड कीर्तन के साथ राम चरित्र मानस का पाठ हो रहा है। कीर्तन मंडली कीर्तन कर रहा है। जय श्री राम के उद्घोष के साथ अखंड कीर्तन शुरू हुआ। लगातार 24 घंटे हरे राम..हरे कृष्णा.. हरे कृष्णा.. हरे हरे..का भजन जारी रहेगा। रविवार को दोपहर 12:30 बजे अखंड कीर्तन का विसर्जन होगा। इसके बाद राम दरबार लगेगा। शाम 4 बजे शाम प्रसाद वितरण होगा। वहीं, शाम 7 बजे से राम जी का विवाह कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम को लेकर भक्तों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। अहले सुबह से ही मंदिर में लोग विधि विधान से पूजा अर्चना कर रहे हैं। महिला और पुरूष की मंडली अखंड कीर्तन को सफल बनाने में जुटे है। पूरा माहौल भक्तिमय हो चुका है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय कुमार सिंह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सजावट से लेकर हर जरूरत को पूरी करने में तत्परता से जुटे हैं।

जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान हुआ शहर, भक्तिमय हुआ माहौल

गाजे बाजे के साथ निकाली जा रही शोभा यात्रा, मंदिरों की आकर्षक सजावट

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राजधानी पटना का माहौल भक्तिमय हो चुका है। गाजे बाजे के साथ शहर के विभिन्न मंदिरों, धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाली जा रही है। शोभा यात्रा को लेकर लोगों का जोश देखते ही बन रहा है। जगह-जगह पर बड़ी संख्या में लोगों ने शोभा यात्रा का जोरदार स्वागत किया। जय श्री राम के उद्घोष से पूरा शहर राममय हो गया है। श्री राम के भजन व मधुर भक्ति गीत से पूरा शहर गुंजायमान हो रहा है। महिलाओं, बच्चे सहित हर तबके के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। चारों ओर भक्ति की बयार बह रही है। घरों से लेकर मंदिरों, मठों में पूजा पाठ, शोभायात्रा और दीपोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में है। धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा दो दिन पहले यानी शनिवार से ही शोभा यात्रा निकाली जा रही है। शोभा यात्रा को लेकर लोगों का जोश देखते ही बन रहा है। प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए राजधानी पटना में श्री रामनवमी शोभायात्रा अभिनंदन समिति ने भव्य तैयारी की है, जिसके अंतर्गत 51 हजार दीपों से पटना के डाकबंगला चौराहे को जगमग किया जाएगा। रविवार से चौबीस घंटे का अष्टजाम कार्यक्रम शुरू है। प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत भजन पूजन और हवन का आयोजन भी डाकबंगला पर चौराहे पर किया जाएगा।

नागा बाबा ठाकुरबाड़ी में अखंड कीर्तन शुरू :

श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट ने तीन दिवसीय गौरवोत्सव समारोह के रूप में मनाने का निश्चय किया हैं। रविवार को नागा बाबा ठाकुरबाड़ी, कदमकुआं के प्रांगण में 24 घंटे का अखंड रामधुन कीर्तन शुरू हो गया है जो 22 जनवरी को दिन में 12 बजें तक चलेगा । 22 जनवरी को नागा बाबा ठाकुरवाड़ी कदमकुआं, मंदिर परिसर में ही विशाल रंगोली का भी निर्माण किया जाएगा जिस पर11हजार 1 सौ 11 दीपों को जलाकर दीपोत्सव के साथ ही साथ रावण दहन के तर्ज पर रंगारंग आतिशबाजी का भी प्रदर्शन होगा।

अष्टयाम, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ शुरू

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर श्री श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभायात्रा अभिनंदन समिति के तत्वावधान में राजधानी के 201 मंदिरों में भजन-कीर्तन और दीपोत्सव का आयोजन किया गया है। रविवार से शोभा यात्रा,अष्टयाम, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ शुरू हो चुका है। भंडारा और प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य आयोजन खाजपुरा स्थित शिव मंदिर में होगा।

अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा समारोह का 51 मंदिरों में टीवी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। राम मंदिर की नींव की पहली ईंट रखने वाले मा. कामेश्वर चौपाल अयोध्या से सीधे जुड़ेंगे। 101 मंदिरों पर भजन-कीर्तन (दोपहर 1 बजे से) और 25 मंदिरों पर अष्टयाम का आयोजन। 30 मंदिरों पर भंडारा का आयोजन और 50 मंदिरों पर भोग प्रसाद का वितरण किया जाएगा। दीपोत्सव का मुख्य आयोजन शाम 6 बजे खाजपुरा स्थित शिव मंदिर में होगा। राम मंदिर के 500 साल के संघर्ष पर आधारित गीत संग्रह का विमोचन किया जाएगा। शाम में दीपोत्सव के दौरान सभी 201 मंदिरों में कम से कम 500 दीये जलाए जाएंगे। समिति के सदस्यों की ओर से 101 मंदिरों में हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा। वर्चुअल जूम ऐप का लिंक साझा किया जाएगा ताकि सभी लोग एक साथ एक समय जुड़ सकें।

संक्षिप्त खबरें

हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर गाड़ा गया झंडा

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड के चकहबीब पंचायत अंतर्गत शाहपुर परोही चौक हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री श्री 1008 हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर रविवार को झंडा गाड़ा गया है। यह झंडा पूर्व मुखिया शशिकांत झा के द्वारा विश्व वैदिक धर्म संघ के पंडित लालबाबू झा के मंत्रोच्चारण व पूजा पाठ के बाद गाड़ा गया है। बता दें कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 9 अप्रैल से 17 अप्रैल 2024 तक चलेगा। मौके पर राजू सिंह, पंडित जनार्दन झा, पाण्डव मिश्र, सत्यनारायण सिंह, मणिकांत झा, जगदीश झा, विकास झा, पंकज झा, लगीना झा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

कल्याणपुर उत्तर पंचायत स्तर पर चलाई गई योजना की होगी जांच

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज कल्याणपुर उत्तर में पंचायत स्तर पर चलाई गई योजनाओं की जांच होगी। जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी के नाम पत्र निर्गत करते हुए निर्देशित किया है कि परिवाद में वर्णित बिंदुओं को यथाशीघ्र जांच के फलाफल पर नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई करते हुए कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करेंगे। बताया गया कि कल्याणपुर उत्तर पंचायत के उप मुखिया अशोक कुमार राय एवं अन्य के द्वारा ग्राम पंचायत राज कल्याणपुर उत्तर में पंचायत स्तर पर चलाई गई विभिन्न योजनाओं के जांच के संबंध में परिवाद वाद दर्ज कराया गया था।

दो घरों में हुई लाखों की चोरी

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के चकविदुलिया गांव में दो परिवार के घरों में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना का अंजाम दिया है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित राकेश पोद्दार ने बताया कि पिछले दिनों मां का तबीयत खराब हो जाने के कारण उसे पटना इलाज के लिए ले गया था। घर के अन्य लोग प्रदेश में मजदूरी करते है। घर पर कोई नही था। घर सुना पाकर अज्ञात चोरों के द्वारा घर में से जेवर, बर्तन, कपड़ा एवम घरेलु समान चोरी कर ली गई। लगभग डेढ़ लाख की क्षति हुई है। साथ ही चाचा शिवम पोद्दार के घर में भी चोरी कर लिया गया। घटना की सूचना विभूतिपुर पुलिस को दी गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं इस संबंध में थाना अध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है पुलिस जांच कर रही है। परिजनों के द्वारा आवेदन नहीं दिया गया है।

मंदिरों में होगा दीपोत्सव का आयोजन

सिहंवाड़ा संवाददाता दरभंगा प्रखंड के मनिकौली पंचायत के राधा कृष्ण मंदिर ठाकुरबारी के प्रांगण में रामजानकी मंदिर पर होने बाले आज अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर परिसर में साफ सफाई निक्कु ठाकुर कि अध्यक्षता में किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि आज प्रभु श्री रामलला का अयोध्या आने के खुशी में हमारे मंदिर परिसर में 1,100 श्रीराम दीपोत्सव और सुन्दर काण्ड भजन और कीर्तन का भी आयोजन लोक कला केंद्र भावना मिश्रा और अभिमन्यु झा द्वारा किया जा रहा है। सध्या के 6 बजे दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा उपस्थित प्रवीण ठाकुर दीपक ठाकुर प्रभास ठाकुर आशुतोष झा शिवम ठाकुर ,शुभम ठाकुर विकास ठाकुर राजाबाबू ठाकुर कुन्दन चौरसिया अमित चौरसिया दीलिफ चौरसिया प्रियांशु झा गोनोर दास आदि शामिल थे

श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज का सीएम नीतीश कुमार ने किया उद्घाटन

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है एसआरजेएमसीएच, बनाया गया अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर को 500 बेड वाला मेडिकल कॉलेज अस्पताल का सौगात मिला है। सरायरंजन के नरघोघी में बने श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में सूबे के उपमुख्यमंत्री सह प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव सहित कई मंत्री शामिल रहे। अत्यानुधिक सुविधाओं से लैश ओटी समेत कई अन्य चीजों को लेकर यह अस्पताल अपने आप में बेहद खास है। वहीं समस्तीपुर के लिए पटना से सीएम नीतीश कुमार व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव एकसाथ रवाना हुए थे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गयी थी। वर्ष 2019 में सीएम नीतीश कुमार ने ही इस मेडिकल कॉलेज अस्पताल की नींव रखी थी। श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज अस्पताल जिले के लिए बहुत बड़ा वरदान है। यह पूरी तरह अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। 500 बेड के अस्पताल वाले इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई की व्यवस्था है। सभी बेड पर ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्था की गयी है। खास बात यह है कि ऑक्सीजन की सप्लाई अगर एक साथ सभी बेडों के लिए भी की जाये, फिर भी लगातार आठ घंटे तक ऑक्सीजन सप्लाई की जा सकती है। इसके साथ ही, छात्र-छात्राओं के हॉस्टल, डॉक्टरों व स्टॉफ के लिए क्वार्टर की व्यवस्था की गयी है। ओपीडी के साथ-साथ आइसीयू, लेबर रूम, ब्लड बैंक, दो अल्ट्रासाउंड, एक एक्स-रे मशीन लगाये गये हैं। दवा स्टॉक रूम, ब्लड बैंक, रेडियोलॉजी व पैथोलॉजी की व्यवस्था की गयी है। वहीं अत्याधुनिक रोटी बनाने वाली मशीन, आटा गूंथने वाली मशीन युक्त मॉड्यूलर किचेन। श्रीराम जानकारी मेडिकल कॉलेज, अस्पताल में अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर बनाया गया है। ऑपरेशन थियेटर के ऊपर लैमिनार हेपा फिल्टर लगा हुआ है, जो बैक्टीरिया को फिल्टर कर लेता है, जिससे मरीजों पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा नॉर्मल ओटी की व्यवस्था की गयी है। वहीं, मरीज के बेड भी अत्याधुनिक हैं। बेड रिमोट सुविधा से लैस है। मरीज अपनी सुविधानुसार इसका ऐडजस्टमेंट कर सकते हैं। श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज, अस्पताल में उद्घाटन के साथ ही कई विभाग काम करने लगेंगे। ओपीडी के साथ जनरल मेडिसिन विभाग, सर्जरी विभाग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, नेत्र विभाग, शिशु रोग विभाग, रेडियोलॉजी तथा क्लीनिकल पैथोलॉजी विभाग काम करने लगेगा। इसको लेकर एसआरजेएमसीएच में 23 डॉक्टर, 24 मेडिकल कर्मी, 22 जीएनएम, 20 परिचारिका की नियुक्ति की गयी है। विभागों के संचालन की सभी व्यवस्था कर ली गयी है। बता दें कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गयी थी। जगह-जगह दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी की नियुक्ति की गयी है। उद्घाटन कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिये भव्य पंडाल बनाये गये हैं। पंडाल के सामने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री तथा मंत्रियों के लिए आकर्षक मंच बनाया गया है।

थाना पर शांति समिति की बैठक अयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार को थाना कार्यालय के सभागार में थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान के अध्यक्षता शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया.बैठक के दौरान थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला श्रीराम भगवान की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर थाना क्षेत्र में उत्सव मनाया जाने पर किसी भी पार्टी संगठन या धार्मिक स्थल के महंथ या कोई भी समाजसेवी बिना थाना के लिखित आवेदन के आलोक में लाइसेंस प्राप्त होने पर ही जुलूस निकाल सकता है.उन्होंने सभी जनप्रतिनिधि को कहा कि यदि कोई भी लोग जुलूस निकालने की कोशिश करता है उस स्थिति में अविलंब थाना को सूचना देने का निर्देश दिया गया. थानाध्यक्ष ने कहा कि किसी भी धार्मिक स्थल एव चौक चौराहे पर डीजे बाजा बजाने पर शख्त प्रतिबंध रहेगा.वही बीडीओ लवली कुमारी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन शान्तिपूर्व अपने अपने घरों में या किसी धार्मिक स्थलों पर भगवान की पूजा अर्चना करने की नसीहत दी.यदि कोई भी थाना क्षेत्र में किसी प्रकार की धार्मिक उन्माद फैलता है तो उस व्यक्ति को चिन्हित कर कठोर करवाई की जाएगी.वही शांति समिति की बैठक में उपस्थित मिथिलावादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, सरपंच रामनंदन ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि मौसम कुमार श्रीवास्तव, पूर्व जिप सदस्य वीरेंद्र प्रसाद यादव, प्रखंड़ कांग्रेस अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने थानाध्यक्ष एव बीडीओ को अस्वस्थ कराया कि क्षेत में शांतिपूर्ण माहौल में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया जाएगा.इस मौके पर राजद प्रखंड़ अध्यक्ष रामसागर पासवान, सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न राउत, अतिपिछड़ी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा,समाजसेवी नरेश यादव,राम हिदय यादव,मुखिया अमरेंद्र कुमार सिंह , राम कुमार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.

नरघोघी में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कि नई शाखा का लोकार्पण

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिले के सरायरंजन प्रखंड के नरघोघी में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कि नई शाखा का लोकार्पण मुख्य अतिथि बिहार सरकार के वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर उनके द्वारा बताया गया कि नरघोघी शाखा के खुलने से इस क्षेत्र में लगभग डेढ़ लाख आबादी को इससे लाभ मिलेगा। साथ ही यहां पर अवस्थित इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं, प्रोफेसर, कॉलेज प्रबंधन यहां के उद्यमी, किसानों, पशुपालकों एवं नागरिकों को बैंकिंग सुविधा सहजतापूर्वक मिल पाएगी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख समीर कुमार सांईं ने अपने संबोधन में बताया कि हमारा बैंक उत्तर बिहार में आवश्यक बैंकिंग सुविधाओं का ध्यान देते हुए अपने बैंक कि शाखाओं का विस्तार कर रहा है। जिले में हमारा बैंक अग्रणी बैंक के रूप में इस क्षेत्र के विकास में सरकार के साथ कदम से कदम मिला कर प्रयासरत है। श्री सांईं ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश, उत्पादन, रोजगार और आय को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। जिसमें जेएलजी, एसएचजी, डेयरी विकास, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, एफपीओ, स्वर्ण ऋण, कृषि के साथ अवसंरचनावों का विकास एवं क्षेत्र आधारित विकास योजनाओं के वित्तपोषण पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण भंडारण गोदामों और कोल्ड स्टोरेज बनाने हेतु आकर्षक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करना बैंक कि प्राथमिकता में है। इसी प्रयास में डीएम के मार्गदर्शन से नरघोघी शाखा का उद्घाटन सम्पन्न हुआ है जिससे आस-पास के ग्राम पंचायत मुक्तापुर, धरमपुर, माणिकपुर, अंगसारा, किसनपुर-युसुफ, रायपुर-बुजुर्ग, मथुरापुर, सालेमपुर, भोजपुर, अख्तियारपुर-बलभद्र, हरपुर बरहत्ता, बाजिदपुर मियारी एवं अख्तियारपुर खजूरी के लोगों को सारी बैंकिंग सुविधा इस शाखा से मिलेगी। श्री सांईं ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश, उत्पादन, रोजगार और आय को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। जिसमें जेएलजी, एसएचजी, डेयरी विकास, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, एफपीओ, स्वर्ण ऋण, कृषि के साथ अवसंरचनावों का विकास एवं क्षेत्र आधारित विकास योजनाओं के वित्तपोषण पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही ग्रामीण भंडारण गोदामों और कोल्ड स्टोरेज बनाने हेतु आकर्षक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करना बैंक कि प्राथमिकता में है। उद्यमियों के लिए बैंक के पास यूनियन मुद्रा, यूनियन एमएसएमई, एमएसएमई सुविधा, स्टैंडअप इंडिया, पीएमएफएमई, पीएमईजीपी, यूनियन टर्नओवर प्लस इत्यादि ऋण योजना बहुत ही कम ब्याज दर पर उपलब्ध है।

प्रखंड़ कांग्रेस अध्यक्ष के आवास पर इंडिया गठबंधन की बैठक अयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड़ कांग्रेस आवास पर रविवार को प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष उपेंद्र यादव के अध्यक्षता में इंडिया गठबंधन की बैठक बुलायी गयी.इस बैठक के दौरान कांग्रेस राजद जदयू एव सीपीआई के सभी अध्यक्ष एव कार्यकताओं ने सर्व सम्मत्ति से निर्णय लिया कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की झंडोतोलन को लेकर समय तय को लेकर विचार विमर्श किया गया.उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के चारो पार्टी द्वारा एक निश्चित समय तय कर झंडोतोलन करने से इंडिया गठबंधन की सभी अध्यक्ष एव कार्यकर्ता एक दूसरे झंडोतोलन में शामिल हो सके.,वही प्रखंड़ कांग्रेस अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सभी अध्यक्षों से राय विचार करके इंडिया गठबंधन की आगामी बैठक 28 जनवरी को प्रखंड़ कांग्रेस आवास पर होने की तिथि निर्धारित की गयी. उन्होंने कहा आगामी बैठक में सर्व सम्मत्ति से निर्णय लिया जाएगा कि प्रखंड़,अंचल कार्यालय में सरकारी पदाधिकारी एव कर्मियों की मनमर्जी के विरोध में इंडिया गठबंधन के अध्यक्षों द्वारा पदाधिकारी से मिलकर आम जनता की समस्या की निदान हेतु वातार्लाप करेगी.इस बैठक के मौके पर राजद प्रखंड़ अध्यक्ष राम सागर पासवान, जदयू प्रखंड़ अध्यक्ष रामबाबू सिंह,पूर्व जिप सदस्य व राजद नेता वीरेंद्र प्रसाद यादव, कांग्रेसी नेता शुशील झा,विशेश्वर झा, राजद अतिपिछड़ी अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा, सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न राउत, लक्ष्मण पंडित, राम हिदय यादव सहित अन्य इंडिया गठबंधन के नेता मौजूद थे.

किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष के सामने दर्जनों लोगों ने थामा भाजपा का दामन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष के सामने दर्जनों लोगों ने थामा भाजपा का दामन कुर्सो मछैता पंचायत के कुर्सो महादेव टोल में रविवार को भाजपा कार्यकताओं द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा मीडिया प्रभारी लालकान्त झा ने किया। कार्यक्रम में केंद्र के नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों एवं योजनाओं से प्रभावित होकर दर्जनों लोगों ने भाजपा का प्राथमिक सदस्यता लेते हुए पार्टी में शामिल हुए। पार्टी के जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा के संजय कुमार सिंह और पप्पू सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।उनकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इस पर कार्य किया जा रहा है।आज देश के करोड़ों लोगों का सपना साकार हुआ और देश ही नहीं विदेशों के सैकड़ो देश में आज रामोत्सव मनाई जा रही है। कार्यक्रम को जिला किसान मोर्चा के मंत्री कन्हैया चौधरी, रामसागर चौपाल, पुरुषोत्तम झा, सिटु झा ने संबोधित किया। इस दौरान पार्टी की सदस्यता लेने वालों में महेंद्र पासवान, गुलाब पासवान, उदयकांत कामत, सुभाष कामत, संजय पासवान, गुलेटिन पासवान, सरल पासवान के साथ दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

वाहन चेकिंग के दौरान तीन बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, एक देसी कट्टा व तीन गोली बरामद

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के शीतलपट्टी चौक के पास शनिवार की शाम वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने बाइक सवार तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, तीन गोली, दो मोबाइल व एक बाइक बरामद किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र के हरसिंगपुर टाड़ा के दीपनारायण साह के पुत्र रविन कुमार (20 वर्ष), मकसूदन सहनी के पुत्र रौशन कुमार (24 वर्ष) एवं अशोक सहनी के पुत्र विशाल कुमार 18 वर्ष के रूप में हुई है। बदमाशों के पास से बरामद हथियार व समानों को पुलिस के द्वारा जब्त कर लिया गया और सभी बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए मुफ्फसिल थाने ले जाया गया। जहां उनके विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस सम्बन्ध में अपर थानाध्यक्ष आनंद कश्यप ने बताया कि मुफ्फसिल थाने में तैनात एएसआई रंजीत कुमार थाना के सशस्त्र बल के जवानों व स्थानीय चौकीदारों के साथ शनिवार की शाम शीतलपट्टी चौक पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवक मुसरीघरारी की तरफ से आ रहे थे। पुलिस को देख उन्होंने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस बल की तत्परता से उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर बाइक चला रहे रविन कुमार के पास से दो गोली व एक मोबाइल एवं बीच में बैठे रौशन कुमार के पास से एक लोडेड देसी कट्टा व एक मोबाइल बरामद किया गया। इसके बाद तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं इस सम्बन्ध में मुफ्फसिल थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के विरुद्ध मुफ्फसिल थाने में सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। बदमाशों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता जोश फेस्ट 2024 का उदघाटन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा मिथिला माइनोरिटी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, एकमीघाट , लहेरियासराय, दरभंगा के द्वारा वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता जोश फेस्ट 2024 का उदघाटन कॉलेज परिसर के खेल मैदान में राष्ट्रीय गान एवं दीप प्रज्वलित कर हर्षोल्लास के वातावरण में किया गया। यह प्रतियोगिता का कार्यकम दिनांक 21.01.2024 से 28.01.2024 तक चलेगा, जिसमें महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं एवं सभी शिक्षक गण भाग लें रहे हैं । उद्घाटन सत्र में राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलित के बाद छात्र-छात्राओं के द्वारा मार्च पास्ट निकाला गया एवं अलग-अलग सत्र के छात्रों के द्वारा मसाल दौड़ का भी आयोजन किया गया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता जोश फेस्ट 2024 का उदघाटन कॉलेज के प्रबंध निदेशक इम्बेशात शौकत ने किया। अपने संबोधन में इम्बेशात शौकत ने इस तरह के खेलकूद प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 8 दिनों तक चलने वाले इस खेलकूद प्रतियोगिता में तेरह इवेंट को शामिल किया गया हैं, जिसमें क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो के अतिरिक्त 100 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो आदि शामिल है। उन्होंने छात्रों से पूरे उमंग और जोश के साथ एवं पूरी खेल भावना का आदर करते हुए सभी खेलों में भाग लेने का आह्वान किया । इम्बेशात शौकत अपने सम्बोधन में यह भी कहा कि आज का दिन कालेज के छात्र एवं छात्राओं के लिए खुशी का दिन है क्योंकि डॉक्टर की पढ़ाई करने वाले छात्र एवं छात्राएं भी इस ठंडक में जोश व खरोश देखने को मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र एवं छात्राएं पढ़ाई में रुचि रखते हैं वह खेल कूद में भी रूचि रखते हैं। उन्होंने ने यह भी कहा कि मुझे पूरी आशा है कि पढ़ाई में अपना नाम रोशन कर अपने माता पिता एवं कालेज का भी नाम रोशन कर एक मिशाल कायम करे साथ साथ खेल में भी अपना नाम रोशन करें। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर ए. सुधीर ने कहा कि इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं पुरे जोश से भाग ले और खेल भावना का परिचय दे। उद्घाटन खेल के रूप में बीडीएस तृतीय वर्ष एवं चतुर्थ वर्ष की टीमों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर उपनिदेशक मुशर्त शौकत, डॉ. तौसीफ फैसल, ओ.एस. डी. डॉ पूजा साहा, पी.आ.रो ., डॉ. हसन अशरफ, पेशेंट एवं स्टूडेंट वेलफेयर उपस्थित थे ।

हजारों दिया, तेल बती का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भाजपा नेता डॉ राम मोहन झा के नेतृत्व में उनके समर्थकों के द्वारा हजारों दिया, तेल बती का वितरण दरभंगा जिला अन्तर्गत किया गया। साथ ही दरभंगा महाराज द्वारा नरगोना परिसर में स्थापित श्रीराम मंदिर में ढाई सौ दीप जलाया गया। दरभंगा शहरी क्षेत्र में डॉ भरत राय, डॉ गोपाल प्रसाद गुप्ता, विरेश्वर मिश्र द्वारा गरीब तबके के लोगों के बीच दिया, तेल एवं बाती का वितरण किया गया। वहीं देहाती क्षेत्र में बिपती देवी, राम पुकार राय, रंजीत सहनी, ललित कुमार झा, जितेन्द्र कुमार, धीरेन्द्र कुमार चौधरी बैजू , शिवजी राय, द्वारा दिया, तेल एवं बती का वितरण किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता डॉ राम मोहन झा ने कहा कि दरभंगा के महाराज क्षत्र सिंह ने वर्ष 1807 में श्रीराम मंदिर बनवाया था। इस मंदिर की स्थापना की चर्चा लगभग 150 वर्ष पुरानी मुकुंद झा बख्शी की खंडवाल राजवंश और परमेश्वर झा लिखित मिथिला तत्व विमर्श नामक पुस्तक में उपलब्ध है। इस मंदिर का स्वरूप अयोध्या के पुराने मंदिर से मिलता जुलता है। परन्तु उचित देखभाल के अभाव में यह मंदिर टूटी फूटी अवस्था में है। डॉ झा ने यहां के राजनेता, बुद्धिजीवी तथा सभी संतों से आग्रह किया कि इस मंदिर को पुनर्जीवित कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु कारगर कदम उठाएं। डॉ भरत राय ने कहा कि दीप, बाती एवं तेल के वितरण से आम गरीब जनता में भारी उत्साहित है। वहीं प्रवक्ता प्रो ज्योति रमण झा ने कहा कि 22 जनवरी को मिथिला में भव्य दीपोत्सव मनाया जाएगा।

जुमला नहीं जवाब दो, 10 साल का हिसाब दो : आइसा

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

शहर के मालगोदाम चौक स्थित भाकपा माले कार्यालय मेंरविवार को छात्र संगठन आइसा की जिला कमिटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बतौर अतिथि भाकपा-माले जिला सचिव प्रो. उमेश कुमार शामिल थे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष लोकेश राज व संचालन आइसा कार्यालय सचिव राजू झा ने की। वहीं बैठक में मुख्य अतिथि के बतौर उपस्थित भाकपा माले जिला सचिव उमेश कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के सवालों पर छात्र युवाओं में भारी गुस्सा है। संविधान लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है। महिलाओं पर यौन उत्पीड़न लगातार बढ़ रहा है। जनता के ज्वलंत सवालों पर सरकार जनता को चुप करने के लिए अक्षत भभूत बांटकर अपनी नाकामियों को ढकने के लिए धर्म को राजनीतिक रूप देखकर देश की जनता के गुस्सा शांत करने की सरकार की योजना है। इन सबको देखते हुए आइसा के राष्ट्रीय अभियान को समस्तीपुर में सभी स्कूल, कॉलेज तक ले जाने की जरूरत है, और 24 जनवरी को जननायक कपूर्री ठाकुर के जन्मशताब्दी के वर्ष पर समस्तीपुर में संविधान बचाओ-लोकतंत्र बचाओ जनसंकल्प सभा में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर बात रखें। आगे बैठक को संबोधित करते हुए आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज ने कहा कि मोदी सरकार के 10 साल, यंग इंडिया के 10 सवाल के तहत आइसा का राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान पूरे देश भर में छात्र-नौजवानों के बीच चल रहा है। इसके तहत समस्तीपुर के सभी कॉलेजों, प्रखंड में आइसा के द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। देश भर में मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आइसा पदार्फाश कर रही है, और देश में एनईपी 2020 लाकर फी वृद्धि और सार्वजनिक शिक्षा को आम छात्रों के पहुंच से दूर कर दिया गया है, जिसमें लगातार फी वृद्धि, सीट कटौती हो रही है। जब इतनी भारी फीस होगी तो गरीब, पिछड़े आदिवासी पृष्ठभूमि के छात्र शिक्षा में कैसे प्रवेश करेंगे। ऊपर से सीयूईटी जैसे परीक्षा लेना गरीब, दलित व पिछड़े छात्रों को उसे शिक्षा में जाने से रोक रहा है। पिछले 45 साल के उच्चतम स्तर पर बेरोजगारी है! 10 साल में 22 करोड़ लोगों ने आवेदन किए हैं। लेकिन मात्र 7 लाख लोगों को ही सरकार नौकरी दे पाई है। रेलवे जैसे सहित अन्य संस्थाओं में लाखों पद खाली पड़े हुए हैं। सरकार इसे भरने की कोई कोशिश नहीं कर रही है। वैज्ञानिक तकनीक प्रगतिशील मूल्यों सांप्रदायिक सदभाव और समाज के सामंतवादी दृष्टिकोण शिक्षा को दूर किया जा रहा है। बिहार के विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा से सैकड़ो छात्रों को सपना चकनाचूर हो गया है। वहीं आइसा जिला उपाध्यक्ष दीपक यदुवंशी ने कहा कि आइसा नया सदस्य बनाते हुए जिला के सभी स्कूल-कॉलेज सदस्यता अभियान एवं हस्ताक्षर अभियान, शिक्षा-रोजगार सहित ।

पुलिस का मानवीय चेहरा,भीषण ठंड में भटक रही 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला को पहुंचाया उसके घर

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी 60 वर्षीय एक महिला इस कड़ाके की ठंड में अपने घर एवं परिजनों से बिछड़ गई थी और भटक रही थी, पेट्रोलिंग कर रहे 112 की टीम की नजर उस महिला पर पड़ी जिसके बाद पुलिस ने अपनी गाड़ी में बिठाकर सकुशल महिला को उसके घर पहुंचाया। क्षेत्र भर में पुलिस की इस सराहनीय कार्य के लिए उसकी खूब प्रशंसा की जा रही है।112 प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि उनकी टीम पेट्रोलिंग कर रही थी उसी समय जयनगर महादेव स्थान के निकट एक 60 वर्षीय बुजुर्ग भटकती महिला पर उनकी नजर पड़ी। जिसके बाद रुककर उन्होंने महिला से पूछताछ की लेकिन वह कुछ बता नहीं पा रही थी। आसपास के लोगों से पूछताछ एवं छानबीन के बाद पता चला कि महिला जयनगर उच्च विद्यालय के पीछे की मोहल्ला ह्यजनकपुरीह्न की निवासी है। महिला का नाम दुर्गा देवी है और उसके पति का नाम स्व. सत्यनारायण यादव है। जिसके बाद 112 की पूरी टीम ने उक्त बुजुर्ग महिला को सकुशल उसके घर पहुंचाया। 112 पुलिस की इस मानवीय चेहरा एवं सराहनीय कार्यों की खूब प्रशंसा की जा रही है।

श्रद्धाजली सभा को सफल बनाने का लिया निर्णय

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड के महथी दक्षिण पंचायत के सीपीआईएम की 3 शाखाओं एकडारा, सिरसी तथा मोहनपुर की संयुक्त बैठक राम सुहावन महतो की अध्यक्षता संपन्न हुई। बैठक में महथी दक्षिण पंचायत के पूर्व मुखिया दिवंगत मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया। सर्वसम्मति से ललन प्रसाद महतो को एकडारा शाखा का कार्यकारी सचिव चुना गया तथा 29 को मनरेगा भवन एकडारा के समीप विशाल संकल्प सभा की तैयारी करने, 25 जनवरी 2024 को कल्याणपुर पुस्तकालय पर लेनिन जयंती समारोह, 26 जनवरी को ट्रैक्टर रैली में तथा 31जनवरी को शहीद रामनाथ महतो के शहादत दिवस को मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में लोकल कमेटी सदस्य सह सिरसी शाखा के सचिव शंभु कुमार यादव, मोहनपुर शाखा सचिव चन्द्रभूषण प्रसाद वर्मा, अनिल कुमार, अचल कुमार, पवन कुमार, हरेराम पासवान, दिलीप कुमार, मुनेश्वर प्रसाद सिंह, कामेश्वर प्रसाद, ब्रह्मदेव महतो, अजित कुमार, मो यूनुस, रामानन्द महतो, शंकर ठाकुर, राम सकल राम, नरेश कुमार यादव, विनय कुमार प्रसाद, शंभु कुमार महतो, सीताराम सिंह, प्रमोद कुमार महतो, अवधेश कुमार, कृष्ण कुमार राय आदि ने अपना विचार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरण केन्द्र में आज से संचालित होंगी कक्षाएं

मधेपुरा । मुख्यमंत्री व्यवसायिक पाठ्यक्रम मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरण केंद्र में दूसरे बैच के लिए निर्धारित 120 सीटों पर नामांकन पूरा कर लिया गया है। कुलपति प्रो. राजनाथ यादव के आदेशानुसार सोमवार (22 जनवरी) से ऑफलाइन-ऑनलाइन कक्षाएं शुरू होंगी। कुलसचिव प्रो. मिहिर कुमार ठाकुर ने बताया कि शीतकालीन सत्र में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और तत्काल शिक्षाशास्त्र विभाग में ऑफलाइन मोड में कक्षाओं का संचालन किया जाएगा।

भारी मात्रा में गांजा बरामद

मुजफ्फरपुर । पुलिस ने वाहन चेकिंग के क्रम में अहियापुर थानान्तर्गत संगम घाट के पास फोरलेन सड़क पर एक स्कॉर्पियो पर लदे 91.530 कि0ग्रा0 गांजा बरामद किया है।इस संबंध में अहियापुर थाना कांड सं0-88/24 दर्ज किया गया है।यह जानकारी एएसपी नगर अवधेश सरोज दीक्षित ने बताया कि स्कार्पियो छोड़ कर चालक फरार हो गया।चालक का मोबाईल बरामद हुआ है जिसके आधार पर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा रही है।

निजी जमीन में सड़क निर्माण पर लगाए रोक

सौरबाजार/ सहरसा- निजी जमीन पर बिना भू-स्वामी की सहमति के सड़क निर्माण नहीं किए जाने को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग ने यह भी स्पष्ट कर रखा है कि मालिक की अनुमति के बिना यदि निजी जमीन पर सड़क का निर्माण किया गया या फिर निजी जमीन में मिट्टी कटाई की गई तो संबंधित कार्यपालक अभियंता,सहायक अभियंता व कनीय अभियंता व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेवार माने जाएंगे। बावजूद इसके एक निर्माण एजेंसी प्रखंड क्षेत्र के अजगैवा से गढ़िया जाने वाली सड़क में एक व्यक्ति की निजी जमीन में सड़क निर्माण कराने पर तुली हुई है। इस मामले को लेकर अजगैवा निवासी शैलेंद्र यादव नें सीओ को आवेदन देकर गुहार लगाया हैं। वर्षों बीत जाने के बावजूद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। जबकि शैलेंद्र यादव बार-बार आवेदन देकर गुहार लगाते आ रहे हैं। आवेदन में शैलेंद्र यादव ने उल्लेखनीय किया है कि खाता 195 खेसर 280 हैं। जबकि निजी जमीन के पश्चिम सरकारी जमीन है उसमें सड़क निर्माण का कार्य नहीं हो कर निजी जमीन में सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

कोल्ड डे की स्थिति बरकरार

मुजफ्फरपुर।जेट हवाओं के प्रभाव के कारण जिले में आज भी कोल्ड -डे की स्थिति बनी रही। अधिकतम और न्यूनतम तापमान का अंतर आज मात्र 3डिग्री सेल्सियस रहा।दिन भर सूर्य के दर्शन नहीं हुए।पछिया हवा के कारण कनकनी से आम लोग आज भी हकलान रहे।जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्रडॉ0 राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा सब मिली जानकारी के अनुसार, आज का अधिकतम तापमान सामान्य से 9.2डिग्री सेल्सियस कम होकर 12.8 डिग्री सेल्सियस हो गया।न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री रहा जो सामान्य से 2.3 अधिक था।सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 92प्रतिशत और दोपहर बाद घटकर 89 प्रतिशत हो गया।पछिया हवा की गति 8.7किमी प्रति घंटा रही।

जाप सुप्रीमो पप्पू यादव ने जनता दर्शन के दौरान कई मामले का किया निष्पादन

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड प्रखंड के इसराइन खुर्द पंचायत स्थित आदर्श ग्राम खुर्दा गांव में जाप सुप्रीमो सह पूर्व सांसद पप्पू यादव ने पैतृक आवास पर रविवार को जनता दर्शन के दौरान सैकड़ों लोगों से मुलाकात कर कई मामले का निष्पादन किया। मौके पर श्री यादव जरूरतमंदों को आर्थिक मदद किया। पप्पू यादव ने मधेपुरा,सुपौल, सहरसा, पूर्णिया जिले के सैकड़ों कार्यकर्ता से मुलाकात कर पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए विशेष चर्चा किया। जनता दर्शन के दौरान जरूरतमंदों को आर्थिक मदद भी किए। बैठक में पार्टी को मजबूती के लिए विशेष चर्चा किया गया। आज देश में एक तरफ कॉरपोरेट हावी है दूसरे तरफ देश को बचाने की लड़ाई जारी है। मौके पर जाप प्रखंड अध्यक्ष मुकेश यादव,बिनोद याद, मनोज यादव, अनिल अनल, अब्दुल कलाम आजाद, जाप नेता पिंटू यादव, जाप युवा प्रखंड अध्यक्ष रणधीर कुमार,मिथलेश कुमार,अवधेश कुमार, सुरेंद्र यादव, राजीव कुमार बबलू, मंटू सिंह समेत पार्टी के दर्जन कार्यक्रता मौजूद ।

जन अधिकार पार्टी युवा परिषद मधेपुरा के जिला अध्यक्ष गोपी कृष्ण वीडियो ने उदाकिशुनगंज प्रखंड के जन अधिकार युवा परिषद के प्रखंड अध्यक्ष पद पर मुकेश कुमार यादव को मनोनीत किया ।जाप पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद पप्पू यादव के समक्ष मनोनित पत्र दिया। श्री पप्पू यादव ने माला पहना कर पार्टी में पदाधिकारी बनने के लिए उन्हें बधाई दी। मनोनीत युवा परिषद के प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने कहा पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है ।उन्हें इमानदारी पूर्वक निर्वहन करुंगा और पार्टी के लिए डोर टू डोर कार्य कर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद पप्पू यादव के हाथों को मजबूत करने का काम करूंगा। मौके पर जन अधिकार युवा परिषद के जिला अध्यक्ष गोपी कृष्णा वीडियो, मुकेश यादव, मनोज यादव, अनिरुद्ध यादव, कुंदन कुमार, दीपक कुमार, भानु प्रताप, देवाशीष पासवान अन्य कार्यकताओं ने बधाई दी।

छिनतई मामला में अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

पतरघट/सहरसा। जिले के थाना सौर बाजार पतरघट ओपी क्षेत्र के तिरासी नहर पर एक राहगीर को दो अपराधी द्वारा कट्टा का भय दिखाकर मोबाइल एवं पांच हजार छीनतयी का मामला प्रकाश आया हैं, जिसे ग्रामीण के द्वारा एक अपराधी को पकर लेने के आरोप मे वादी नवीन राम के द्वारा कांड प्रतिवेदित कराया गया था। जिसपर त्वरित प्राथमिकी संख्या 61/24 धारा 392आई पी सी अंकित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक सहरसा के निर्देशन मे एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए तथा पकराए ब्यक्ति के स्वीकारोक्ती बयान के आधार पर एवं उसके निशानदेही पर लूटी गई मोबाइल और चोरी के दो मोबाइल एवं परियुक्त एक देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस, और दो खोखा के साथ अन्य दो अपराधी को गिरफ्तार किया गया पकराए गये अपराधी की पहचान पंचायत धबौली दक्षणी के टेकनमा वार्ड नं 09 के निवासी मो. इब्रान पिता मो. जलील, मो. जमीर पिता मो. छोटी, मो. जुमन पिता मो. मुसलीम, इस बावत ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया की शामिल पुलिस बल मे पुअनि बरुण कुमार शर्मा, पुअनि पंकज कुमार यादव हैं वही पुलिस ने संध्या गस्ती के दौरान वाहन जांच के क्रम मे विशनपुर हाट के पास से एक उजला रंग का टाटा डियागो गारी के साथ प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कपसीरप ,के साथ साथ चालक सहित एक कारोबारी भी गिरफ्तार किया गया कोडीनयुक्त कपसीरप की मात्रा 11 पीस बताया गया है पकराये चालक एवं कारोबारी की पहचान पतरघट मुख्यालय के वार्ड 05 निवासी मो. सद्दाम पिता मो. अब्बास दूसरा सूर्यमोहन कुमार पिता स्वर्गीय अनिल शर्मा जिसका गिरफतारी पुअनि नीरज कुमार के द्वारा किया गया पकराए गये अपराधी के उपर उचित कार्यवाही करते हुए न्यायिक हिरासत में सहरसा भेज दिया गया है।

निजी कंपनियों और ट्रेडर्स द्वारा प्राध्यापकों की बहाली के फैसले का विरोध

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा । बिहार के महाविद्यालयों में निजी कंपनियों और ट्रेडर्स द्वारा प्राध्यापकों की बहाली के फैसले के विरोध में रविवार को भूपेंद्र नारायण मंडल चौक पर एनएसयूआई, एआईएसएफ और आइसा ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। बिहार सरकार के इस फैसले को छात्र संगठनों ने छात्र विरोधी बताकर घंटों सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई जिलाध्यक्ष निशांत यादव ने कहा की निजी कंपनियों द्वारा महाविद्यालयों में प्राध्यापकों की बहाली उच्च शिक्षा को बर्बाद कर देगी। निजी कंपनियों द्वारा बहाली में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितता बरती जाएगी। जिसका उदाहरण अन्य सेवा क्षेत्रों में निजी कंपनियों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा की बिहार के तमाम सरकारी कार्यालयों में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर निजी कंपनियों द्वारा बहाली की जाती है जिसमे अभ्यर्थियों का शोषण, कमीसन खोरी और भ्रष्टाचार आम बात हो गया है। जिलाध्यक्ष निशांत यादव ने कहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद को समाजवाद और सामाजिक न्याय के पैरोकार कहते है लेकिन उनकी नीतियां बिल्कुल इसके विपरित है। उच्च शिक्षा में निजीकरण कर निजी कंपनियों का हस्तक्षेप समाजवाद की कौन सी परिभाषा है। बहाली में निजी कंपनियों द्वारा आरक्षण रोस्टर की अनदेखी कौन सी सामाजिक न्याय है। आइसा जिला सचिव पावेल कुमार ने कहा बालू और गिट्टी बेचने वाली ट्रेडर्स को अगर शिक्षकों की बहाली का ठेका दिया जायेगा तो ऐसे परिस्थिति में बेहतर शिक्षा की उम्मीद करना हास्यपद है। सरकार द्वारा बिहार के उच्च शिक्षा व्यवस्था में निजीकरण को हमलोग कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यरूप से एआईएसएफ नेता प्रभात रंजन, आइसा राज्य उपाध्यक्ष नीरज यादव, जिलाध्यक्ष सन्नी कुमार, शशिकांत, एनएसयूआई जिला सचिव सोनू कुमार, अंशु पासवान, लालबहादुर कुमार, रामविलास, आशुतोष कुमार, धीरज कुमार, अमरदीप कुमार, प्रदीप कुमार, अमरेश कुमार, कौशल कुमार समेत दर्जनों छात्र और छात्र नेता मौजूद थे।

मधेपुरा मंथन एक शिक्षा संवाद का किया गया आयोजन, दी गई जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) नगर परिषद छेत्र के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर में मधेपुरा मंथन एक शिक्षा संवाद का आयोजन किया गया। मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं जिला परिवहन पदाधिकारी मौजूद थे। बताया गया कि बिहार सरकार शिक्षा विभाग की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजना संचालित है, इन लोक कल्याणकारी योजना के संबंध में छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को समुचित जानकारी नहीं रहने की स्थिति में, आए दिन उन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन करने में उन्हें असुविधा होती है, तथा कभी-कभी उन योजनाओं के लाभ से वंचित रहने की भी संभावना बनी रहती है, ऐसी स्थिति में शिक्षा संवाद कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया है, ताकि कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उन्हें समुचित जानकारी प्रदान की जा सके। वही सभी योजना के बारे में विस्तार रूप से बताया गया। मौके पर प्रधानाध्यापक श्रीमती पूनम कुमारी, शिक्षक दिनेश मुखिया, अमरेंद्र कुमार, पीयूष कुमार, प्रफुल चंद्र, विकास कुमार, मनोज श्रीवास्तव, मिथुन कुमार, मनोहर कुमार, श्याम कुमार, ग्रामीण विनोद यादव, शोभा कांत यादव, जयप्रकाश यादव, रवींद्र राय, जीत कुमार सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

कोडिनयुक्त विसकप सीरफ के साथ दो युवक एक कार के साथ गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

पतरघट/सहरसा। पुलिस ने शनिवार की शाम गस्ती के दौरान वहां जांच के क्रम में एक फोर व्हीलर से 11 पीस कोड़ी युक्त कफसिरप के साथ एक उजाला रंग का टाटा इग्नोर कार विशनपुर हटिया के पास से दो युवक को गिरफ्तार किया गया ओपी अध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया कि गस्ती के दौरान गुप्त सूचना पर पुअनि निरज कुमार पासवान ने पुलिस बल के साथ विशनपुर हटिया के पास वाहन जांच के क्रम में एक उजाला रंग का फोर व्हीलर पर 11 पीस कोडिनयुक्त विसकप सीरफ के साथ दो युवक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान मो० सद्दाम पिता मो० अब्बास पतरघट पंचायत वाड नंबर 05, दूसरा अनिल शर्मा का पुत्र सूरज मोहन कुमार पतरघट वार्ड नंबर 4 के रहने वाले को गिरफ्तार किया। तथा दोनों गिरफ्तार को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की बात कही है।

खेग्रामस की दो दिवसीय बैठक में कई प्रस्ताव किए गऐ पारित

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा(खेग्रामस) की पिछले दो दिनों से चल रही राज्य परिषद की बैठक आज संपन्न हो गई।बैठक से निर्णय लिया गया कि 2430 जनवरी के बीच भाकपा माले द्वारा चलाए जा रहे संविधान बचाओलोकतंत्र बचाओ जन संकल्प अभियान में खेग्रामस मजबूती से भाग लेगा।

1फरवरी को संसद के सत्र के दरम्यान दलितगरीबों का आरोपपत्र डीएम के समक्ष दर्ज किया जायेगा।इस मौके पर जिलों में मार्च निकाला जाएगा।विधानसभा के सत्र के दरम्यान भी उसे सदन के भीतर लहराया जायेगा। खेग्रामस ने 16फरवरी के अखिल भारतीय हड़ताल और ग्रामीण भारत बंद को सफल बनाने की कार्ययोजना बनाई है। विदित हो कि मोदी सरकार के मजदूरकिसान विरोधी नीतियों के खिलाफ देश के किसान संगठनों और ट्रेड यूनियन संगठनों ने संयुक्त रूप से इसका आह्वान किया है।

दलित गरीबों के बीच अभियान को तेज करने के लिए 1625 फरवरी के बीच राज्य के 1000 से ज्यादा पंचायतों में जन सम्मेलन आयोजित होगा।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खेग्रामस के राज्य अध्यक्ष मनोज मंजिल ने कहा कि मोदी सरकार देश की जनता के सवालों का गला घोंट रही है।रोजीरोटी को नकारकर लोगों को अक्षत भभूत में उलझा रही है।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह विधायक सत्यदेव राम ने कहा कि दलितवंचितों के मुक्ति और विकास के संविधान को मोदी सरकार तहस नहस कर रही है।

विधायक बीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा जमींदारोंलंपटों की पार्टी बन गई है।12 घंटे काम लेने का प्रावधान इस सरकार ने अंबानी अदानी को मदद पहुंचाने के लिए लाया है। उन्होंने कहा कि प्रवासी मजदूरों के प्रति मोदी सरकार असंवेदनशील बनी हुई है।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव धीरेंद्र झा ने कहा कि मोदी सरकार का 10 साल,दलितगरीबों का हुआ बुरा हाल साबित हुआ है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार राम और मंदिर का राजनीतीकरण कर रही है।मोदी सरकार के खिलाफ आरोपपत्र को जन जन तक पहुंचाया जाएगा। संवाददाता सम्मेलन में राज्य सचिव शत्रुघ्न सहनी और राज्य उपाध्यक्ष जीबछ पासवान आदि मौजूद थे।

राम जानकी स्थान से भव्य शोभा यात्रा निकाला गया

प्रात: किरण संवाददाता

पतरघट/सहरसा। अयोध्या में सोमवार को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर रविवार को पामा राम जानकी स्थान से स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से भव्य शोभा यात्रा व झांकी निकाली गई शोभायात्रा पामा दुर्गा स्थान मंदिर परिसर से निकलकर विभिन्न मार्गों से गुजरा तथा नगर भ्रमण के पश्चात पामा हाट शिव मंदिर के सामने जय श्री राम के नारे गूंजते हुए पहुंचा जहां श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर पुनः वापस पामा दुर्गा मंदिर एवं राम जानकी ठाकुरबारी परिसर पहुंचा इस दौरान जय श्री राम जय जय राम सीताराम के जयघोष से पूरा वातावरण राममय बना रहा आयोजक ने बताया की रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पामा शिव मंदिर परिसर,एवं कम दुर्गा स्थान राम जानकी ठाकुरबाड़ी के प्रांगण में सोमवार को एक दिवसीय अष्टयाम, भजन कीर्तन रामधूनी सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम किया जाएगा।आयोजित धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनानें में स्थानीय सभी जाति धर्म संस्कृति मजहब समुदाय के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हैं। राम जानकी ठाकुरबाड़ी के महंत मनोज दास ने बताया कि प्रसाद के रूप में खीर का भंडारा रखा गया है यह सौभाग्य की बात है जो आज पूरे देश में राम मय देखने को मिल रहा है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आज पूरे हिंदुस्तान में दीपावली मनाया जा रहा है इससे खुशी की बात ज्यादा क्या हो सकती है

लेनिन ने मार्क्सवादी चिंतन धारा के आधार पर दिखाई शोषण से मुक्ति की राह : अरुण कुमार सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।दुनिया भर के मेहनतकश वर्ग के महान नेता कॉमरेड लेनिन की मृत्यु शताब्दी वर्ष पर एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) की ओर से जुलूस एवं सभा का आयोजन किया गया। जुलूस मोतीझील स्थित जिला कार्यालय से निकलकर कल्याणी चौक, जवाहर लाल रोड, तिलक मैदान रोड होते हुए कार्यालय सभागार पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया।कार्यालय सभागार में कार्यक्रम की शुरूआत लेनिन के तस्वीर में माल्यार्पण से किया गया। सभा को संबोधित करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह बिहार राज्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि लेनिन ने मार्क्सवादी चिंतनधारा को अपनाते हुए, उसे उन्नत, विकसित और समृद्ध कर मजदूर-किसानों की मुक्ति की राह दिखाई। उन्होंने बताया कि पूंजी का आविर्भाव होते ही पूरा समाज एक तरफ खून-पसीना बहाकर अपनी मेहनत से तमाम संसाधनों का उत्पादन करने वाले अर्थात श्रमिक व मजदूर वर्ग और दूसरी तरफ उत्पादित वस्तुओं एवं समाज के संसाधनों पर अपनी मिलकीयत स्थापित करने वाले पूंजीपति वर्ग में विभक्त हो गया। साथ ही पूंजीवादी राजसत्ता के द्वारा पूंजीपतियों व साम्राज्यवादियों के हित में जनविरोधी काले कानून बनाकर मजदूरों के अधिकारों को छीनते हुए आउटसोर्सिंग व निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। पूंजीवाद के बढ़ते और नित्य गहराते संकट के कारण लोगों का जीना दुभर हो गया है। लोग बदलाव के लिए छटपटा रहे हैं। पूरी दुनिया में इससे मुक्ति के लिए कई जगहों पर आंदोलन भी हो रहे हैं। यह आंदोलन पूंजीवादी राजसत्ता के खिलाफ निर्णायक आंदोलन में तब्दील न हो जाये, इसके लिए वर्तमान पूंजीवादी राजसत्ता आम जनमानस को धर्म, जात-पात, क्षेत्रवाद, नस्लवाद आदि में उलझाने की कोशिश ही नहीं कर रही है, बल्कि इसमें सफल भी हो रही है। इस संदर्भ में लेनिन ने बहुमूल्य सीख देते हुए बतलाया कि मेहनतकश अवाम अपने संगठन को तमाम भटकावों से मुक्त कर वर्गीय दृष्टिकोण के आधार पर मुक्ति के हथियार के रूप में निर्मित करे। उन्होंने लेनिन के हवाले से बताया कि समाजवादी राजसत्ता आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और नैतिक रूप से इतनी विकसित हो सकती है कि समाज को भूख, भिक्षावृत्ति, बेरोजगारी, ऊंच-नीच, धर्म, जात-पात, पुरुष एवं महिलाओं के बीच असमानता से मुक्त करते हुए सबों के लिए रोजगार, मुफ्त शिक्षा एवं चिकित्सा उपलब्ध करा सकती है। लेनिन ने समाजवादी क्रांति को अंजाम देकर आम जनमानस को यह दिखाया कि मार्क्सवाद महज कोरा सिद्धांत नहीं है। वह व्यवहारिक रूप में मजदूरों का राज कायम कर पूंजीवादी शोषण से होने वाली समस्याओं से आम जनता को स्थाई रूप से मुक्ति भी दिला सकता है। सभा की अध्यक्षता करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के मुजफ्फरपुर जोन संयोजक अर्जुन कुमार ने कहा कि लेनिन महान मार्क्सवादी दार्शनिक, चिंतक और रूस में प्रथम समाजवादी क्रांति के निमार्ता थे।

प्रोजेक्ट कन्या उच्च +2 विद्यालय में मंथन एक शिक्षा संवाद कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड प्रखंड के प्रोजेक्ट कन्या उच्च +2 विद्यालय कुमारखंड के प्रांगण में रविवार को मंथन एक शिक्षा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कड़ाके ठंड में भी छात्र-छात्राएं और अभिभावक मंथन एक शिक्षा संवाद कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का विधिवत विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि मधेपुरा एडीएम अरुण कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी शईद अंसारी , प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कुमार गुणानंद सिंह, ग्राम पंचायत की मुखिया ललिता देवी ने संयुक्त रूप से उद्घाटन विधिवत्त दीप प्रज्वलित कर किया। मंथन एक शिक्षा संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के एचएम उमेश कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र छात्राएं और अभिभावक और पंचायत के सम्मानित जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में मौजूद थे। मंथन एक शिक्षा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा बिहार सरकार की छात्र-छात्राओं के लिए सरकार ने 44 तरह योजनाओं को धरातल पर उतार कर छात्र-छात्राएं इसका लाभ ले रहे हैं। विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गुणवत्ता बहाल करने के लिए लाभकारी योजना जैसे की छात्रवृत्ति पोशाक साइकिल योजना मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना मुख्यमंत्री बालिका मेधावृत्ति योजना प्रधानमंत्री पोषण योजना पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप प्री मैट्रिक स्कॉलरशिप सहित अन्य प्रकार की योजनाएं इसमें शामिल है। उन सभी योजनाओं की बारी-बारी से व्याख्या करते हुए उन्होंने उसकी पात्रता और लाभ लेने के तरीके की जानकारी दी । जिला शिक्षा पदाधिकारी शईद अंसारी ने शिक्षा के महत्व और सरकार की सभी महत्वाकांक्षी योजनाएं जो छात्र-छात्राओं के लिए चला रही है विस्तृत से जानकारी दिया। मौके पर एचएम उमेश प्रसाद यादव, अनिल कुमार, सुनीता देवी, कल्पना कुमारी, अरविंद कुमार, संजय कुमार, मिथिलेश कुमार, सरोज कुमार, मुखिया ललिता देवी, उप मुखिया सुनील कुमार यादव, आशुतोष कुमार, आलोक कुमार, सुमन कुमार समेत सैकड़ो छात्र छात्राए और ग्रामीण मौजूद।

किसान नेता राकेश टिकैट का किया गया भव्य स्वागत, किसान मजदूर जनसभा आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

मानसी। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ एवं देश बचाओ अभियान के संयुक्त बैनर तले खुटिया पावर हाउस के निकट किसान मजदूर जनसभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर कमल किशोर यादव ने किया तथा सफल मंच संचालन अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। किसान नेता राकेश टिकैत के आगमन पर किसानों ने माला पहनाकर भव्य स्वागत किया एवं समस्याओं से अवगत कराये। श्री टिकैत ने कहा कि किसानों का सवाल एवं वियाडा व प्रीस्टाईन कंपनी की सच्चाई काले कारनामे को राष्ट्रीय फलक पर आवाज उठाएंगे। सभा को देश बचाओ अभियान के महासचिव उमेश ठाकुर, सचिव धर्मेंद्र कुमार, संयोजक मधुबाला, किसान नेता शंकर यादव, जय जय राम यादव, चंदन यादव,

● वियाडा व प्रीस्टाईन कंपनी के काले कारनामे एवं किसानों के जमीन वापसी के संदर्भ में राष्ट्रीय पटल पर उठाएंगे मुद्दे - राकेश टिकैत

रामसागर यादव आदि ने संबोधित करते हुए किसानों के 12 सूत्री मांगों पर जमकर चर्चा करते हुए राकेश टिकैत एवं प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री राष्ट्रपति राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट किया। किसान नेताओं किरण देव यादव, कमल किशोर यादव ने गैर मजरूवा खास जमीन का मोटेशन खरीद बिक्री रसीद काटने पर लगी रोक हटाने, कात्यायनी मंदिर के पश्चिमी साइड से फोरलेन रोड बनाने एवं किसानों का किया जा रहा भूमि अधिग्रहण बंद करने, गरीब भूमिहीन किसानों को जिले में उपलब्ध हजारों एकड़ जमीन से 10 डिसमिल जमीन देने, बृद्धा विधवा विकलांग पेंशन राशि 400 से बढ़कर अन्य राज्यों के तरह 5000 रुपए करने , एकनिया में किसानों के जमीन को फर्जी प्रिसटीन कंपनी के अवैध कब्जा से मुक्त करने, संस्कृत महाविद्यालय एवं श्यामलाल ट्रस्ट के जमीन पर से अवैध कब्जा हटाने एवं मेडिकल टेक्निकल कमर्शियल कॉलेज का स्थापना करने तथा इमली स्टेशन से उत्तर कृषि विभाग के जमीन पर मक्का आधारित फैक्ट्री का निर्माण करने, खाद के कालाबाजारी पर रोक लगाने, सहकारिता विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग किया।

बच्चों की पढ़ाई की प्रति सजग रहें अभिभावक, सरकार कर रही हरसंभव मदद

प्रात: किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय जोतैली (हिंदी) में मधेपुरा मंथन:शिक्षा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जहाँ शिक्षा विभाग बिहार सरकार के द्वारा छात्र छात्राओं के हित में जारी कल्याणकारी योजनाओं से छात्र छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों व आमजनों को अवगत कराया गया, जिसकी अध्यक्षता बीईओ निर्मला कुमारी ने की। इस मौके पर बिहार सरकार द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं यथा- मुख्यमंत्री बालक, बालिका सायकिल योजना, मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालक/ बालिका छात्रवृति योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना, बिहार स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, उन्नयन योजना, सहित दर्जनों योजनाओं की जानकारी दी गई। बीईओ निर्मला कुमारी ने बताया कि शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा छात्र हित में जारी योजनाओं से कोई भी विद्यार्थी वंचित न रहे और वे इनका समुचित लाभ उठा सकें, इसी उद्देश्य से जन जागरूकता के यह प्रयास किए जा रहे हैं।जिला सहकारिता पदाधिकारी मधेपुरा प्रशांत कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को इन अवसरों का लाभ उठाते हुए अपनी शैक्षिक स्थिति को सदृढ़ करना चाहिए। मौके पर मौजूद विद्यालय के शिक्षकों व बुद्धिजीवियों ने इस कार्यक्रम को सराहा। आईटा बिहार के स्टेट मीडिया कंवेनर मंजर आलम ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बिहार नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। पठन पाठन को सदृढ़ करने के लिए जहाँ बीपीएससी के द्वारा शिक्षकों की भर्ती की जा रही है वहीं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।सरकार द्वारा बेहतर शैक्षिक माहौल बनाने हेतु निरंतर कई सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, अधिकारियों व समुदाय के सामुहिक सहयोग व समन्वय से ही व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है। मौके पर बीआरपी दिनेश प्र० सिंह, इन्द्रदेव मेहता, रविन्द्र यादव, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविन्द कु०यादव, गुंजन सिंह, प्रेम पासवान, आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

हम वफा करके भी तन्हा रह गए

चैतन्य भट्ट

अपने जमाने का बड़ा मशहूर गाना है। दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, हम वफा कर के भी तन्हा रह गए। किसी जमाने में कालेजों की सोशल गैदरिंग की जान हुआ करता था। प्रेम में चोट खाए या एकतरफा इश्क वाले आशिकों के लिए राष्ट्रगान का दर्जा रखता था। मगर आज किसी भी जमघट में पूछा जाए कि आजकल यह गाना किस नेता पर फिट बैठ रहा है तो यकीनन सबके जवाब एक से होंगे : शिवराज सिंह चौहान। सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का कीर्तिमान बनाने वाले जगत मामा शिवराज आज राजनीतिक जमीन बचाने की निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। सामना उस राजनीतिक निष्ठुरता से है जो पिछली बार संभवतः पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान ही देखी गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में लाड़ली बहना योजना और इस जैसी जाने कितनी ही अन्य राजनीतिक रेवड़ियों से भाजपा की जीत की आधारशिला रखने वाले शिवराज और उनके कट्टर समर्थक अन्य नेता आज खुद अपना राजनीतिक आधार तलाश रहे हैं।

दरअसल शिवराज के लिए दीवार पर लिखी लिखावट उसी समय साफ हो गई थी जब पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से परहेज कर लिया था। लोकसभा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे भाजपाई दिग्गजों को चुनाव में उतारने से यह इबारत और भी स्पष्ट हो गई थी। रही सही कसर प्रत्याशियों की पहली और दूसरी सूची में उनका और उनके कट्टर समर्थकों का नाम न होने से पूरी हो गई थी। तीसरी और आखिरी सूची में नाम आने से स्पष्ट हो गया था कि पनघट की डगर बहुत कठिन होने वाली है। ऐसा भी नहीं कि शिवराज इस वास्तविकता से वाकिफ नहीं थे। बुधनी की एक सभा में वे भावुक होकर यहां तक कह गए थे कि : मैं चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊँगा। मगर किनारा कशी की स्पष्ट दस्तक सुनाई देने के बावजूद वे डटे रहे और प्रादेशिक नेताओं में सबसे ज्यादा सक्रियता से चुनाव प्रचार की कमान संभाली। और जो हुआ वो इतिहास बन गया। पार्टी ने ऐसी विजय पाई जिसका सच कहें तो उसे खुद भी यकीन नहीं था। चुनाव को बेहद करीब की लड़ाई बताने वाले सारे एनालिस्ट और राजनीतिक विश्लेषक फेल हो गए और साधारण बहुमत के लिए लड़ रही भाजपा ने प्रदेश में दो तिहाई बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। दरअसल इसी विशाल बहुमत ने शिवराज की राजनीतिक मोल-भाव की सारी क्षमता ध्वस्त कर दी। परिणामों के अगले ही दिन वे राघोगढ़ की एक सभा में यह कहते पाए गए कि मामा और भैया से बड़ा कोई पद नहीं है। मेरे भांजे-भांजियों, मुझे लगता है हर एक को कैसे मैं सीने से लगाऊं, माथा चूमूँ। उनको प्यार करूँ और उनकी जिंदगी कैसे बेहतर बना पाऊं। मामा और भैया का पद ही दुनिया के किसी भी पद से बड़ा है। रही सही कसर चुनाव में उतारे गए कद्दावर लोकसभाई क्षत्रपों की मौजूदगी ने पूरी कर दी। प्रदेश में मुख्यमंत्री पद के चेहरों की इतनी भरमार हो गई कि शिवराज का चेहरा कब उनमें से एक हो गया, पता ही नहीं चला। प्रादेशिक राजनीति का ककहरा समझने वाला भी जानता है कि यदि दो तिहाई से अधिक का यह बहुमत सामान्य से कुछ ही अधिक पर सिमट गया होता तो लोकसभा चुनाव रणनीति के मद्देनजर शिवराज की ऐसी किनारा कशी संभव नहीं होती।

रामलला कहिन, बेफिक्र रहिन

राकेश अचल

अक्सर मै भी ख्वाब देखता हूँ। मेरे ख्वाबों में भी न जाने कौन-कौन आता है, जाता है। बतियाता है। कभी-कभी ख्वाबों में चिर-परिचित लोग मिलते हैं, कभी एकदम अपरिचित, अगर सभी ख्वाब याद रह पाते तो मै उन्हें लिपिबद्ध कर एक बड़ा साहित्यकार बन सकता था। मुझे हैरानी है कि अभी तक मुझे ख्वाबों में आकर रामलला ने डिस्टर्ब नहीं किया जबकि मै रोज स्नान-ध्यान के बाद उन्हें डिस्टर्ब करता हूँ। उनका सुमरन करता हूँ। वे मुझे बचपन से आकर्षित करते हैं, इसलिए मै हमेशा उनके प्रति सतर्क और चिंतित रहता हूँ। कल दोपहर अचानक मोबाइल पर अनाम नंबर से घंटी बजी तो मै चौंका। उत्सुकतावश फोन उठाया तो दूसरी और से आवाज आई-का हो पहचाना की नहीं?

मै तनिक अचकचाया और फिर अपना अज्ञान छिपाते हुए कहा-एकदम से याद नहीं आ रहा लेकिन आपकी आवाज सुनी-सुनाई लग रही है, दूसरी तरफ से खनकती हंसी सुनाई दी, फिर फोनकर्ता ने कहा-अयोध्या से बोल रहा हूँ, तुम्हारा रामलला मुझे भी हंसी आ गयी। लगा कोई अपना मजाक कर रहा है, किन्तु सामने वाले ने मेरी हंसी को गंभीरता से नहीं लिया। कहा-मत हंसो बेटा मै ही बोल रहा हू। तुम्हारा लिखा रोज पढता हूँ। तुम्हारी चिंताओं से वाकिफ हूँ, इसलिए तुम्हें फोन किया कि-घबड़ाओ नहीं, भारतवर्ष में धर्मनिरपेक्षता का बाल-बांका नहीं होने वाला।

अब मुझे भी गंभीर होना पड़ा। मैंने कहा-नहीं हुजूर! आजकल आपकी अयोध्या में जो काण्ड चल रहा है उससे मै ही नहीं बल्कि समरसता में भरोसा करने वाले, संविधान का सम्मान करने वाले करोड़ों लोग चिंतित हैं, कि आखिर देश किस दिशा में जा रहा है? रामलला बोले-पागल हो तुम और तुम्हारे जैसे लोग! अरे बाबा जिस देश को मेरे परम भक्त महात्मा गाँधी ने अंग्रेजों से लड़कर आजाद कराया हो, उस देश को मैं इस तरह से बर्बाद होने दूंगा? मै भी तमाशा देख रहा हूँ खड़ा-खड़ा। मेरी आँखों पर हालाँकि पट्टी बाँधी गयी है किन्तु मुझे सब कुछ साफ-साफ दिखाई दे रहा है उन्होंने मुझे आश्वस्त किया।

तुम्हे पता है कि अयोध्या में दुनिया को जो दिखाया जा रहा है वैसा कुछ है नहीं। अयोध्या में सब कुछ पहले जैसा है। और तो और मेरे मंदिर क्षेत्र का पार्षद भी गैर भाजपाई है। अयोध्या का फैज जैसा पहले था वैसा ही आज भी है, भले ही जिले का नाम अब फैजाबाद नहीं है। । यहां आज भी समरसता है। यहां आज भी आचार्य नरेंद्र दे० के नाम का रेलवे स्टेशन है। नया टेशन तो आप लोगों को टेंशन देने के लिए बनाया गया है। नया हवाई अड्डा भी शायद इसीलिए बनाया गया है अन्यथा मेरे दर्शन करने वालों में कितने हैं जो हवाई किराया खर्च कर सकते हैं। उनके लिए तो रेलों का जनता क्लास ही ठीक था। रामलला ने एक ही सांस में सब कुछ कह दिया। ये तो ठीक है, लेकिन आप किसी को रोक भी तो नहीं रहे! मैंने प्रतिप्रश्न किया। देखते जाओ! सब मन का धन कर रहे हैं, कर लेने दो। जो ये सब कर रहे हैं वे मेरे नाम से सत्ता में आना चाहते हैं, लेकिन मै ऐसा होने नहीं दूंगा। मैंने राजीव गांधी को भी अपने नाम का लाभ नहीं लेने दिय। मैंने 1993 में भी मस्जिद गिराने वाले अपने उपद्रवी भक्तों को उत्तर प्रदेश की सत्ता तक नहीं पहुंचाया। मै गलत होने ही नहीं देता। रामलला ने सफाई दी। मेरी झक्की खुली। मुझे लगा बंदा कह तो सही रहा है। यानि मुझसे बात करने वाला कोई सिरफिरा नहीं बल्कि असली रामलला है। बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए मैंने सवाल किया-अयोध्यानाथ! ये तो बताइये की आपको इतनी लकझक देखकर खुशी नहीं होती? बिलकुल नहीं एक सपाट सा उत्तर मिला सामने से। अयोध्यानाथ बोले-तुम देख रहे हो मेरी अयोध्या का क्या हाल कर दिया है, पूरी अयोध्या नगरी कलि में तब्दील हो गई है। ब्लैककैट कमांडो, बख्तरबंद गाड़ियां, एंटी ड्रोन सिस्टम, एआई से लैस कमांड कंट्रोल सिस्टम के साथ हजारों जवान और अफसर सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए हैं। आखिर मेरे अपने घर में मुझे किससे खतरा है? और जिन्हें खतरा है वे यहां आ ही क्यों रहे हैं रंग में भंग करने! क्या मेरे ये भक्त नहीं जानते की जिसका मुझमें भरोसा है वो असुरक्षित हो ही नहीं सकता? रामलला का सवाल और गुस्सा जायज था, लेकिन मै अकिंचन क्या जबाब देत। मैंने कहा-मुमकिन है वे आपके लिए चिंतित हों, इसलिए इतना तामझाम किया गया ह। आखिर आप यहां के राजा हैं! मेरी बात सुनकर रामलला बिदक गए। कहने लगे-तुम भी मेरा मजाक उड़ा रहे हों! मेरी अयोध्या 21-22 जनवरी को आम जनता के लिए बंद रहेगी. 22 जनवरी को बिना निमंत्रण वाले लोगों को भारी परेशानी हो सकती है। सुरक्षा में सीआरपीएफ से लेकर यूपी पुलिस की तैनाती की गई है। भारी वाहनों की आवाजाही पर इस दिन रोक रहेगी। पूरे शहर में 10 हजार सीसीटीवी कैमरे हर हलचल पर नजर रखेंगे। पहली बार यहां यहां चेहरे की पहचान करने वाले एआई कैमरे लगाए गए हैं। ये अफसोसजनक है, क्या मै अपने भक्तों से ही असुरक्षित हो गया हूँ? क्या मै अपने भक्तों के चेहरे नहीं पहचानता? रामलला ने मुझे से प्रतिप्रश्न किया। मेरे मोबाइल की बैटरी इस गर्मागर्म संवाद को सुनकर गर्म होने लगी थी। मुझे लगा कि कहीँ बैटरी हाथ में ही फट न जाये। मैंने कहा-मालिक मै तो प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना आपका नया मंदिर देखने अभी आ नहीं सकता। बहुत सर्दी है। मौका मिला तो आम चुनाव के बाद आऊंगा। अभी तो भाजपा वाले ही साढ़े तीन करोड़ लोगों को लेकर आपकी आयोध्या आने वाले हैं। मेरी बात सुनकर रामलला हँसे। कहने लगे-बड़े विनोदी हो तुम, जब मौका मिले तब आ जाना, न आ सको तो मै खुद तुम्हारे पास प्रकट हो जाऊँगा। मै व्यापक सर्वत्र समाना, मेरा दिल खुश हो गया, लेकिन बातचीत का सिलसिला आगे नहीं बढ़ पाया। मेरे मोबाइल की बैटरी अचानक जबाब दे गय।

अयोध्या- भारत के शक्ति तत्व की प्राण प्रतिष्ठा

मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है। स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा- इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे ? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगजेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चैतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न काराबद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं। अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वगार्नुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो।

तरुण विजय

लेखक पूर्व सांसद व पाँचजन्य के दो दशक संपादक रहे- यह आलेख अयोध्या से भेजा है

अयोध्या की उन गलियों से गुजरते हुए जहां इन आँखों ने नब्बे बयानबे में हिंदू नेताओं की हिंदू पुलिस द्वारा रक्तरंजित कारसेवक संहार देखा था आज भी सिहरन होती है, आँखें विस्फारित हो कर राम शरद कोठारी के चित्र देखती हैं उनके अधरों से निकले जय सिया राम के स्वर सुनायी देते हैं। मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है।

स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा- इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे ? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगजेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चैतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न काराबद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं।

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वगार्नुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो। हर कोने चौहारे पर आंध्र से लेकर पंजाब दुर्ग्यआणा मंदिर के मुफ़्त चाय भोजन के 24 घंटा लंगर चल रहे हैं। हजारों स्त्री पुरुष गोद में बच्चे हाथों में कपड़ों कंबल के थैले लिये चले आ रहें हैं। राम लला से मिलने आयें हैं राम लला व्यवस्था करेंगे। जिन लोगों ने, हिंदू तथा मुस्लिम दोनों ने राम जन्मभूमि का सत्य जानते हुये भी अंधा अपशब्दयुक्त विरोध किया उनको हिंदुओं से हाथ जोड़कर क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने अपने ही रक्त अपने पूर्वजों अपने देश अपने देवताओं अपनी संस्कृति के प्रवाह से विश्वासघात किया। अब स्मृति -जागृत भारत अपने मन और काया पर आघात नहीं सहेगा। स्मृति हर मनुष्य और राष्ट्र के जीवन हेतु अनिवार्य तत्व है। स्मृति हीन देश या व्यक्ति शून्य होता है, भविष्यविहीन और दिशाहीन। अयोध्या में मंदिर नहीं भारत राष्ट्र की स्मृति के जागरण द्वारा नवीन राष्ट्रीय अभ्युदय के शक्ति स्रोत की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है।

हर काल में हिंदू का राष्ट्र और धर्म के समन्वय से युक्त जागरण कठिन, प्रायः असंभव और जटिल रहा है। ढाई हजार मील दूर अनुल्लेखनीय कस्बे गजनी से एक लुटेरा महमूद प्रभास पाटन आता है, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंदिर तोड़ता है, इतनी बड़ी संख्या में हिंदू स्त्री पुरुष दास बनाकर ले जाता है कि बगदाद में गुलामों का मूल्य गिर गया, लूट का सामान अलग ले जाता है। मार्ग में सब हिंदू खड़े हुए? सुहेलदेव अपवाद हैं। बाकी ? कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का जय सोमनाथ उपन्यास पढ़ा है? उन्होंने उच्च ब्राह्मण कुलोत्पन्न शिव राशि के चरित्र का उल्लेख किया है जो गजनवी को हिंदू संघ की परमार राजाओं के नेतृत्व में खड़ी सेनाओं से बचाकर सोमनाथ मंदिर के भीतर ले आया था. जीती बाजी हिंदू हार गये।

चार सौ वर्ष गोवा पर क्रूर व अमानुषिक अत्याचारों के लिए कुख्यात पुर्तगालियों ने लगातार शासन किया। पणजी में आज भी एक हाथ कातरो खंभ है जहां उन हिन्दुओं के हाथ काटे जाते थे जिनके घर पर तुलसी का पवित्र पौधा पूजित होता था। उस भयानक काल से गुजर यदि आज हिंदू समाज धर्म और राष्ट्र से जुड़ा दिखता है तो यह आठवाँ आश्चर्य है- हिंदुओं के एक वर्ग या बड़े आचार्यों या हिंदू नामधारी सेकुलरों के हिंदू मंदिर विरोध में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। गजनवी से पुर्तगालियों तक उसका देश से विमुख धर्म से विमुख एक स्वार्थी भाव रहा है जिसे पिछली शताब्दी में लाल बाल पाल, विवेकानन्द, अरविंद, दयानंद , सावरकर ने बदला और डॉ हेडगेवार ने उसे एक सैन्य अनुशासन में ढालने का असाधारण अभूतपूर्व कार्य किया. वरना मंदिर की जगह हिंदू सेकुलर शौचालय बनवा रहे होते। यह भारत की सुप्त विजिगीशु प्रवृत्ति, काल को परास्त करने वाली जिजीविषा और सामूहिक सांगठनिक शक्ति का ऐसा ऐतिहासिक प्रकटीकरण है जो धरातल पर आदि शंकर के बाद या राजनीतिक स्तर पर राज राज चोल, कृष्णदेवराय, उससे पूर्व विक्रमादित्य, अशोक, के बाद कभी संभव हुआ नहीं। दुर्बल, आत्म विस्मृत, समझौतावादी, यही पिछले सेकुलर युग में हिंदू की पहचान थी। उस छवि के टूटने और नवीन साहसी निर्भीक हिंदू के उदय से जन्मी वेदना भारत शत्रुओं को होना स्वाभाविक ही है। ध्यान रहे राम ने पश्चाताप विहीनरावण युग का अंत किया पररावण पर का कभी अपशब्दों से तिरस्कार नहीं किया, उसका सम्मान अंतिम संस्कार किया, उसके भाई विभीषण का राज्यारोहण करवाया, लंका को अयोध्या में सम्मिलित नहीं किया। आज यही मयार्दा पुनरुज्जीवित होती दिखती है। संपूर्ण विश्व में भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर के प्रति नवीन चैतन्य उभरा है। अनगिनत पुस्तकें भारत की विद्या, महापुरुषों की जीवनियों, प्राचीन नगरों , नदियों, तीर्थों, पर्यटन स्थलों, समुदायों यहाँ तक कि अरुणाचल- मणिपुर- मेघालय में प्राचीन राम कथाओं के पुनःस्मरण- प्रकाशन का रेला दिख रहा है। राम कथा के टेली सीरियल से लेकर राम मंदिर विरोधी नये नये शंकराचार्यों की अपने अपने उद्देश्यों हेतु पादवंदना करते, जातियों के गूढ़ मर्म व अर्थ ढूँढते दिखने लगे हैं। विश्व नवीन आर्थिक व सैन्य शक्ति युक्त भारत की ओर भिन्न एवं सम्मान भाव से देख रहा है। यह अचानक जादू से नहीं हुआ। स्मृति जागरण पर्व उन अनाम अजान अचीन्हे संस्कृति वीरों महापुरुषों गुरुओं त्यागराज, चैतन्य महाप्रभु, रामानन्दाचार्य, आदि शंकर, गुरु गोविंद सिंह तेग बहादुर, बंदा बहादुर के संचित तप, बलिदानों, साधना, काले पानी की जेल में अनजान रह कर मर खप गये सेनानियों की सामूहिक अभीप्साओं का फल है। आज चन्द्रायण से लेकर मंगल तक की यात्राओं का निर्धारण आस्थावान विश्व विश्रुत भारतीय वैज्ञानिक कर रहे हैं, खेल, चिकित्सा, आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस, कठिनतम क्षेत्रों को राजमार्गों से जोड़ता भारत, सिंधु सरस्वती सभ्यता के विराटतम आगार के रूप में विश्व के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने लगा है। विश्व के संपन्नतम आधुनिकतम स्थानों में हिंदू संस्कृति और सभ्यता के उत्कर्ष को दशार्ते मंदिर सैंकड़ों एकड़ों में बन गये हैं जहां वे लोग आकर श्रद्धावनत और विस्मित हो रहें हैं जो कल तक हमारे अध्यात्म की, धरोहर की मजाक उड़ाते थे।

जो स्वयं प्रकट हुए वे रामलला विराजिए मंदिर में!

इस पत्र में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सवाल उठाए हैं कि राम मंदिर परिसर में अगर नई मूर्ति की स्थापना होगी, तो जो रामलला वर्तमान में विराजमान है, उनका क्या होगा?नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में नवीन मूर्ति की स्थापना हो रही है, जबकि श्रीरामलला पहले से ही विराजमान हैं। अभी तक सभी राम भक्त यही समझते थे कि यह नया मंदिर श्रीरामलला विराजमान के लिए बनाया जा रहा है, लेकिन जब 18 जनवरी को नई मूर्ति निमार्णाधीन मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठा के लिए स्थापित हुई इससे यह आशंका है कि कही श्रीरामलला मौजूदा विराजमान मूर्ति की उपेक्षा ना हो जाए। जो राम अपनी जन्मभूमि पर स्वयं प्रकट हुए हैं, जिसकी गवाही मुस्लिम चौकीदार ने भी दी है। जिन्होंने जाने कितनी परिस्थियों में वहां पर प्रकट होकर डटकर सामना किया है। जिन्होंने सालों साल टेंट में रहकर धूप, वर्षा और ठंड सही है। जिन्होंने न्यायालय में स्वयं का मुकदमा लड़ा और जीता है। जिनके लिए भूटान नरेश राजा महताब सिंह, रानी जयराजराजकुंवर, पुरोहित पं देवीदीन पांडेय, हंसवर के राजा रणविजय सिंह, असंख्य संतों, निमोर्ही अखाड़े के महंत रघुवर दास जी, अभिराम दास जी, महंत राजारामाचार्य जी, दिगम्बर के परमहंस रामचंद्र दास जी, गोपाल सिंह विशारद जी, हिंदू महासभा, कोठारी बंधु शरद जी और रामजी तथा शंकराचार्य और संन्यासी अखाड़ों आदि समेत लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया और जीवन समर्पित किया।

डॉ श्रीगोपाल नारसन
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एके पत्र लिखा है, इस पत्र में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सवाल उठाए हैं कि राम मंदिर परिसर में अगर नई मूर्ति की स्थापना होगी, तो जो रामलला वर्तमान में विराजमान है, उनका क्या होगा?नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में नवीन मूर्ति की स्थापना हो रही है, जबकि श्रीरामलला पहले से ही विराजमान हैं। अभी तक सभी राम भक्त यही समझते थे कि यह नया मंदिर श्रीरामलला विराजमान के लिए बनाया जा रहा है, लेकिन जब 18 जनवरी को नई मूर्ति निमार्णाधीन मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठा के लिए स्थापित हुई इससे यह आशंका है कि कही श्रीरामलला मौजूदा विराजमान मूर्ति की उपेक्षा ना हो जाए। जो राम अपनी जन्मभूमि पर स्वयं प्रकट हुए हैं, जिसकी गवाही मुस्लिम चौकीदार ने भी दी है। जिन्होंने जाने कितनी परिस्थियों में वहां पर प्रकट होकर डटकर सामना किया है। जिन्होंने सालों साल टेंट में रहकर धूप, वर्षा और ठंड सही है। जिन्होंने न्यायालय में स्वयं का मुकदमा लड़ा और जीता है। जिनके लिए भूटान नरेश राजा महताब सिंह, रानी जयराजराजकुंवर, पुरोहित पं देवीदीन पांडेय, हंसवर के राजा रणविजय सिंह, असंख्य संतों, निमोर्ही अखाड़े के महंत रघुवर दास जी, अभिराम दास जी, महंत राजारामाचार्य जी, दिगम्बर के परमहंस रामचंद्र दास जी, गोपाल सिंह विशारद जी, हिंदू महासभा, कोठारी बंधु शरद जी और रामजी तथा शंकराचार्य और संन्यासी अखाड़ों आदि समेत लाखों लोगों ने अपना बलिदान दिया और जीवन समर्पित किया। उस राम के विग्रह को राम मंदिर में क्यो मुख्य स्थान नही दिया गया। जब अयोध्या में जमीन के स्वामित्व का मामला अदालत में पहुँचा था, तो भगवान रामलला जो पहले से ही विराजित है, मुकदमे में मुख्य याचिकाकर्ता बने थे। रामलला की यह प्रकट हुई मूर्ति कैसे सामने आई और उसकी राम मंदिर से जुड़े आंदोलन में क्या भूमिका रही, इस बारे में सन 1992 से राम जन्मभूमि मंदिर के प्रमुख पुजारी रहे आचार्य सत्येंद्र दास बताते है कि, ह्लनए वाले भगवान राम का तो भव्य मंदिर बन गया है, लेकिन ज्यादा महत्व इन्हीं (सन1949 में प्रकट हुए रामलला) का है।

वह कहते हैं, इलाहाबाद हाई कोर्ट के वकील देवकी नंदन अग्रवाल ने रामलला विराजमान के सखा की हैसियत से मुकदमा दायर किया था कि बालक रूप में रामलला वहाँ पर विराजमान हैं। कोर्ट को इसका सबूत दिया गया। कोर्ट ने इन्हीं रामलला विराजमान के आधार पर फैसला दिया कि यही राम जन्मभूमि है। इसी के बाद मंदिर बनना शुरू हुआ।

आचार्य सत्येंद्र दास बताते हैं, जितना विवाद हुआ है और जो कोर्ट में मुकदमा लड़ा गया वो पहले से मौजूद रामलला विराजमान के नाम से लड़ा गया। इन्हीं के नाम पर सुप्रीम कोर्ट ने हुक्मनामा दिया है। अब मंदिर बन गया है तो इसलिए जैसे रामलला विराजमान की पूजा-अर्चना पहले से होती रही, उसी प्रकार से होती रहनी चाहिए। उनके मुताबिक जहाँ नए रामलला रखे जाएंगे, वहीं पर पुराने रामलला भी रखे जाएंगे। आचार्य सत्येंद्र दास के अनुसार, सभी संप्रदाय अपनी पद्धति के हिसाब से रामलला विराजमान की पूजा अर्चना करते रहे हैं। 16 मंत्रों से एक-एक वस्तु को भगवान को समर्पित किया जाता है। राम के साथ भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न, सभी भाइयों की पूजा होती आई है। अब जो भव्य मंदिर बना है, उसी में इनकी भी स्थापना होगी। पहले मूर्ति गुम्बद (मस्जिद के) के नीचे थी, जब 6 दिसंबर सन 1992 को गुम्बद ढह गया तो फिर यह मूर्ति तिरपाल में रखी गईं और वहां पूजा होती रही। फि लहाल यह एक अस्थायी लकड़ी के मंदिर में हैं। इसी लकड़ी के मंदिर में सारी सुविधाएं हैं। यहीं पर फि लहाल पूजा हो रही है और दर्शनार्थी दर्शन कर रहे हैं। बाद में ये मूर्ति भव्य मंदिर में चली जाएगी। भगवान राम के टेलर भगवत प्रसाद कहते हैं कि जब रामलला विराजमान गुम्बद में थे तो साल में उनकी एक ही पोशाक बनती थी। गुम्बद गिरने के बाद जब रामलला टेंट में आ गए तो केंद्र सरकार की तरफ से एक साल में सात बार रामलाल की पोशाक बनती थी। रामलला का यह विग्रह ज्यादा बड़ा नहीं हैं, 7 से 8 इंच का हैं। भगवान राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न सब एक ही नाप के हैं, बाल स्वरूप हैं और घुटनों के बल बैठे हुए हैं।

जब से रामलला लकड़ी के मंदिर में आए हैं, तब से टेलर भगवत प्रसाद को दर्शन करने आने वाले राम भक्तों से भी वस्त्र बनाने के आर्डर मिलने लगे थे। वो चारों भाइयों, भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के वस्त्र सिलने का काम करते हैं। मौजूदा मंदिर में भगवान हनुमान और शालिग्राम भी विराजमान हैं। भगवान की वर्तमान प्रतिमाएं जिनकी उपासना, सेवा, पूजा लगातार 1950 से चली आ रही है, वो भी मूल मंदिर के मूल गर्भगृह में ही प्रतिष्ठित की जाएगी। अभी तो केवल मुख्य मूर्ति की स्थापना हुई है और जब प्रथम तल तैयार हो जाएगा, तब भगवान राम के दरबार की मूर्तियाँ लगेंगी। रामजन्मभूमि पर भगवान रामलला की स्थापित होने वाली ये चौथी मूर्ति है। इससे पहले की भगवान राम की तीन मूर्तियों का इतिहास रहा है। राजा विक्रमादित्य से लेकर बाबर और आज तक रामलला की मूर्तियां बनती और बदलती रहीं है। कहते हैं कि अयोध्या का पुनर्निमाण उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने करवाया था। उन्होंने ही यहां भव्य राम मंदिर का निर्माण किया था। उस समय उन्होंने पहली बार यहां रामलला की स्थापना की थी, लेकिन 500 साल पहले मुगल बादशाह बाबर ने इस मंदिर को तोड़कर यहां मस्जिद का निर्माण करवा दिया था, कहते हैं कि उस समय मंदिर के पुजारी ने प्रतिमा को अपमान से बचाने के लिए सरयू नदी में प्रवाहित कर दिया था जो 220 साल तक नदी में सुरक्षित रही। 18वीं सदी में एक पुजारी के स्वप्न में राम प्रकट हुए। एक मान्यता यह भी है कि बाबर ने जब मंदिर को तोड़ने का आदेश दिया तो ओरछा की महारानी अयोध्या से इस मूर्ति को ले आईं थी। वह मूर्ति ही आज

लंका विजय के बाद राम अयोध्या विमान से आए थे

लंका विजय के बाद राम अयोध्या विमान से आए थे

-प्रमोद भार्गव-

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ राम की पुरातन एवं सनातन ऐतिहासिकता के साथ-साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की स्थापना भी हो जाएगी। अब विभिन्न रामायणों में दर्ज उस विज्ञान की वैज्ञानिकताओं को भी मान्यता देने की जरूरत है, जिन्हें वामपंथी पूर्वाग्रहों के चलते वैज्ञानिक एवं बुद्धिजीवी न केवल नकारते रहे हैं, बल्कि इनकी ऐतिहासिकता को भी कपोल-कल्पित कहकर उपहास उड़ाते रहे हैं। अतऐव यह समय प्राचीन भारतीय विज्ञान के पुनरुत्थान का भी काल है। क्योंकि रामायण और महाभारत कथाएं नाना लोक स्मृतियों और विविध आयामों में प्रचलित बनी रहकर वर्तमान हैं। इनका विस्तार भी सार्वभौमिक है। देश-दुनिया के जनमानस में राम-कृष्ण की जो मूर्त-अमूर्त छवि बनी हुई है। शायद इसीलिए भवभूति और कालिदास ने रामायण को इतिहास बताया। वाल्मीकि रामायण और उसके समकालीन ग्रंथों में ह्यइतिहासह्ल को ह्यपुरावृत्तह्ल कहा गया है। गोया, कालिदास के ह्यरघुवंशह्ल में विश्वामित्र राम को पुरावृत्त सुनाते हैं। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने रामायण को महाकाव्यात्मक इतिहास की श्रेणी में रखा है। जबकि इन ग्रंथों में विज्ञानसम्मत अनेक ऐसे सूत्र व स्त्रोत मौजूद हैं, जिनके जरिए नए आविष्कार की दिशा में बढ़ा जा सकता है। विज्ञानसम्मत अंषों को संकलित कर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की जरूरत है। ऐसा करने से मेधावी छात्रों में विज्ञानसम्मत महात्वाकांक्षा जागेगी और भारतीय जीवन-मूल्यों के इन आधार ग्रंथों से मिथकीय आध्यात्मिकता की धूल झाड़ने का काम भी संपन्न होगा। वैसे भी ज्यादातर रामायणों उल्लेख है की भगवान राम लंका विजय के बाद माता सीता, भाई लक्ष्मण, हनुमान और सुग्रीव के साथ पुष्पक विमान में बैठकर अयोध्या पहुंचे थे।

इतिहास तथ्य और घटनाओं के साथ मानव की विकास यात्रा की खोज भी है। यह तय है कि मानव, अपने विकास के अनुक्रम में ही वैज्ञानिक अनुसंधानों से सायास-अनायास जुड़ता रहा है। ये वैज्ञानिक उपलब्धियां या आविष्कार रामायण, महाभारतकाल मे उसी तरह चरमोत्कर्ष पर थे, जिस तरह ऋग्वेद के लेखन-संपादन काल के समय संस्कृत भाषायी विकास के शिखर पर थी। रामायण का शब्दार्थ भी राम का ह्यअयणह्ल अर्थात ह्य

संक्षिप्त खबरें

अभाविप छपरा ईकाई ने किया पोस्टर विमोचन

छपरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छपरा इकाई के द्वारा राजेंद्र महाविद्यालय परिसर में 65 वें संयुक्त प्रांत अधिवेशन का पोस्टर विमोचन किया गया, विधार्थी परिषद बिहार प्रदेश का संयुक्त प्रांत अधिवेशन इस वर्ष 26, 27 एवं 28 जनवरी को पटना के गर्दनीबाग बाग में आयोजित होगा, जिसमें पूरे बिहार प्रदेश के सभी विभागों से हजारों कार्यकर्ता इस अधिवेशन में सम्मिलित होंगे, छपरा विभाग से भी छात्र एवं छात्राएं सम्मिलित होंगे, पोस्टर विमोचन में नगर अध्यक्ष प्रो. जया पांडेय, पुर्व नगर अध्यक्ष प्रो. अनुपम कुमार सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सचिन चौरसिया, नीरज यादव, नगर मंत्री युवराज रंजन, नगर सह मंत्री नितीश दुबे, कॉलेज मंत्री आस्था कुमारी, स्वेता कुमारी, स्वाती कुमारी, निकिता गुप्ता, निधि कुमारी, रोबिन सिंह, आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

डीएम व एसपी ने किया फ्लैग मार्च

छपरा। रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक सारण डॉ गौरव मंगला द्वारा संयुक्त रूप से मुख्य पार्षद,छपरा नगर निगम उप चुनाव के पूर्व छपरा नगर निगम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में शांति एवम् विधि व्यवस्था संधारण हेतु फ्लैग मार्च का नेतृत्व किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट एवं कड़े शब्दों में उपद्रवी एवं असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा है कि विधि-व्यवस्था में व्यवधान डालने वाले को बक्शा नहीं जाएगा। उन पर कानून की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट

परसा।थाना क्षेत्र के परसौना में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई जमकर मारपीट।मारपीट की घटना में दोनों पक्षों से एक एक व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गया।घायलों में दरियापुर थाना क्षेत्र के चकजलाल निवासी पशुराम राय का 40 वर्षीय पुत्र सुदीश राय तथा परसौना निवासी स्व नगीना साह का 58 वर्षीय पुत्र पशु पति नाथ साह शामिल है।दोनों घायलों को परिजनों द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।जहाँ चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।सुदीश राय को गम्भीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया।

गड़खा में सड़क किनारे से युवक का शव बरामद

गड़खो छपरा-मुजफ्फरपुर एनएच 722 पर गड़खा थाना क्षेत्र के मैकी गांव के पास से पुलिस ने रविवार को एक युवक का शव बरामद किया। सड़क किनारे शव होने की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी थी। बरामद शव की पहचान 22 वर्षीय गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। वह गड़खा थाना क्षेत्र के हेमतपुर गाँव निवासी जयप्रकाश राय का पुत्र था। शव होने की खबर गांव में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया। उसके शरीर पर जख्म के निशान थे। अंदेशा जताई जा रही है कि किसी वाहन से धक्का लगने से उसकी मौत हुई होगी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले का इस संबंध में आगे कुछ कहा जा सकेगा।

अपराध की योजना बनाते चार अपराधी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मांझी। मांझी थाना पुलिस ने अपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बनाते चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने उनके पास से हथियार व मोबाइल फोन बरामद करने के साथ एक टेम्पो को जब्त किया है। इस संबंध में एसआई अखिलेश कुमार ने स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें कहा गया है कि गुप्त सूचना मिली कि पुराना मांझी रेलवे स्टेशन के बगल में बहोरन सिंह के टोला के अंतर्गत एक बगीचे में कुछ अपराधी जुटकर गम्भीर अपराध की योजना बना रहे हैं। जिसके बाद सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचित कर थाने में पदस्थापित पीएसआई विपुल कुमार व प्रिंस राज तथा सशस्त्र पुलिस बल के साथ पुलिस वाहन से उक्त बगीचे में छापेमारी करने पहुंचे। अचानक पहुंची पुलिस टीम को देखते हीं बगीचे में मौजूद छह व्यक्ति भागने लगे। जिसके बाद सशस्त्र बल के सहयोग से खदेड़ कर चार व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। जबकि दो व्यक्ति भागने में सफल रहे। पकड़े गए अपराधियों में नगर थाना क्षेत्र के मौना जगई पोखरा निवासी राम जीवन राय का पुत्र बिजेंद्र कुमार यादव, शिव महल सरकारी बाजार निवासी सोने लाल वास्फोर का पुत्र रोहित कुमार, करीम चक खनुआ निवासी मो. कुरैशी का पुत्र मो. जमशेद व मांझी थाने के गोढ़ा डोमडेरवा निवासी अमर डोम का पुत्र सुंदर डोम शामिल है। पुलिस ने पूछताछ के क्रम में भागने वाले दो अपराधियों की भी पहचान कर ली है। पुलिस गिरफ्तार किये गए अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन, एक लोहे की खंती बरामद करने के साथ मौके से एक टेम्पो को जब्त किया है। थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास ने बताया कि पुलिस ने पूछताछ कर चारों अपराधियों को जेल भेज दिया है।

आज जलालपुर के गांव होंगे जगमग

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुरे अयोध्या में आज हो रहे रामलला के प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर प्रखंड के मंदिर व घर रौशनी से जगमग होंगेआज हर घर दीपावली मनाने का निर्णय लोगों ने लिया है आज देवरिया स्थित राम जानकी मंदिर में अखंड मानस पाठ का पूणार्हूति है`यहां बड़े एलइडी टीवी पर अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण दिखाने की व्यवस्था भी की गई हैदेवरिया मे हो रहे कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के उमाकांत पांडेय व बिट्टू शर्मा ने बताया कि भगवान राम 500 वर्ष बाद अपने घर अयोध्या पधार रहे हैं इसी उपलक्ष्य में हम ग्रामवासी भी अपने गांव के राम जानकी मंदिर में अखंड मानस पाठ तथा रात्रि में दीपोत्सव का आयोजन कर रहे हैं वही प्रखंड के सकड्डी बसडीला में कमल ऋषि कृपालु ब्रह्मा मंदिर में भगवान श्री राम के परिवार की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गयाहैपांच दिनो से चल रहे राम जानकी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ मे आज 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा किया जाऐगो`इसके लिए मंदिर को खूबसूरत ढंग से सजाया गया है इस अवसर पर भव्य मेला भी लगा है इस महायज्ञ का नाम मिनी अयोध्या अखंड राम नाम महायज्ञ दिया गया है प्रखंड के सम्होता स्थिर पयहारी धाम मंदिर, कुमना स्थित ऐतिहासिक जलेश्वर बाबा मंदिर, मंगोलापुर मठिया स्थित शिव मंदिर, हरपूर स्थित शिवालय व अन्य मंदिरो में विशेष पूजा अर्चना व संध्या मे दीपोत्सव का आयोजन किया गया है

श्री राम मंदिर निर्माण के लिए तीनों काल सेवा में शामिल हुए रिविलगंज के प्रभात मिश्रा

रिविलगंज। स्थानीय प्रखंड के एक ऐसा रामभक्त जो रामजन्म भूमि के लिए तीनों काल सेवा में अयोध्या पहुंचने में सफल रहे और विश्व हिन्दू परिषद के महासचिव अशोक सिंघल के हाथों मेडल भी प्राप्त किए हैं।22 जनवरी को अयोध्या श्रीराम मंदिर उद्घाटन सह विग्रह प्राण प्रतिष्ठा समारोह से काफी खुश हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिन्दू परिषद के द्वारा आयोजित तीनों काल सेवा में अयोध्या पहुंचने की हुई परेशानियों की चर्चा दैनिक जागरण प्रतिनिधि से करते हुए भावुक हुए। रिविलगंज प्रखंड के राघोपुर गांव निवासी प्रभात कुमार मिश्रा 1988,1990 और दिसम्बर 1992 तीनों बार श्रीराम जन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण के लिए विश्व हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित कारसेवकों में शामिल हुए। कारसेवकों में शामिल प्रभात कुमार मिश्रा ने बताया कि पहली बार कार सेवा के समय अयोध्या में सिंहद्वार का उद्घाटन किया गया जिसमें मेरा छोटा भाई अखिलेश कुमार मिश्रा भी शामिल हुए। सबसे ज्यादा परेशानी दूसरी कार सेवा के अवसर पर कारसेवकों को हुई क्योंकि यूपी मुलायम सिंह यादव सरकार ने अयोध्या को पुलिस छानबीन में तब्दील किया था और यूपी में प्रवेश करते ही कारसेवकों की गिरफ्तारी हो जाती थी। दूसरी कार सेवा में मैं कलकत्ता से कारसेवकों के लिए चली तुफान एक्सप्रेस ट्रेन से बनारस पहुंचे। पूरी ट्रेन में कारसेवक ही थे। पुलिस द्वारा जांच पड़ताल कर ट्रेन को लखनऊ के लिए छोड़ा गया तो हमारे क्षेत्रिय स्वयं सेवक ने ट्रेन ड्राइवर एवं गार्ड से निवेदन कर सुल्तानपुर स्टेशन के आउटर पर ट्रेन को थोड़ा रूकवा दिया सभी कारसेवक वहीं उतर गए और अलग-अलग 21-21 कारसेवकों की टीम ग्रामीण रास्ते और खेत खलिहानों से दो दिन दो रात पैदल चलते हुए अयोध्या तक पहुंच पाए थे।उस समय ग्रामीणों का बहुत स्नेह और प्यार मिला। अयोध्या पहुंचने से पहले कारसेवकों को गोमती नदी पार करनी थी और रात का समय था नाव बंद थी आरजू करने पर एक नाविक तैयार हुआ लेकिन इस शर्त पर की आप सभी हमारे दरवाजे पर चले उसके बाद में गोमती नदी पार कराऊंगा। कारसेवक उस केवट के घर गए तो केवट परिवार वाले कुंआ की पानी से सभी कारसेवकों का चरण धोए,तिलक लगाया और आरती उतारी उसके बाद नदी पार करवाया।हम सभी कारसेवक भाव विभोर हो गए थे और श्री राम और केवट की मित्रता के साथ हमें विश्वास हो गया कि प्रभु की कृपा से श्रीराम मंदिर जरूर बनेगा। छुपते छिपाते अयोध्या पहुंचने पर हमारी गिरफ्तारी हो गई लेकिन अयोध्या के चारों तरफ से लाखों कारसेवकों ने घेर लिया था। हमें बस से भरकर बाहर भेजा जाने लगा तो बस की हवा निकाल दी। कारसेवकों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस एवं पानी की फव्वारे के बाद गोलियां चलाई गईं लेकिन उस समय भी बाबरी मस्जिद को कारसेवकों ने तोड़फोड़ कर दिया था। गोली से कलकत्ता के दो सगे भाई कोठारी बंधुओं की मौत हो गई थी और भी लोग गोली से मरे, सैंकड़ों घायल हुए लेकिन आज श्री राम मंदिर उद्घाटन और श्रीराम लल्ला विग्रह प्राण प्रतिष्ठा समारोह से बहुत खुशी है और 5 फरवरी को पूरे परिवार के साथ अयोध्या श्रीराम मंदिर पूजा अर्चना करने जाएंगे।

एनएसएस के पूर्व एवं वर्तमान स्वयंसेवकों ने राजेंद्र सरोवर परिसर की की सफाई

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों और पूर्व स्वयं सेवकों द्वारा राजेंद्र सरोवर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया।मुख्य रूप से इस कार्यक्रम को एन एस एस पुरस्कार विजेता कुमारी अनीशा,प्रिंस और मकेशर पंडित के प्रयास रहा।कार्यक्रम में दर्जनों एन एस एस स्वयं सेवक और स्कूल के बच्चे सम्मलित हुए।कार्यक्रम में एन एस एस के पूर्व समन्वयक डॉ विद्या वाचस्पति त्रिपाठी ने स्वयं स्वच्छता अभियान में शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धनकर किया।त्रिपाठी ने एन एस एस स्वयं सेवकों से अपील की,और कहा की करोना काल में आपने बहुत अच्छा कार्य किए,लेकिन उसके बाद बहुत से कार्यक्रम ऑन लाइन,बेबीनार इत्यादि से हुए। लेकिन अब ऑन लाइन नहीं ऑफ लाइन कार्यक्रम आयोजित करने होंगे।जन जागरूकता के लिए सड़कों पर उतरने की जरूरत है।अतः आप जहां है वही एक समूह बना कर सामाजिक सेवा के सम सामयिक मुद्दों पर रैली,नुक्कड़ नाटक, झाँकी,नारा लेखन के साथ साथ रक्तदान,पर्यावरण,स्वच्छता,जैसे विषय पर आम लोगों को जागरूक करने का कार्य करे। स्वयं सेवकों ने विश्वास जताया कि हर सप्ताह कोई न कोई सामाजिक सेवा के कार्य किए जायेंगे। इस स्वच्छता अभियान में मुख्य रूप से गिरजा कुमारी, आलोक, प्रियंका कुमारी, निधि कुमारी,अनीशा ,अनु कुमारी, नंदिनी, वीणा ,अनन्या, अनुष्का संगीता,अंजलि, तान्या, मोहित कृष कुमार ,अभिजीत आशीष राहुल सूरज प्रिंस आशीष अनुराग आदर्श अनुभव आदि बच्चों ने मुख्य रूप से अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

एकमा में भगवा ध्वज को उखाड़ने को लेकर हुई बवाल पर पुलिस प्रशासन की तत्परता से सौहार्दपूर्ण हुई वातावरण

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा । स्थानीय थाना क्षेत्र के कोहरगढ़ गांव में श्री राम प्राण प्रतिष्ठान को लेकर शनिवार के दिन देर संध्या में अनुसूचित जाति की बस्ती सहित पूरे गांव में सभी प्रमुख सड़कों पर भगवा ध्वज लगाई गई थी । जहां दलित बस्ती में असामाजिक तत्व के लोगों द्वारा अनुसूचित जाति के मोहल्ले में जय श्री राम के भगवा झंडे को उखाड़ दिया गया । जिसकी वजह से दो पक्षों के बीच विवाद खड़ा हो गई । जिसकी भनक प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉक्टर सत्येंद्र पाराशर व पुलिस प्रशासन के अलावे जिला प्रशासन को लगी जहां कुछ ही देर में सीडीपीओ एसडीओ के अलावे स्थानीय अंचलाधिकारी कुमारी सुषमा पुलिस अंचल निरीक्षक स्थानीय थाना अध्यक्ष अभितेश कुमार रसूलपुर दाउदपुर मांझी जनता बाजार रिविल गंज कोपा पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल ने मौका पर पहुंचकर हालात को अपने काबू में कर लिया । तथा काभी मशक्कत करने के बाद सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित कर लिया ।इस मामले को लेकर स्थानीय थाना क्षेत्र के कोहरगंढ गांव के कुछ ग्रामीणों द्वारा चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है । जिसमें उक्त गांव निवासी छोटे लाल राम के पुत्र नंदलाल राम दिनेश राम के पुत्र रूमन राम तथा ब्रजेश राम एवं राकेश राम को आरोपित बनाया है । पुलिस ने त्वरित करते हुए ब्रजेश राम एवं राकेश राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य लोगों कि गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

निक्षय मित्र योजना - डॉ अंजू सिंह ने 30 टीबी मरीजों के बीच फूड पैकेट का किया वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। केंद्र सरकार देश से वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त अभियान का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अभियान से जुड़कर ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की संचालिका डॉ अंजू सिंह के द्वारा विगत एक वर्षों से छपरा शहर के विभिन्न मोहल्लों सहित एकमा प्रखंड से टीबी रोगियों को बुलाकर पौष्टिक आहार खाने के लिए पोषाहार का वितरण करते आ रहीं हैं। क्योंकि यह शहर ही नही बल्कि यूपी के जौनपुर में भी टीबी मरीजों को गोद लेकर सतत प्रयत्न शील संस्था के रूप में कार्य करते आ रहीं हैं। साथ ही टीबी मरीजों को संस्था की ओर से जागरूक भी किया जाता है। उक्त बातें छपरा शहर की सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति द्वारा तीसरी बार 30 टीबी मरीजों के बीच फूड पैकेट वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी अतिदेवानंद जी महाराज ने कही। संस्था द्वारा गोद लिए गए टीबी रोगियों के लिए साधनापुरी स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित पौष्टिक आहार वितरण समारोह का विधिवत उद्घाटन रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी अतिदेवानंद जी महाराज, ठाकुर बाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की संस्थापक सचिव डॉ अंजू सिंह, सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) क्षेत्रीय कार्यक्रम समन्वयक धर्मेंद्र रस्तोगी, आश्रम से जुड़े प्रो डॉ बाल्मिकी कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। वहीं आगत अतिथियों को श्रेया सिंह के द्वारा स्वागत गान जबकि संस्था की सचिव डॉ अंजू सिंह द्वारा शॉल और बुके से सम्मानित किया गया। जबकि इस अवसर पर जेपीएम की प्राध्यापिका डॉ अंबिका श्रीवास्तव, डॉ आभा सिंह, चंदन कुमार, सुमन सिंह, द्वारिकाधीश, कविता पटेल, सुभाष सिंह, राजेश सिंह, प्रिंस कुमार, पवन पटेल, पुष्पा देवी, शबनम सहित संस्था के कई अन्य सदस्य उपस्थित थे। निक्षय मित्र बन निभाएं अपनी जिम्मेदारीः डॉ अंजू सिंह ठाकुर बाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की संस्थापक सचिव डॉ अंजू सिंह ने उपस्थित आमजनों से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गयी निक्षय मित्र योजना एक सार्थक एवं सकारात्मक पहल है। जिससे टीबी रोगियों की उपचार में सहायता मिलती हैं। क्योंकि इलाजरत मरीजों के पोषण की जरूरतें पूरी होती हैं। इससे आमजन के साथ स्वयंसेवी संस्थाएं भी कदम बढ़ाकर टीबी उन्मूलन अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं। आगे उन्होंने यह भी कहा कि जनवरी 2023 में 21 मरीज, जुलाई में 21 मरीजों को प्रत्येक महीने पौष्टिक आहार के रूप में फूड पैकेट का वितरण किया जा चुका है। जिस कारण सभी मरीज पूरी तरह से टीबी जैसी बीमारी को हरा कर टीबी चैंपियन बन चुके है। उसके बाद आज फिर नववर्ष के उपलक्ष्य में 30 नए टीबी मरीजों को फूड पैकेट दिया गया है। पौष्टिक आहार के लिए टीबी रोगियों को पोषण के लिए दी जाती है प्रोत्साहन राशिः डीपीसी यक्ष्मा विभाग के डीपीसी हिमांशु शेखर ने कहा कि टीबी रोगियों की पहचान के लिए सदर अस्पताल में बलगम जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उसके बाद पौष्टिक आहार खाने के लिए टीबी रोगियों को उनके इलाज के दौरान बेहतर पोषण के लिए प्रति माह 500 रुपए की धनराशि स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी जाती है।

पुलिस ने किया शराब बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर । स्थानीय थाना क्षेत्र के धर्मपुरजाफर पंचायत स्थित अमनौर हाता गांव में बीते रात्री पुलिस ने अबैध शराब के बिरुद्ध छापेमारी कर भारी मात्रा में चार डब्बा देशी शराब बरामद किया।थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि लक्षमण मांझी अखिलेश मांझी देशी शराब लाकर गांव में हॉल शेल में बिक्री कर रहे है।पुलिस को सूचना मिलते ही दल बल के साथ छापेमारी की गई।पुलिस ने देखा दो ब्यक्ति एक बेढी के पास खड़े थे।पुलिस को देखते ही फरार हो गए।पुलिस ने बेढी का तलासी लिया जहा शराब से भरा चार डब्बा पाया गया।दो हरा एक लाल एक पिला सभी डब्बा में पुलिस ने सौ लीटर शराब बरामद किया।पुलिस पूर्ण शराब बंदी के बावजूद शराब का धंधा कर रहे अमनौर हाता गांव निवासी लक्ष्मण मांझी व अखिलेश मांझी के बिरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर करवाई शुरू कर दिया।कुछ ही घण्टो बाद एक धंधेबाज अखिलेश मांझी को पुलिस ने गिरफ्तार कर छपरा जेल भेज दिया।पुलिस ने बताया कि दोनों धंधेबाज शराब के धंधे में कई बार जेल जा चुके है।

डिज्नीलैंड मेला बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षण का केंद्र: प्रभारी मेयर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। डिज्नीलैंड मेला बच्चों के मनोरंजन के लिए बेहतर है, इसके साथ-साथ दूसरे राज्यों के रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाले बेहतर प्रोडक्ट को भी खरीदने का मौका मिलता है। उक्त बातें नगर निगम के प्रभारी मेयर रागिनी देवी ने स्थानीय बस स्टैंड के नजदीक आयोजित डिज्नीलैंड मेला के उद्घाटन के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए कही। बता दें कि यह मेला महक एम्यूजमेंट पार्क डिजनीलैंड पार्क जलान उत्तर प्रदेश से आया है।प्रभारी मेयर रागिनी देवी ने विधिवत फीता काटकर डिज्नीलैंड मेला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए मेयर रागिनी देवी ने कहा कि शहर वासियों के लिए डिज्नीलैंड मेला आकर्षण का केंद्र होगा, खासकर इस मेला को बच्चों के लिए मनोरंजन के रूप में बेहतर माना जाता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डिज्नीलैंड मेला में एक से बढ़कर एक मनोरंजन के साधन के अलावा दूसरे राज्यों के हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट भी खरीदने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि छपरा शहर में भी अब डिज्नीलैंड मेला आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है, उन्होंने शहर वासियों से अपील किया कि अपने पूरे परिवार और बच्चों के साथ डिज्नीलैंड मेला आए, और मनोरंजन के साथ-साथ घरेलू उपयोग की दूसरे राज्यों के बेहतरीन प्रोडक्ट भी खरीदने का मौका मिलेगा । इस अवसर पर डिज्नीलैंड मेला के संयोजक नदीम साह ने विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी को कम करना, बुनकर महिला उद्यमी द्वारा बनाया गया वस्तुओं का बिक्री सह प्रदर्शनी के साथ-साथ मनोरंजन के लिए अनेकों झूले भी लगाए गए हैं। जिसमें टावर झूला, टोटा -टोड़ा, वाटर बोट, मिकी माउस एवं नाव झूला आदि आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा स्वादिष्ट व्यंजन के साथ-साथ सहारनपुर फर्नीचर, होम प्रोडक्ट, ज्वैलरी, राजस्थानी अचार आदि के लगभग 50 स्टाल लगाए गए हैं, यह मेला लगभग एक माह तक चलेगा। उद्घाटन के अवसर पर शहर के गणमान्य लोग, डिज्नीलैंड मेला के मैनेजर विमलेश पाठक एवं चांद भाई के अलावा मेला के सदस्य गण एवं स्टाल लगाए गए सभी दुकानदार उपस्थित थे।

रामबाग संकट मोचन घंटी बाबा हनुमान मंदिर में श्रीराम की 25 फूट मूर्ति का आज होगी प्राणप्रतिष्ठा

प्रात : किरण संवाददाता

तरैया प्रखंड के रामबाग में स्थित श्री संकट मोचन घंटी बाबा हनुमान मंदिर के दरबार में भगवान श्री राम की 25 फीट की मूर्ति बनकर तैयार हो गई है।रामबाग मंदिर निर्माण कमिटी के संयोजक भाजपा नेता संजय सिंह व देवकुमार सिंह ने बताया कि अयोध्या में हो रहे श्रीराम मंदिर में स्थापित मूर्ति में प्राणप्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी निर्धारित है।उक्त तिथि को ही तरैया के रामबाग में स्थित संकट मोचन घंटी बाबा के परिसर में 26 फीट के श्रीराम की मूर्ति में प्राणप्रतिष्ठा व पूजन किया जाएगा।भाजपा नेता संजय सिंह व देवकुमार सिंह ने बताया कि रामबाग में ग्रामीणों के सहयोग से 51फीट ऊंची संकट मोचन घंटी बाबा हनुमान मंदिर में 25 फीट ऊंची हनुमान जी की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के ऊपर चार फीट का छतरी लगाया गया है।संकट मोचन हनुमान मंदिर के आगे श्रीराम की 25 फूट मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा व पूजन को लेकर मंदिर परिसर की साफ सफाई,रंग रोगन सहित सभी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बता दे कि हनुमान मंदिर 28 वर्ष पूर्व ग्रामीण ठाकुर संजय सिंह, त्रिभुवन सिंह और सीताराम सिंह ने उक्त स्थल पर हनुमान मंदिर निर्माण का शुभारंभ किया था, किंतु मंदिर नहीं बन सका।ग्रामीणों का मानना है कि तरैया मशरख एसएच 73 मुख्य सड़क पर पहले उक्त स्थल पर बहुत ज्यादा सड़क दुर्घटना होती थी।जब से इस मंदिर का शिलान्यास हुआ उस समय से आज तक कोई सड़क दुर्घटना नहीं हुआ है।स्थापना के 25 वर्षों बाद भी मंदिर का निर्माण नहीं हुआ तो ग्रामीण देव कुमार सिंह ने अपने मन में मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण करने का ठान लिया और मंदिर का निर्माण कार्य होने लगा।स्वपन्न से प्रेरित होकर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष देवकुमार सिंह ने बताया कि 27 वर्षों से मंदिर निर्माण का कार्य अधूरा पड़ा था।25 वर्ष बाद भी जब मंदिर निर्माण नही हुआ तो मुझे बार-बार सपने में घंटी दिखाई देता था।जब भी मैं इस रास्ते से गुजरता था तो मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण करने की मुझे भावना जागृत होती थी।अपने स्वप्न से प्रेरित होकर मैं 13 अप्रैल 2018 को मंदिर परिसर का साफ सफाई करना शुरू किया तो मंदिर परिसर में मुझे 100 वर्ष पुराना एक ताम्र पत्र मिला जिस पर घंटी बाबा लिखा हुआ था।फिर उस ताम्र पत्र को मैंने मंदिर के बगल में स्थित एक पीपल के पेड़ के खोखले में डालकर मंगत मांगा की अगर शीघ्र मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा तो मैं उस पीपल के पेड़ में घंटी बांधूगा।मेरा मन्नत पूरा हो गया और ग्रामीणों का सहयोग भरपूर मिलने लगा। फिर मैं उस पीपल के पेड़ में एक पीतल का बड़ा घंटी बांध दिया। तब से इस जगह का नाम घंटी बाबा हो गया और संकट मोचन हनुमान मंदिर का नया नाम संकट मोचन घंटी बाबा हनुमान मंदिर हो गया। प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे का किया जाता है आयोजन संकट मोचन घंटी बाबा हनुमान मंदिर के परिसर में प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को किसी ने किसी श्रद्धालु के द्वारा भंडारे का आयोजन किया जाता है। प्रसाद के रूप में शनिवार को खिचड़ी और मंगलवार को हलवा वितरण किया जाता है।मुख्य सड़क से आने जाने वाले लोग सहित ग्रामीण प्रसाद ग्रहण करते है।

स्कूली बच्चे शिक्षाविद रंजीत बाबू के आदर्शों को अपनाएं: मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

भेल्दी(सारण)। भारतीय संस्कृति में शिक्षाविद् रंजीत सिंह का स्थान आज सर्वोपरि है।वे आजीवन बच्चों को समुचित शिक्षा मिले इसके लिए संघर्षरत रहे।वे दलितों,पीड़ितों व असहाय बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। उक्त बातें मुख्य अतिथि सूबे के श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम ने अमनौर प्रखण्ड के जेएम हाईस्कूल रायपुरा में महान शिक्षाविद् रंजीत सिंह की जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि आज देश की उन्नति के लिए बच्चियां नाम कर रही है।स्कूली बच्चे ज्ञान रूपी दीपक को जलाने का काम करें तभी शिक्षा की ज्योति हमेशा जलती रहेगी।उन्होंने कहा कि बच्चे अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें। इसी माटी की बेटी चित्राली आज पूरे देश में अपने अभिनय का डंका बजा दी है।चित्राली से आज सभी बच्चों को सीख लेने की आवश्यकता है।

उन्होने कहा कि प्रवासी मजदूर थे उनको प्रवासी दुर्घटना योजना में एक लाख से बढाकर आज हमारी सरकार ने दो लाख कर दिया है।इतना ही आईटीआई के गुणवत्ता में भी काफी सुधार हो रहे हैं।बहरहाल,रंजीत बाबू के पदचिन्हो पर चलना ही उस महान आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।बच्चों को उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत है।पूर्व विधायक शत्रुघ्न तिवारी उर्फ चोकर बाबा ने कहा कि आज समाज के सभी लोगों को उनके विचारधारा को अपनाने की जरूरत है।वे बच्चों को पढाई के साथ-साथ सामाजिक ज्ञान भी देते थे।वे आजीवन समाज की उन्नति व प्रगति के लिए रंजीत बाबू संघर्ष करते रहे।जिला उपभोक्ता फोरम के चेयरमैन बी पी सिंह ने कहा कि गुरू का स्थान आज सबसे ऊपर है।बच्चे गुरू का सम्मान करें तभी उन्हे विद्या मिलेगी।रंजीत बाबू भारत माता के मंदिर के एक सच्चे पुजारी थे। समारोह को मुख्य रूप से सारण जिला कांग्रेस के पूर्व जिला अनिल कुमार सिंह,पूर्व प्राचार्य रामाकांत सिंह,अधिवक्ता अशोक कुमार सिंह,भाजपा नेता अजीत सिंह,पूर्व मुखिया शंभूनाथ द्विवेदी प्रधानाध्यापक विजयेंद्र साह,कांग्रेस नेता नदीम अख्तर अंसारी एजाज खान,जगदीश सिंह,सोनू कुमार मिश्रा,मुखिया प्रतिनिधि मदनआदि ने संबोधित किया।अध्यक्षता राजेश उपाध्याय व धन्यवाद ज्ञापन रायपुरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मदन सिंह ने किया।इसके पूर्व आगत अतिथियों ने रंजीत बाबू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।कांग्रेस नेता अनिल सिंह ने श्रम संसाधन मंत्री व अन्य को बुके व अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

सुआपुर के मंदिरों में होंगे धार्मिक कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। अयोध्या में सोमवार को होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर इसुआपुर के मंदिरों में भी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन किए गए हैं। प्रखंड के उसुरी कला गांव स्थित त्रिदेव मंदिर में प्रोजेक्टर के माध्यम से अयोध्या में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण होगा। वहीं सुंदर कांड के पाठ के साथ लोक गायिका पूर्व जिला पार्षद पुष्पा सिंह के भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति होगी। इसुआपुर बाजार स्थित पांच मंजिला मंदिर में भी पूजा पाठ के आयोजन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। शामकौरिया हनुमान मंदिर और बाबा नागेश्वर नाथ मंदिर परिसर में अखंड अष्टयाम के आयोजन किए गए हैं। पुरसौली पांडेय टोला, राम जानकी मंदिर गम्हरइयआं, छपिया, नवादा, महेश्वर नाथ मंदिर बेला, केरवां,बंगरा,सलेमपुर, निपानिया,टेढ़ा गांव समेत प्रखं

संक्षिप्त खबरें

मां काली मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया

आरा : प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मां काली मंदिर बड़कागांव अख्तियारपुर प्रखण्ड उद्वंत नगर जिला भोजपुर में स्वक्षता कार्य किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ, जिसमें किसनमोर्चा प्रदेश प्रवक्ता प्रहलाद राय, राजीव रंजन तिवारी, ज्योति प्रकाश कुशवाहा, शंकर दयाल कुशवाहा, किसान मोर्चा जिला महामंत्री वरुण सिंह, मृत्युंजय तिवारी ने श्रमदान कर मंदिर परिसर को सफाई किया

माथे पर ईट ढ़ोये थे कारसेवक अंगद सिंह

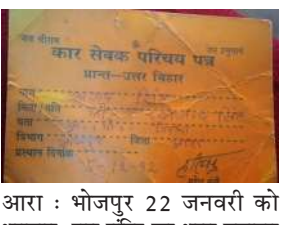

आरा : भोजपुर 22 जनवरी को भगवान राम मंदिर का भव्य उद्घाटन हो रहा है। आपको बताते चले की इतिहास में करसेवकों की बलिदान एवं योगदान कभी भी बुलाया नहीं जा सकता। कोईलवर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गीधा ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत गीधा गांव निवासी स्वर्गीय शारदा नंदन सिंह के पुत्र अंगद सिंह वर्ष 1992 में अयोध्या पहुंचे कारसेवक अंगद सिंह ने बताया कि पूरे देश से करसेवकों को अयोध्या पहुंचने का आह्वान हुआ था। जिस पर हम लोग भोजपुर से काफी संख्या में वर्ष 1992 में अयोध्या पहुंच गए थे। जहां हम लोगों को एक धर्मशाला मे ठहरने एवं खाने पीने की व्यवस्था की गई थी। छह दिसंबर एवं उससे पहले भी बहुत सारे संघ के प्रशिक्षित कार्यकर्ता भगवान राम की नगरी अयोध्या पहुंच गए थे। जहां हम लोग ठहरे हुए थे। कारसेवक काफी उत्साहित थे कि कल सुबह बाबरी का ढांचा को गिराना है। सुबह उठकर तैयार होकर सभी चल पड़े बाबरी के ढांचे को गिराने। जहा पर कारसेवकों का काफी ज्यादा भीड़ था। पहुंचने पर कारसेवक ने बाबरी ढांचा को गिरा दिया था। इसके बाद वहां पर इधर-उधर से ईट एकत्रित करें उसकी घेराबंदी की जा रही थी जिस पर कारसेवकों को जो जिसको जिम्मेदारी मिलता था वह अपनी खुशी-खुशी करता था जिसमें इन्हें ईट ढोने की जिम्मेदारी मिली थी। कारसेवक अंगद सिंह ने बताया कि मैं पढ़ाई के दौरान ही संघ से जुड़ा हुआ था। वही भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंगद सिंह ने बताया कि मैं संघ के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के 90 के दशक में दो बार भोजपुर जिले का जिलाध्यक्ष भी रह चुका हूं। साथ हीं 1995 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर बड़हरा विधानसभा से चुनाव भी लड़ा हूं। लेकिन यहां से आनंद मोहन के कारण मुझे हर का सामना करना पड़ा था वहीं इस मंदिर उद्घाटन समारोह को लेकर लोगों में काफी उत्साह है।

भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर भगवान श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित एक परिचर्चा सभा का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आराः बालिका उच्च विद्यालय एवं शिशु संस्थान महादेव रोड आरा के प्रांगण में अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर में दिनांक 22-01-2024 को होने वाले भगवान श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर भगवान श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित एक परिचर्चा सभा का आयोजन किया गया ।जिसमें विद्यालय के वर्ग छठवीं से नवी तक के छात्राओं और विद्यालय के सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं के साथ-साथ छात्राओं के अभिभावक भी उपस्थित रहे ।इस अवसर पर वर्ग छठवीं की छात्रा अमीषा ने अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम मंदिर का प्रारूप तैयार कर विद्यालय के निदेशक श्री राम जी तिवारी, वरीय शिक्षक श्री सुरेश कुमार, कला शिक्षक सिद्धार्थ गुप्ता को समर्पित किया। छात्रा अमीषा ने बताया कि अयोध्या में होने वाले भव्य आयोजन और मंदिर को देखने की लालसा थी, किंतु कुछ कारणवश जाने का मौका नहीं मिला तो मन में विचार आया कि क्यों ना मंदिर का प्रारूप बनाकर विद्यालय को समर्पित करूं । निदेशक श्री राम जी तिवारी ने अपने वक्तव्य में बताया कि त्रेता युग में जन्मे श्री विष्णु के अवतार श्री राम ने अपने पूरे जीवन चरित्र में मर्यादित रहकर धर्म की रक्षा करते हुए जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा दी है। वरीय शिक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि भगवान श्री राम का सम्पूर्ण जीवन मानव को सदैव प्रेरणा देता है कि जीवन में हमें क्या करना चाहिए। भगवान श्री राम का जीवन चरित्र ही है कि भारतवर्ष में आज भी हर एक माँ श्री राम की तरह पुत्र और हर एक स्त्री श्री राम के व्यक्तित्व की तरह के पति की चाह रखती है। इस अवसर पर विद्यालय छात्रा क्रमशः कोमल कुमारी , शानवी , डिम्पल रीषु , सुमित्रा, अंजली, कुमारी श्रेया, कुमारी सौम्या, सुप्रिया राज, रिया केशरी शिक्षक श्री सूर्यकांत कुमार नर्वदेश्वर उपाध्याय एवं शिक्षिका श्रीमती उषा देवी, पुष्पा पाण्डेय एवं सुश्री एकता कुमारी के साथ-साथ विद्यालय के अन्य वर्गों के छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावक भी उपस्थित थे। मंदिर के निर्माण को देखकर छात्रों में बहुत ही उल्लास था। इस अवसर पर विद्यालय के छात्राओं के अभिभावको ने मंदिर बनाने वाली अमीषा केसरी एवं उनके सहयोगी शिक्षक सिद्धार्थ गुप्ता की बहुत- बहुत प्रशंसा की।

गोबरछ गांव में प्राण प्रतिष्ठा पर 51 किलो लड्डू का लगेगा भोग

प्रात : किरण संवाददाता

22 जनवरी को अयोध्या में श्री रामचंद्र जी के प्राण प्रतिष्ठा पर देश के कई राज्यों में उमंग के साथ मंदिरों में साफ सफाई एवं सजावट को लेकर तैयारी जोर शोर से चल रही है। वही भगवानपुर थाना क्षेत्र के गोबरछ गांव में श्री राम जी के होने वाले प्राण प्रतिष्ठा पर 51 के लड्डू का भोग लगाया जाएगा। वही सनातन सेना के कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि इससे पहले 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन पर श्री राम नाम से गोबरछ गांव में 50 वर्ष पुराना महावीर मंदिर पर सभी सनातन सेना द्वारा दिया जलाया गया था। वही महावीर मंदिर पर लड्डू का भोग लगने के बाद पूरे गांव में लड्डू का वितरण होगा। जहां 22 जनवरी को सुबह में ही सभी सनातन सना द्वारा सुबह में प्रभात फेरी निकालकर जय श्री राम का उद्घोष करते हुए लोगों को घरों में दिया जलाने को लेकर जागरूक किया जाएगा। जहां प्रभात फेरी में लगभग 50 से अधिक लोग भाग लेंगे। इसकी तैयारी 12 जनवरी से ही गांव में अलग-अलग कार्यक्रम कर लोगों को जागरूक करने का काम किया गया है। वही महावीर मंदिर के प्रांगण में पहले से ही 51 किलो लड्डू का पैकेट बनाकर तैयारी की जा रही है। ताकि प्राण प्रतिष्ठा के दिन 51 किलो लड्डू का भोग लगाकर पूरे गांव में वितरण होगा। मौके पर विजय शंकर कुमार गांधी कुमार प्रमोद कुमार घुटकु कुमार जितेंद्र गुप्ता उपेंद्र गुप्ता धर्मेंद्र कुमार रवि जडेजा काजल कुमारी निशा कुमारी विनोद यादव एवं सभी सनातन सेना उपस्थित रहे।

अदभुत : राम भक्त बंदर ने भगवान श्री राम के ध्वज फोटो से लिपट उन्हें किया याद

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व लोगों के बीच बना कौतूहल का विषय

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज/संझौली(रोहतास) शुक्रवार को बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र के धारुपुर गांव में आयोजित महावीर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दौरान एक बंदर कौतूहल का विषय बन हुआ है। आयोजित यज्ञ स्थल पर लगाए गए प्रभु श्रीराम लला की फोटो युक्त ध्वज के समीप पहुंच कर बंदर निहारने लगा। हाथ से ध्वज पकड़ कर मानो वह प्रभु से संवाद कर रहा हो, ऐसा प्रतीत हो रहा था। अल्प समय के इस दृश्य को देख लोगों के चेहरे पर आश्चर्य का भाव उत्पन्न होने लगा, यज्ञ में लगे प्रेमानंद जी महाराज ने बताया कि अयोध्या में बन रहे प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर पृथ्वी लोक के हर एक प्राणियों में आस्था जागृत करने का काम किया है। बंदर हनुमान जी के स्वरूप होते हैं, जो प्रभु श्री रामचंद्र जी के परम भक्तों में से एक है। अपने प्रभु का फोटो देख इस प्राणी के अंतरमन में भक्ति का तरंग संचारित हो जाने का अनुमान उन्होंने लगाया। विलुप्त जीवो का आगमन प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व अयोध्या जी में होने लगा है, यह सदियों पूर्व से स्थापित सनातन संस्कृति का झलक है। बिक्रमगंज नगर परिषद के धारूपुर गांव यज्ञ स्थल के समीप इस तरह का दृश्य पुरानी यादों को पुनर्जीवित करने का काम किया है। यज्ञ में शामिल होने आए दर्जनों श्रद्धालुओं ने बताया यह दृश्य बनते ही गांव में चर्चा का विषय बन गया। इस अनोखे दृश्य को देखने के लिए काफी संख्या में लोग यज्ञ स्थल की ओर दौड़ पड़े। जहां भाजपा प्रदेश शिक्षक प्रकोष्ठ महामंत्री डॉ० मनीष रंजन सह काराकाट विधानसभा भावी प्रत्याशी व बिक्रमगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह उर्फ जवाहर सिंह सहित हजारों लोग इस आश्चर्यचकित दृश्य को देखते हुए पुराणिक रामायण से जोड़कर देख रहें है।

कोइलवर के दिनेश्वरनाथ धाम पर 5100 दीपों से आज होगी प्रभु श्रीराम की भव्य आरती

आरा। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरा देश राममय हो गया है। इसी क्रम में आज 22 जनवरी को कोईलवर प्रखण्ड के विभिन्न मंदिरों पर दीपोत्सव व भव्य आरती आ आयोजन किया जा रहा है। नगर पंचायत कोईलवर के गौरैया स्थान दिनेश्वरनाथ धाम मंदिर में भी दीपोत्सव व भव्य आरती का आयोजन किया गया है। आयोजक टीम ने बताया कि प्रभु श्रीराम के आगमन को लेकर विशेष तैयारियां की गई है। 22 जनवरी के अहले सुबह दिनेश्वरनाथ धाम में प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर सफाई अभियान चलाया जायेगा। इसके बाद दोपहर से लेकर आरती होने के समय तक रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा ।इसके बाद शाम 4 बजे से प्रभु श्रीराम जी की 5100 दीपो से भव्य आरती की जाएगी। आरती के बाद दिनेश्वरनाथ धाम में दीपोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर पूरे इलाके में माहौल भक्तिमय हो गया है।

अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रेलवे पुलिस हुई अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) जिला मुख्यालय स्थित रेलवे जंक्शन पर आरपीएफ पुलिस तथा मानवाधिकार समस्या समाधान टीम के सहयोग से जांच अभियान चलाया गया। बताया गया कि 22 तारीख को अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलाल प्राण प्रतिष्ठा को लेकर यात्रियों को सुरक्षा यात्रा के उद्देश्य यह जांच अभियान चलाया गया। जो 22 जनवरी को अयोध्या में कार्यक्रम को लेकर सासाराम जंक्शन परिसर में रेल पुलिस ने फ्लैग मार्च भी किया। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर सासाराम संजीव कुमार ने जानकारी दी कि यह जांच अभियान रेल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान रेल पुलिस फ्लैग मार्च भी रेल परिसर में किया। अयोध्या में कार्यक्रम को लेकर रेल प्रशासन पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है।

यूजीसी द्वारा राज्य के 15 विश्वविद्यालय को डिफाल्टर घोषित करना राजभवन के लिये शर्मनाकःधनंजय यादव

प्रात : किरण संवाददाता

आरा : विगत नौ महिनें में लोकपाल की नियुक्ति नहीं करनें कारण यूजीसी के द्वारा 15 विश्वविद्यालयों को डिफाल्टर लिस्ट में डाल दिया गया है जिससे युजीसी के रेगुलेशन के तहत ऐसे विश्वविद्यालयों को अनुदान नहीं मिल पायेगा ।इतना ही नहीं ईसके कारण आगामी भविष्य में राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान सहित केन्द्र सरकार से मिलनें वाले अनेक तरह के योगदानों से भी वंचित होना पड़ेगा ।

छात्रो के साथ भेदभाव , भ्रष्ट्राचार , नामांकन, परिक्षा , और रिजल्ट में अनियमितता , अयोग्य छात्रो के नामांकन , योग्य छात्रों का नामांकन नहीं करनें , सीटों में आरक्षण के प्रावधानों काउल्लंघन करनें , एस सी एसटी , ओबीसी , महिला , अल्पसंख्यक, अथवा दिव्यांग छात्रों के साथ भेदभाव से संबंधित मामलों के निपटारें के लिये लोकपाल(अद्ध न्यायिक निकाय) का गठन नहीं हो पाना और इस कारण युजीसी तथा केन्द्र सरकार से मिलनें वाले अनुदानों से वंचित हो जाना बहुत ही दुर्भाग्यपुर्ण हैं । ईसके लिये जिम्मेवार लोगों कों चिन्हित करते हुयें उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाने की आवश्यक्ता है । यह बिहार के बहुसंख्यक छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है और उसके लिये दोषियों को क्षमा नहीं किया जा सकता है ।

छात्र संगठनों से अपील है कि ईसके खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन चलानें का कार्य करें जिसमें हमलोग जैसे व्यक्ति भी अपना पुर्ण समर्थन और सहयोग करनें का कार्य करेंगें।

पूर्व मंत्री समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र के पुण्यतिथि मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आराः शहीद अकली देवी नगर में भारत सरकार के पूर्व मंत्री समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र जी के पुण्यतिथि के पूर्व संध्या पर पुण्यतिथि समारोह मनाया अखील भारतवर्षीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया के अध्यक्षता में मनाया गया ।संचालन डॉ सचिता यादव ने किया ।उद्घाटन प्रो विजय सिंह मुखिया प्रो रबिन्द्र सिंह ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।अपने सम्बोधन में प्रो विजय सिंह मुखिया ने कहा कि जनेश्वर मिश्र जी समाजवाद के प्रखर प्रहरी थे उनको छोटे लोहिया से लोग जानते थे ।उन्होंने अपना राजनीति जीवन छात्र संघ के अध्यक्ष से शुरू की थी वे अनेको बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं ।वेकई बार भारत सरकार के मंत्री के रूप में रह चुके हैं ।वे समाज वाद के लिए सड़क पर हमेशा आंदोलन किये ।तथा उनका जीवन का अंत भी संघर्ष के साथ ही बीता मृत्यु से दो दिन पूर्व इलाहाबाद में आंदोलन में उनके ऊपर लाठी चार्ज हुआ था और दो दिन के बाद22जनवरी2010में उनकी मृत्यु हो गई ।समारोह को सम्बोधित करने वाले लोगो मे चन्दन पासवान जितेंद यादव हरेराम यादव शिवमोहन यादव जगनारायण यादव पुष्पेन्द्र यादव भिखारी यादव नन्दजी पासवान विजय पासवान धर्मेंद्र यादव कामेश्वर यादव भगरथि शर्मा बनसलयक शर्मा सन्तोष सिंह हरगोबिंद यादव राजेश यादव उमाशंकर सिंह बिरेन्द्र यादव जगरोशन पासवान कामख्या तिवारी मनींद्र सिंह शैलेन्द्र यादव भीखम यादव जगदीश यादव प्रेम प्रकाश यादव प्रेमचंद यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

सूबेदार विनोद ने यूजीसी में सफलता हासिल कर रोहतास का बढ़ाया शान

संझौली (रोहतास) यह कहावत सत्य है की पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। जो नौकरी में रहते या नौकरी से सेवा निवृत होने के बाद भी दिल में कुछ कर दिखाने की जज्बा रही तो इंसान कर दिखलाता है। इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए भारतीय सेना के जवान विनोद कुमार ने 28 साल सेना में नौकरी करने के बाद, एक प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त कर लोगों को अचंभित कर दिया है। जिन्होंने सेना में सूबेदार पद पर रहकर देश की सेवा करने के बाद सेवानिवृत हुए सूबेदार विनोद कुमार ने यूजीसी व जीसेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के एक छोटा सा गांव घोसियां कला में जन्मे, विनोद कुमार ने 1995 में भारतीय सेना से जुड़कर देश की सेवा करते रहे। साथ ही ऑफिस में कामकाज को निपटने के बाद वह पढ़ाई से जुड़े रहे।

हाल ही में यूजीसी नेट व जीसेट की परीक्षा में सम्मिलित होकर सफलता प्राप्त किया है। सूबेदार विनोद कुमार ने संपर्क करने पर बताया कि 28 साल भारतीय सेना में नौकरी करने के बाद सेवानिवृत हुआ।

लेकिन नौकरी में रहते ही हमने अपनी पढ़ाई जारी रखा। सेवा निवृत्ति के बाद 46वें वर्ष की उम्र में हमने यूजीसी नेट व 17 वीं जीसेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है। इस सफलता का श्रेय मेरे माता-पिता,सेना के जवानों व ग्रामवासियों का है।

डीएम के निर्देश पर जिला में चला अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा सुरक्षा अभियान

सासाराम (रोहतास) अयोध्या में भगवान श्री राम प्राण प्रतिष्ठा तहत सुरक्षा विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर डीएम नवीन कुमार और एसपी विनीत कुमार के निर्देश पर जिले में विभिन्न जगहों पर फ्लैग मार्च निकाला गया। जिसको लेकर सासाराम में फ्लैग मार्च एसडीएम आशुतोष रंजन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार ,बिक्रमगंज में एसडीपीओ कुमार संजय के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। मौके पर उपस्थित सासाराम एसडीएम आशुतोष रंजन ने बताया कि सुरक्षा विधि व्यवस्था को लेकर यह फ्लैग मार्च वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर निकला गया। जो नगर थाना सासाराम से जीटी रोड होते हुए धर्मशाला नवरत्न बाजार शहर के विभिन्न मोहल्ले में यह फ्लैग मार्च निकाला गया। गौरतलब हो कि अयोध्या में 22 को कार्यक्रम को लेकर रोहतास प्रशासन पुलिस पूरी तरह से तत्पर है। माना जा रहा है कि इसी कड़ी में सुरक्षा और विधि व्यवस्था को लेकर यह फ्लैग मार्च निकाला गया। इससे पहले वरिये पदाधिकारी ने कर्मियों और पदाधिकारी की छुट्टी रद्द करने की भी बात बताई है।

भगवान श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर भक्तों ने जलाया दीप

- जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा बिक्रमगंज शहर
- दीपोत्सव की तैयारी में घर-घर जुटे राम भक्त

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) अयोध्या में भगवान श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अनुमंडल क्षेत्र के शहर से लेकर पूरा गांव भक्तिमय माहौल डूब गया है। जो सोमवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर घर घर में दीपोत्सव की तैयारी है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व संध्या पर कई देवालयों के साफ सफाई व सजावट का काम जोरों पर है। मंदिरों के साथ ही घर घर में दीप प्रज्ज्वलित कर लोग उत्सव मनाने व पूजा अर्चना की तैयारी में हैं। शहर के नटवार रोड में दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व संध्या पर दीप जलाया। जय श्रीराम के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। इस संबंध में चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि सोमवार को विशेष तैयारी को लेकर मंदिर सजाने का काम जोरों पर है। सोमवार को घर घर में दीप जलाकर दीपावली मनाई जाएगी। इस शुभ अवसर पर राकेश कुमार, कुमार अभिषेक, अर्जुन कुमार, मंदन गुप्ता, राकेश कुमार तिवारी, मुन्ना तिवारी, किशुन देव साह, लालू , छोटू, प्रीतम, माया, राजू, अंकित, आर्य, रोहित आदि थे।

राममय हुआ भोजपुर जिला, ऐतिहासिक रमना मैदान में होगा भव्य सम्मान समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर आरा के ऐतिहासिक रमना मैदान पूरी तरह से सज सवरकर तैयार हो चुका है और पूरा भोजपुर जिला राम मय हो गया है और पूरे आरा शहर को भगवा झंडा से पाट दिया गया है सबसे पहले भगवान श्री राम की विधिवत रूप से पूजा अर्चना के बाद नगर भ्रमण कराया जाएगा तत्पश्चात नवाह पाठ की पूणार्हुति के साथ भव्य कर सेवक सह मीडिया सम्मान समारोह और विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और आरा के सांसद राजकुमार सिंह करेंगे। जो कि इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान के तौर पर शामिल होंगे। वहीं इस इस कार्यक्रम मैं जिले भर से हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे और कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर रमना मैदान में अंतिम रूप से इस कार्यक्रम की समीक्षा की गई और तैयारी पूर्ण होने पर आयोजन समिति के सदस्यों ने संतोष जताया आयोजन के मुख्य संरक्षक डॉक्टर पी सिंह ने बताया कि यह हमारे और तमाम लोगों के जीवन का ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम काल होगा क्योंकि हम इस रामलाल प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के साक्षी बना रहे हैं और आरा के रमना मैदान में भी एक नया इतिहास इस दिन बनेगा क्योंकि इसके लिए पिछले कई दिनों से तैयारी चल रही थी और हमारे तैयारी समिति के लोग दिन रात इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए थे वहीं इस कार्यक्रम की सहसंयोजक संभावना आवासीय उच्च विद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अर्चना सिंह ने कहा कि यह बड़े ही सौभाग्य की बात है कि 9 दिवसीय इस अनुष्ठान के बाद ऐतिहासिक रमना मैदान में विशाल रामलाल प्राण प्रतिष्ठा उत्सव का आयोजन किया जायेगा। वहीं कार्यक्रम के भंडारा प्रमुख गुड्डू सिंह बबुआन ने कहा कि अयोध्या में जहां रामलला विराजमान हो रहे हैं इस खुशी में आरा में भी विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात है और सभी जिलेवासी रमना मैदान पहुंचकर ऐतिहासिक पल के गवाह बने क्योंकि 500 वर्षों की तपस्या के बाद यह शुभ दिन आया है ।कार्यक्रम के व्यवस्था प्रमुख मनोज सिंह ने कहा कि हर के लोग बहुत ही सौभाग्यशाली है कि उनको इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने का मौका मिल रहा है और रमना मैदान में कार सेवा में जाकर सेवा करने वाले लोगों को सम्मानित करने का जो काम आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है। वह अपने आप में काफी अद्भुत और अनुकरणीय है। इस कार्यक्रम में मशहूर डमरू वादन से लेकर भव्य गंगा आरती के तर्ज पर आरती के साथ बहुत ही सुंदर ढंग से दिवाली उस रात मनाई जाएगी। जिसके लिए आयोजन समिति के सदस्य दिन रात लगे हुए हैं। कार्यक्रम के संयोजक शंभू चौरसिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में कर सेवा में गए हुए लोग और उनके परिवार को सम्मानित करके हम अपने आप को सौभाग्यशाली समझ रहे हैं वही उन्होंने बताया कि भंडारे में 25000 से ज्यादा लोगों के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है। वही कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि सुबह में सबसे पहले भगवान प्रभु श्री राम की आरती और पूजन के बाद नगर में भव्य झांकी निकाली जाएगी तत्पश्चात नगर भ्रमण के बाद भगवान श्री राम रमना मैदान में विराजमान होंगे उसके बाद नवाह पाठ की पूणार्हुति के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत होगी और उसके बाद विशाल सम्मान समारोह का आयोजन एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा भीड़भाड़ को देखते हुए सभी लोगों से यह अपील है कि लोग समय से आकर अपना स्थान ग्रहण कर ले ताकि आप इस ऐतिहासिक पल के गवाह बन सके उपस्थित लोगों में मुख्य संरक्षक डॉक्टर पी सिंह डॉ कुमार जितेंद्र लक्ष्मी नारायण राय आदित्य विजय जैन डॉ अर्चना सिंह मनोज सिंह आलोक अंजन गुड्डू सिंह भगवान हरेंद्र चंद्रवंशी मेजर राणा प्रताप सिंह पंकज प्रभाकर विनोद सिंह सनी पांडे सुनील सिंह डी राजन जीतन सिंह मनीष कुमार मुखिया संख्या जिला अध्यक्ष मंटू सिंह विजय भारती सतीश सिंह राकेश कुमार धनु संतोष कुमार नवीन प्रकाश हरिओम सिंह बादल जलन राजनंदन संजीव प्रजापति प्रेम सिंघानिया शशि शेखर सिंह स्वराज सिंह कमल किशोर सिंह सुमित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे

धार्मिक आस्था के साथ साथ देश आर्थिक रूप से भी मजबूत होगाः डॉ. राजेश राय

प्रात : किरण संवाददाता

भगवान राम के प्रति देश और विदेश के करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। राम मन्दिर निर्माण होने से देश और विदेश में खुशी का माहौल है। वर्तमान समय में पूरा देश राममय हो गया हैं। सर्द मौसम में शीतलहर के जगह भगवान राम का लहर देखा जा रहा है। मंदिर का निर्माण अपने जीवन काल में देखना निश्चित रूप से हम लोग के लिए सौभाग्य का विषय है। राम मन्दिर आंदोलन में कई पीढ़ी ने अपनी शहादत दी है। लगभग 134 वर्ष के कानूनी लड़ाई के बाद माननीय सुप्रीम कोर्ट ने जनभावना का ख्याल रखते हुए राम मन्दिर के पक्ष में निर्णय दिया। लगभग 500 वर्ष बाद भगवान राम अपने महल में आ रहे हैं। राम लला के आगमन के स्वागत के लिए अयोध्या सज चुकी है। पूरा देश राममय है। करीब 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या के ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है ।निश्चित रूप से पूरे विश्व के लिए यह खुशी के साथ ही भावात्मक पल हैं। पूरा देश एक और दिवाली मनाने को तैयार है। ज्ञात हो कि जब भगवान राम के मन्दिर निर्माण के पक्ष में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था। उसके बाद पूरे देश में भगवान राम जन्मभूमि समर्पण निधि अभियान चलाया गया। जिसमे निर्धारित लक्ष्य से भी बहुत ज्यादा मंदिर निर्माण हेतु दान लोगो ने किया। इससे यह स्पष्ट होता है की भगवान राम के प्रति लोगो में कितनी आस्था है। दूसरी तरफ अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से भारतीय अर्थव्यवस्था में भी मजबूती आएगी। अयोध्या देश का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बनेगा। यहां देश और विदेश से लाखों पर्यटक आयेंगे ।वर्तमान में रामनगरी में सालाना आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या एक करोड़ के आसपास रहती है जो निकट भविष्य में चार से पांच करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। इससे न सिर्फ होटल इंडस्ट्री को लाभ होगा बल्कि रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और लोगो को स्व -रोजगार भी मिलेगा ।रामनगरी में विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों की निवेश की रणनीति इससे समझी जा सकती है कि बीती एक फरवरी को अयोध्या में पहली बार इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियों ने अयोध्या में 19 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एमओयू किया। इसमें होटल ,वाटर पार्क इत्यादि के निर्माण की सहमति बनी ।रामनगरी में पर्यटन की असीम संभावनाओं के बीच युवाओं में टूरिस्ट गाइड के तौर पर कार्य करने की ललक भी बढ़ी है। कुल मिलाकर रामनगरी में मंदिर निर्माण होने के बाद धार्मिक आस्था के साथ साथ देश आर्थिक रूप से भी मजबूत होगा। स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। जय श्री राम।

भगवान श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

चेनारी (रोहतास) अयोध्या में आयोजित

श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुलिस ने की फ्लैग मार्च,पुलिस की बूटों की धमक से गूंजी चेनारी बाजार की सड़के अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पुलिस ने की फ्लैग मार्च मुख्य बाजार चेनारी की सड़कों पर पुलिस की बूटों की धमक सुनाई देने लगी। इस प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर प्रभारी थाना अध्यक्ष रामविलास पासवान, इंस्पेक्टर आदित्य कुमार प्रीतम, प्रखंड कृषि पदाधिकारी संभु कुमार, एसआई राजेश कुमार कृषि प्रबंधक अजय तिवारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल के जवान के साथ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर दोपहर लगभग 4 बजे के करीब चेनारी बाजार के विभिन्न संवेदनशील जगहों पर जाकर दौरा किया। थानाध्यक्ष रामविलास पासवान ने बताया कि अयोध्या मे 22 जनवरी को होनेवाले श्री राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चेनारी में फ्लैग मार्च निकाला गया है इस दौरान किसी भी असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस0की कड़ी निगरानी है। वही फ्लैग मार्च प्रभारी थानाध्यक्ष रामबिलाश पासवान के नेतृत्व में लगभग सौ से अधिक जवानों ने बजार की सड़कों पर फ्लैग मार्च किया। प्रखंड में शांति पूर्ण तरीके से श्री राम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव मनाने को लेकर पुलिस काफी सतर्क है।

शाहरुख से विवाद पर रोहित ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी एक्शन वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में हैं। रोहित ने इस वेब सीरीज से अपना ओटीटी डेब्यू किया है। रोहित ने अपने करियर में शाहरुख खान के साथ भी काम किया। उन्होंने किंग खान के साथ चेन्नई एक्सप्रेस और दिलवाले जैसी फिल्में बनाई, जो उनके करियर की लोकप्रिय फिल्मों में से एक रही, लेकिन दिलवाले के बाद से रोहित ने शाहरुख के साथ दोबारा काम नहीं किया, इसको लेकर कई तरह की अफवाहें भी सामने आई कि दोनों के बीच झगड़ा हो गया या दोनों एक दूसरे से नाराज हैं, अब रोहित ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक साक्षत्कार में रोहित ने शाहरुख खान को लेकर खुलकर बात की।

शाहरुख के साथ लगभग एक दशक से काम न करने और दोनों के बीच कुछ गड़बड़ होने के सवाल पर पहले रोहित पहले खूब हंसे और फिर कहा, हम दोनों के बीच सबकुछ ठीक है ऐसा कुछ नहीं है। रोहित ने इस दौरान शाहरुख खान के साथ आने वाले दिनों में काम करने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, कोई अच्छी कहानी मिलने के बाद काम करूंगा, जो चेन्नई एक्सप्रेस से बड़ी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज रहती है कि कभी ऐसा कोई विषय आया तो क्यों नहीं करूंगा मैं, जरूर करूंगा। फिलहाल, रोहित अजय देवगन और करीना कपूर खान के साथ सिंघम अगेन की शूटिंग कर रहे हैं, इसके अलावा उनके कॉप यूनिवर्स की अगले प्रोजेक्ट में दीपिका पादुकोण भी नजर आने वाली हैं। रोहित की हालिया रिलीज इंडियन पुलिस फोर्स को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

इस दौरान रोहित ने अपने पिता और बॉलीवुड के मशहूर स्टंटमैन एमबी शेट्टी के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि बॉम्बे 405 माइल्स के सेट पर हुई एक दुर्घटना उनके निधन का कारण बनी। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान एक स्टंटमैन घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई, उसकी मौत का कारण उनके पिता खुद को मानने लगे और शराब के आदी हो गए। उन्होंने काम करना भी बंद कर दिया और एक साल बाद उनका निधन हो गया।

एक्टिंग से ज्यादा साइड बिजनेस में हैं, फिल्में सिर्फ पैशन के लिए करता हूं

इन दिनों, विवेक ओबेरॉय अपनी सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में है। सीरीज में वे इंस्पेक्टर विक्रम बख्शी का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। साल 2002 से अपना एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाले विवेक की मानें तो अब वे पैसों के लिए काम बिलकुल नहीं करते। बातचीत के दौरान, विवेक ने अपनी नई सीरीज, रोहित शेट्टी के साथ काम करने का अनुभव, बॉलीवुड से ज्यादा साउथ की फिल्में करने के पीछे की वजह पर खुलकर बातचीत की। बातों-ही-बातों में वे रोहित को डॉक्टर रोहित शेट्टी क्यों बुलाना पसंद करते हैं, ये भी बताया।

आप रोहित को डॉक्टर रोहित शेट्टी बुलाते हैं?

जी हां, उन्होंने पुलिस के सब्जेक्ट पर PhD जो कर रखी है। यकीन मानिए, उनके साथ जब आप बतौर एक्टर काम करेंगे तो निश्चित तौर पर आप कुछ सीख कर ही घर लौटोगे। जितनी उन्हें इस सब्जेक्ट को लेकर इनफार्मेशन है, जितनी टेक्निकल बातों की जानकारी हैं, उतनी किसी भी फिल्म मेकर को नहीं है। एक एक्टर होने के नाते आपको बिलकुल मेहनत नहीं करनी पड़ती। आपको बस, रोहित की हर बातों को अपनाना है और आगे बढ़ते रहना है। यहीं वजह है कि मैं उन्हें डॉक्टर रोहित शेट्टी बुलाता हूं। वे अपने काम में माहिर है।

एक सीन के दौरान, रोहित समेत पूरी टीम ने आपके लिए ताली बजाई थी?

देखिए, रोहित परफेक्शनिस्ट हैं। मैंने सुना भी और देखा भी है की वे किसी भी शॉट से जल्द ही इम्प्रेस नहीं होते। लेकिन, मैं इस मामले में खुशकिस्मत रहा। मुझे याद है, मैं एक पेचीदा सीन परफॉर्म कर रहा था और रोहित के कट कहने का इंतजार कर रहा था, लेकिन काफी वक्त तक उन्होंने उस सीन को कट नहीं कहा। मैंने भी हार नहीं मानी, सीन जारी रखा। कुछ देर बाद, मैं भी सोचने लगा की आखिरकार हो क्या रहा है?

इस सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण मोमेंट क्या रहा?

एक्शन। वाकई में, मेरे लिए एक्शन करना आसान नहीं था। मुझे शारीरिक तौर पर काफी मेहनत करनी पड़ी। हर दिन, गिरना-पटकना बहुत तकलीफदायक होता था। मुझे याद है, हर दिन पैक अप के बाद जब घर जाकर शॉवर लेता तब दर्द का एहसास होता था।

सुना है, आप बतौर प्रोड्यूसर भी नए टैलेंट की मदद कर रहे हैं?

जी हां, मैं नए टैलेंट को हमेशा सपोर्ट करता हूं और आगे भी करूंगा। हालांकि, बदले में उनसे ये वादा लेता हूं कि वे अपने प्रोजेक्ट से जो भी कमाएं, उसका कुछ हिस्सा जरूरतमंद लड़कियों की पढ़ाई या उनके हेल्थकेयर में इस्तेमाल करेंगे। यदि मेरी इस मुहिम से किसी एक बच्ची की भी मदद हो, मुझे इससे संतुष्टि मिलती है।

कोई खास वजह, पिछले कुछ सालों में आप बॉलीवुड की बजाय साउथ की फिल्में ज्यादा कर रहे हैं?

मुझे रीजनल फिल्में करने में बहुत मजा आता है। यकीन मानिए, साउथ के कई लोग मुझे ढूंढ़ते हुए आते हैं और अपनी कहानी सुनाते हैं। वो मेरे साथ काम करने की इच्छा जाहिर करते हैं। जाहिर है, अच्छा महसूस होता है ये देखकर कि आपके काम की इतनी कद्र हो रही है। अब मैं सिर्फ पैशन के लिए फिल्में कर रहा हूं। अपनी दाल-रोटी के लिए मेरे पास कई विकल्प हैं। मेरे पास मल्टिपल बिजनेस हैं, मैंने कई इंवेस्टमेंट किए हैं जो कि बहुत अच्छे चल रहे हैं। जहां तक फिल्मों का सवाल है, मैं केवल उन्हीं प्रोजेक्ट को हामी भरता हूं जिनकी कहानी अलग हो। मुझे उन लोगों के साथ काम करना है जिन्हें मैं अपने परिवार की तरह मान सकूं। मैं काम करने की प्रोसेस को एन्जॉय करना चाहता हूं।

असली वायुसेना कर्मियों की मदद से हुई फाइटर की शूटिंग!

सिद्धार्थ आनंद की फाइटर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, 25 जनवरी, 2024 को फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर हवाई एक्शन करते नजर आएंगे। असली भारतीय वायुसेना अधिकारियों की मदद से फिल्म के एक्शन सीन्स लड़ाकू जेट और हेलीकॉप्टरों के साथ शूट किए गए हैं। रोमांचकारी दृश्यों को तेजपुर में वायु सेना स्टेशन, डिंडीगुल, आंध्र प्रदेश में वायु सेना अकादमी और पुणे में वायु सेना स्टेशन पर फिल्माया गया है। असम की हरी-भरी घाटी में बसे वायु सेना स्टेशन तेजपुर में बड़े पैमाने पर फिल्माया गया, जो लड़ाकू जेट दृश्यों को दिखता है। फाइटर न केवल रील ड्रामा, बल्कि वायु सेना की वास्तविक जीवन की भव्यता को भी प्रदर्शित करेगी।

चाहत खन्ना ने श्रीमद रामायण का हिस्सा बनने से किया इनकार

भव्य पौराणिक शो श्रीमद रामायण का हिस्सा बनने के प्रस्ताव को अभिनेत्री चाहत खन्ना ने अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें एक अप्सरा का किरदार निभाने की पेशकश की गई थी और वह इसे निभाना नहीं चाहती थीं इसलिए उन्होंने विनम्रता से इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। चाहत ने कहा, सबसे पहले रामायण जैसे विशाल पौराणिक शो में भूमिका के लिए विचार किया जाना सम्मान की बात है। हालांकि, मुझे इसे अस्वीकार करना पड़ा, और मैं इससे खुश नहीं थी। मुझे जो किरदार ऑफर किया गया वह एक अप्सरा का था, जिसे मैं निभाना नहीं चाहती थी। अगर यह सीता की प्रमुख भूमिका होती तो मैं प्रस्ताव स्वीकार कर लेती। क्या इसका मतलब यह है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर नकारात्मक भूमिकाएं निभाने से परहेज कर रही हैं? चाहत ने कहा, मुझे ज्यादातर ग्रे भूमिकाओं के प्रस्ताव मिलते हैं। हाल ही में, मैंने सोनी सब के एक प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि मैं एक शो साइन करने की कगार पर हूं जिसमें मैं नायिका की भूमिका निभाऊंगी। जब चाहत से पूछा गया कि उन्हें किन शैलियों को तलाशने में दिलचस्पी है, तो उन्होंने कहा, मैं एक खूबसूरत परिपक्व प्रेम कहानी का हिस्सा बनना पसंद करूंगी। दरअसल, मैं फिलहाल एक परिपक्व प्रेम कहानी की पटकथा लिख रही हूं और मुझे उसमें नायिका की भूमिका निभाना अच्छा लगेगा। एक परिपक्व प्रेम कहानी के लिए कलर्स की अफवाह वाली पेशकश के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया, मैंने अभी तक इस परियोजना पर हस्ताक्षर नहीं किया है, लेकिन यह विचाराधीन है। फिलहाल, मैं एक लेखक और निर्देशक के रूप में अपनी दूसरी लघु फिल्म पर काम कर रही हूं।

पुष्पा 2 में सामंथा रुथ प्रभु की जगह श्रीलीला मचाएंगी डांस से तहलका

पुष्पा में ऊ अंटावा सॉन्ग से धमाल मचाने वालीं सामंथा रुथ प्रभु अब पुष्पा 2 में नहीं होंगी। रिपोर्ट्स हैं कि सामंथा को पुष्पा 2 में श्रीलीला ने रिप्लेस कर दिया है और 2 करोड़ फीस मांगी। पुष्पा 2 का बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और यह 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी। सामंथा रुथ प्रभु ने पुष्पा में अपने डांस नंबर ऊ अंटावा से हर किसी को दीवाना बना लिया था। एक्ट्रेस के डांस स्टेप्स के साथ-साथ गाने पर भी खूब इंस्टाग्राम रील्स बनने लगे थे। लेकिन अब पुष्पा 2 में सामंथा रुथ प्रभु का ऐसा जलवा देखने को नहीं मिलेगा। खबर है कि उन्हें एक्ट्रेस श्रीलीला ने रिप्लेस कर दिया है। अब अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा- द रूल में श्रीलीला अपने आइटम सॉन्ग से तहलका मचाती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सामंथा को ऊ अंटावा के लिए 5 करोड़ रुपये फीस दी गई थी। गाना ब्लॉकबस्टर रहा था, और सामंथा को भी खूब पसंद किया गया था। लेकिन अब उनकी जगह पुष्पा 2 में श्रीलीला की खबरें हैं।

श्रीलीला ने पुष्पा 2 के लिए मांगे 2 करोड़ रुपये!

बताया जा रहा है कि श्रीलीला को पुष्पा 2 के लिए चुन लिया गया है, और उन्होंने डांस नंबर के लिए 2 करोड़ की फीस मांगी है। वैसे बता दें कि श्रीलीला ने अल्लू अर्जुन के साथ एक विज्ञापन में काम किया है। लेकिन यह पहली बार है, जब दोनों किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे।

कौन हैं श्रीलीला?

श्रीलीला एक अमेरिकन मूल की एक्ट्रेस हैं, जो तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2019 में कन्नड़ फिल्म किस से की थी। साल 2023 में उनकी तीन फिल्में रिलीज हुई थीं, और तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर पिट गईं। साल 2022 में उन्होंने दो दिव्यांग बच्चों को गोद लिया, और खूब सुर्खियां बटोरीं।

एनिमल की आलोचनाओं के बीच तनीषा मुखर्जी ने बताया इसे महिलावादी फिल्म

संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल के जबर्दस्त बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बीच इस फिल्म को आलोचनाएं भी खूब झेलनी पड़ी हैं। दर्शकों के एक वर्ग ने फिल्म को महिला विरोधी बताया तो वहीं, हिंसात्मक दृश्यों पर भी आवाज उठाई। दर्शकों के अलावा इंडस्ट्री के कई सितारों को भी फिल्म महिला विरोधी लगी। हालांकि, इस बीच समर्थन करने वालों की भी कमी नहीं रही। इस लिस्ट में अब एक नाम और जुड़ गया है और वो हैं अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी। थिएटर्स में धमाल मचाने के बाद एनिमल अब ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। ओटीटी पर इस फिल्म की अवधि मूल फिल्म से आठ मिनट अतिरिक्त होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर काजोल की छोटी बहन और एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने बात की। उन्होंने इसे नारीवादी फिल्म कहा है। तनीषा ने कहा कि एनिमल एंटी फेमिनस्ट फिल्म नहीं है। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि ये फिल्म कई स्तरों पर समानता का समर्थन करने वाली है।

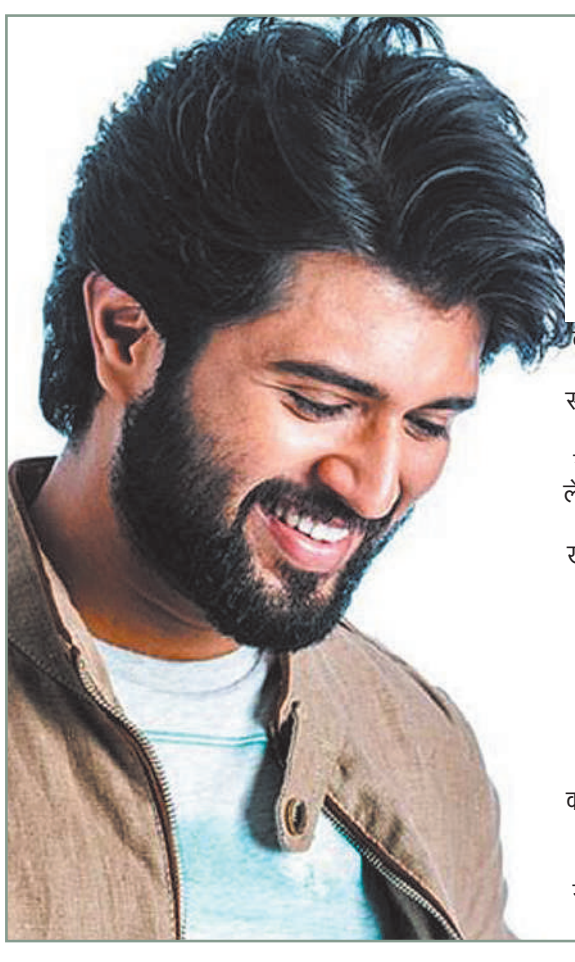

सगाई और शादी पर पहली बार बोले विजय देवरकोंडा, कहा- मैं यह अफवाह हर साल सुनता हूं

कुछ समय पहले रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के बीच सगाई की अफवाहें उड़ी थीं। ऐसी खबरें थीं कि यह लवबर्ड्स इस साल फरवरी में सगाई कर लेंगे, लेकिन इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई। इसके पहले इनकी डेटिंग की खबरों ने भी खूब तहलका मचाया कि ये दोनों रिलेशनशिप में हैं। मगर इन सबके बीच, फरवरी में सगाई की अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए, विजय देवरकोंडा ने साफ किया कि वह सगाई नहीं कर रहे हैं। दरअसल, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को साथ में मालदीव में देखा गया तो इनकी फरवरी में सगाई होने की अफवाह आग की तरह फैल गई। साथ ही कयास लगाए जाने लगे कि ये शादी भी करेंगे। जबकि उनकी डेटिंग की अफवाहें भी काफी समय से सुर्खियां बटोर रही थी। फिर कपल के एक करीबी सूत्र ने बताया कि वो अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात नहीं कर रहे हैं।

विजय देवरकोंडा का रिएक्शन

लाइफस्टाइल एशिया को दिए एक इंटरव्यू में, अर्जुन रेड्डी एक्टर विजय देवरकोंडा ने कहा, मैं फरवरी में सगाई या शादी नहीं कर रहा हूं। ऐसा लगता है जैसे प्रेस हर दो साल में मेरी शादी कराना चाहता है। मैं यह अफवाह हर साल सुनता हूं। वो बस मुझे पकड़कर मेरी शादी करने का इंतजार कर रहे हैं।

विजय और रश्मिका की फिल्में

इसके पहले एनिमल के प्रमोशन के दौरान रश्मिका मंदाना से विजय को कॉल करने के लिए कहा गया था। तो उन्होंने मिस्ड कॉल की। फिर जब कॉल बैक आया तो एक्ट्रेस ने उनको पहले से आगाह कर दिया कि फोन स्पीकर पर है। तो एक्टर ने फिर ज्यादा कुछ नहीं कहा। वहीं, रश्मिका और विजय ने डियर कॉमरेड और गीता गोविंदम में साथ काम किया है। और दोनों फिल्में सफल रहीं। उनकी केमिस्ट्री तो फैन्स ने सबसे ज्यादा पसंद किया।

2024 में शादी करेंगे अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर, चंकी पांडे ने दिया हिंट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे बीते काफी समय से अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। अनन्या का नाम अपने से 13 साल बड़े एक्टर आदित्य रॉय कपूर संग जुड़ रहा है। दोनों अक्सर साथ में डिनर डेट और वेकेशन एंजॉय करते हुए स्पॉट होते हैं। हालांकि अनन्या और आदित्य ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की है। लेकिन दोनों अक्सर हाथों में हाथ थामें स्पॉट होते हैं।

वहीं दोनों की शादी की खबरें भी वायरल होती रहती है। अब रेडिट पर एक यूजर की पोस्ट के बाद अनन्या और आदित्य की शादी की खबरों ने फिर से जोर पकड़ लिया है। यूजर ने अनन्या पांडे फैन पेज से एक वीडियो कोलाज का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसका कैप्शन था, रूमर्ड कपल की 2024 में शादी। इस पोस्ट पर कई लाइक्स और कमेंट्स आने लगे। वहीं अनन्या के पिता चंकी पांडे ने भी इस पोस्ट को लाइक किया, जिसके बाद से अनन्या और आदित्य की शादी की खबरों ने हवा पकड़ ली। बता दें कि बीते दिनों आदित्य को अनन्या की मां भावना ने इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया था, जिसके बाद दोनों के ब्रेकअप की भी अफवाह उड़ी थी। लेकिन अब भावना पांडे फिर से आदित्य को फॉलो करने लगी हैं।

शेयर बाजार इस हफ्ते करेगा मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की गतिविधियां से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। यह सप्ताह कम कारोबार सत्रों का रहेगा। 22 जनवरी को बाजार में अवकाश रहेगा। महाराष्ट्र सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कारण छुट्टी की घोषणा की है। इसके अलावा शुक्रवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 6.75 प्रतिशत बढ़कर 4,265 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही 6.75 प्रतिशत बढ़कर 4,264.78 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने शनिवार को यह सूचना दी।

संक्षिप्त समाचार

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा प्रश्नोत्तरी का आयोजन

भोपाल । अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में आयोजित हम भारत के लोग नामक हमारे संविधान से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी के पहले संस्करण में इंस्टिट्युट ऑफ़ एक्सेलंस इन हायर एज्युकेशन के विद्यार्थी विजेता हुए। इस प्रश्नोत्तरी का मुख्य केंद्र भारतीय संविधान, शासन, राजनीति, क़ानून और इससे जुड़े समसामयिक मामलों पर आधारित मुद्दों से जुड़े विषय थे। प्रश्नोत्तरी में कुल 62 टीमों ने भाग लिया। इस प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में द नैशनल लॉ इंस्टिट्युट यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने दूसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई। प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले हर एक संस्थान से कई टीमों ने भागीदारी की। प्रख्यात शिक्षाविद् और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव शरद बेहार ने विजेताओं और प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लेने वालों को सम्मानित किया। मध्यप्रदेश के ग्यारहवी तथा बारहवीं कक्षा और स्नातक में अभी पढ़ रहे विद्यार्थी ही प्रतियोगिता में भाग ले सकते थे। इस प्रतियोगिता का मक़सद भारतीय संविधान की समृद्ध विरासत और मूल्यों से सभी का परिचय करवाना और आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना है।

सुप्रीम की कुल आय टिकाऊ वित्तीय मजबूती दर्शाते हुए 52.59 करोड़ हुई

मुंबई एजेंसी। सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड पावर एवं वितरण ट्रांसफार्मर निर्माण उद्योग की एक विशिष्ट खिलाड़ी, ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के अपने अनआडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री वी राजमोहन ने कहा, हम वित्त वर्ष 2024 की प्रथम छमाही के मजबूत वित्तीय परिणाम घोषित कर हर्षित है. कुल आय का 53 करोड़ पर पहुंचना उत्कृष्टता और बाजार में चुनौतियों का सामना करने की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता की कसौटी है. पावर एवं वितरण ट्रांसफार्मर निर्माण उद्योग डायनेमिक है और हमने बाजार की बदलती मांग को स्वीकार किया है. विंडमिल क्षेत्र ट्रांसफार्मर के निर्माण में हमारी एक्सपर्टीज को दर्शाते हुए हमारे लिए एक व्यूहात्मक कदम है, जो हमें स्विचिंग और वोल्टेज उतार-चढ़ाव से पैदा हुई विशिष्ट चुनौतियों का सामना करने में समर्थ बनता है. एनएसई इमर्ज पर लिस्टिंग से हमारी उद्योग की उपस्थिति और मजबूत हुई है ।

खुलने से पहले ही गदर काट रहा फोनबॉक्स रिटेल लिमिटेड का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। इस सप्ताह एक और आईपीओ निवेश के लिए ओपन होने जा रहा है। यह मल्टी-ब्रांड स्मार्टफोन रिटेलर फोनबॉक्स रिटेल लिमिटेड का आईपीओ है। यह एसएमई आईपीओ 24 जनवरी, 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। निवेशक इस इश्यू में 29 जनवरी 2024 तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने इश्यू के लिए प्राइस बैंड 66 - 70 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। किसी एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 2,000 शेयर है, जिसका मतलब है कि निवेशक न्यूनतम 2,000 शेयरों और उसके गुणकों में बोली लगा सकते हैं। फोनबॉक्स रिटेल आईपीओ ने योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए इश्यू में 50 प्रतिशत शेयर रिजर्व हैं। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत और रिटेल निवेशकों के लिए 35 प्रतिशत रिजर्व है।

राम मंदिर से यूपी को होगी 25,000 करोड़ रुपये की कमाई

▶▶ 2024 में यूपी में टूरिस्ट स्पेंडिंग करीब दोगुना होने का अनुमान ▶▶ साल 2022 में अयोध्या में रेकॉर्ड 2.21 करोड़ पर्यटक आए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार 22 जनवरी को होने जा रही है। अयोध्या में राम मंदिर के पूरे होने और उत्तर प्रदेश सरकार के टूरिज्म को बढ़ाने के लिए उठाए गए दूसरे कदमों से फाइनेंशियल ईयर 2025 में राज्य को 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होने का अनुमान है। एसबीआई के रिसर्चर्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2024 में उसका टैक्स रेवेन्यू 2.5 लाख करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद है। एसबीआई के रिसर्चर्स के मुताबिक साल 2022 की तुलना में वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में टूरिस्ट स्पेंडिंग यानी पर्यटकों द्वारा किया गया खर्च करीब दोगुना होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अयोध्या में राम मंदिर का काम पूरा होने और उत्तर प्रदेश सरकार के टूरिज्म को बढ़ाने के लिए उठाए गए दूसरे कदमों से इस साल के अंत तक राज्य में टूरिस्ट स्पेंडिंग चार लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच सकता है। साल 2022 में उत्तर प्रदेश में घरेलू पर्यटकों ने 2.2 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे जबकि विदेशी पर्यटकों ने 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे। साल 2022 में 32 करोड़ घरेलू पर्यटक उत्तर प्रदेश आए जो उससे पिछले साल की तुलना में करीब 200 प्रतिशत अधिक हैं। अयोध्या में 2022 में रेकॉर्ड 2.21 करोड़ पर्यटक आए। राम मंदिर का उद्घाटन होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है।

यूपी की तारीफ

एसबीआई रिपोर्ट में आर्थिक और सामाजिक-आर्थिक मानकों पर उत्तर प्रदेश के प्रयासों की सराहना की गई है। इनमें महिला श्रम बल की हिस्सेदारी और इनोवेशन तथा एक्सपोर्ट में तेजी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइनेंशियल ईयर 2028 में भारत की इकॉनमी पांच ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच जाएगी और उत्तर प्रदेश की जीडीपी 500 अरब डॉलर को पार कर जाएगी। फाइनेंशियल ईयर 2024 में उत्तर प्रदेश का स्टेट जीडीपी 24.4 लाख करोड़ रुपये यानी 298 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2028 तक देश की जीडीपी में वेटेज के मामले में यूपी दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगा और इसकी जीडीपी नॉर्वे के ऊपर पहुंच जाएगी।

चुनावी साल में राजकोषीय घाटा कम करने पर रह सकता है सरकार का जोर, पूंजीगत व्यय पर जारी रहेगा फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थशास्त्रियों पर रॉयटर्स की ओर से किए गए एक पोल के अनुसार पूंजीगत व्यय को सर्वकालिक उच्च स्तर पर उठाने के बावजूद भारत सरकार 2024-25 वित्तीय वर्ष में कम घाटे का लक्ष्य रखेगी। अर्थशास्त्रियों का यह भी मानना है कि बुनियादी ढांचे में निवेश सरकार की प्राथमिकता बनी रहेगी। चुनावी वर्ष में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीसरे कार्यकाल के कयास लगाए जा रहे हैं अंतरिम बजट से लोकलुभावन उपायों और राजकोषीय विवेक के बीच संतुलन बनाने की उम्मीद की जा रही है।

सरकार 2025-26 वित्तीय वर्ष के अंत तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.50 प्रतिशत तक सीमित करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जो चालू वर्ष में मार्च 2024 के अंत तक 5.90 प्रतिशत है। 41 अर्थशास्त्रियों पर 10 से 19 जनवरी के बीच हुए पोल से पता चला है कि 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट में 2024-25 में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में राजकोषीय घाटे को 5.30 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा गया है। सर्वे के अनुसार 2025-26 में 4.5 फीसदी के घाटे के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुल व्यय में औसतन प्रति वित्त वर्ष सात फीसदी से अधिक की वृद्धि की जरूरत नहीं होगी

ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के प्रमुख अर्थशास्त्री एलेक्जेंड्रा हरमन ने कहा, आने वाले वर्षों में व्यय में और भी आक्रामक कटौती की संभावना है। पूंजीगत खर्च पहले ही इस वित्तीय वर्ष में 33 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 10 ट्रिलियन रुपये (.120 बिलियन) हो गया है और निजी निवेश में वृद्धि की उम्मीद के साथ अगले वित्तीय वर्ष में इसके 15 प्रतिशत बढ़कर 11.50 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

हरमन ने कहा, निजी निवेश चक्र को पुनर्जीवित करने के लिए भारत के बुनियादी ढांचे में निरंतर और तेजी से सुधार सर्वोपरि होगा। भारत की विशाल क्षमता का लाभ उठाने और मध्यम से लंबी अवधि में सतत और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए, मानव संसाधन में सुधार करने की आवश्यकता होगी, यही कारण है कि शिक्षा पर खर्च सरकार की मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए।

अर्थशास्त्रियों का मत- बुनियादा ढांचा निवेश पर बना रहेगा सरकार का जोर

लगभग सभी अर्थशास्त्रियों (34) ने कहा कि बुनियादी ढांचा निवेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, इसके बाद ग्रामीण विकास पर 17 और रोजगार सृजन को 16 अर्थशास्त्रियों ने सर्वोच्च प्राथिमकता का क्षेत्र बताया। घाटे पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कल्याणकारी योजनाओं में और अधिक इजाफे की उम्मीद कम है इसके 15.60 ट्रिलियन रुपये की सकल उधारी चालू वित्तीय वर्ष की तरह अपरिवर्तित रहने का अनुमान है।

टाटा स्टील करने वाली है दो ब्लास्ट फर्नेस बंद, 2800 लोगों की जाएगी नौकरी

लंदन, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील का स्टील प्लांट यूनाइटेड किंगडम या ग्रेट ब्रिटेन में भी है। स्टील बनाने वाली इस कंपनी ने ब्रिटेन के साउथ वेल्स में पोर्ट टैलबोट प्लांट में अपने दो ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने का फैसला किया है। टाटा स्टील ने कहा कि वह ये कदम अपने ऑपरेशन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के प्रयास के तहत उठा रही है। हालांकि, इस प्रयास में वहां काम कर रहे 2,800 लोगों की नौकरियां जाएंगी।

क्यों लिया गया यह फैसला

कंपनी ने कहा, इस योजना का उद्देश्य एक दशक से अधिक के नुकसान को दूर करना और पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस से अधिक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल इस्पात व्यवसाय में परिवर्तन करना है। कंपनी पारंपरिक ब्लास्ट फर्नेस की जगह आधुनिक तकनीक वाले इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस लगाएगी। बयान में बताया गया है कि इस परिवर्तन से ब्रिटेन में कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष 50 लाख टन की कमी आएगी। साथ ही कंपनी के उत्पाद पर्यावरण के नजरिये से सुरक्षित होंगे। टाटा स्टील की योजना उत्सर्जन और लागत को कम करने की है। इस योजना के तहत संयंत्र में दो ब्लास्ट फर्नेस को इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस से बदल देगी। हालांकि, पोर्ट टैलबोट प्लांट में दोनों ब्लास्ट फर्नेस के बंद होने के साथ कोकिंग ओवन और स्टील शॉप जैसी यूनिट्स भी बंद हो जाएंगी। स्टील प्लांट को समझने वाले जानते हैं कि कोक ओवन बैटरी प्लांट से कितना कार्बन उत्सर्जन होता है। साथ ही इस प्लांट में मजदूरों की भी ज्यादा आवश्यकता पड़ती है। इसके उलट इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में कोक की जरूरत ही नहीं पड़ती है।

वहां काम करने वालों का क्या होगा

टाटा स्टील ने कहा है कि इस फैसले से वहां काम करने वाले 2,800 कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है। इनमें से लगभग 2,500 पद अगले 18 महीनों में प्रभावित होंगे। कंपनी ने बयान में कहा है कि वह प्रस्तावित पुनर्गठन योजना और प्रभावित कर्मचारियों के लिए सहायता व्यवस्था पर वैधानिक परामर्श शुरू करेगी।

महिंद्रा ने पेश किया सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल: शानदार फीचर के साथ

बढाएगा ग्राहकों की समृद्धि, कीमत 6.61 लाख से शुरू

ब्रांड के वादे के अनुरूप सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल जबरदस्त ताकतवाला, अपनी श्रेणी में सबसे बेस्ट और शानदार माइलेज वाला है, साथ ही इसका डेक भी खूब लम्बा-चौड़ा है ताकि ग्राहकों को मिले ज्यादा मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) के बाजार में अग्रणी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने गर्व से नई सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज के लॉन्च की घोषणा की है, जो डीजल और सीएनजीडुओ दोनों वेरिएंट में उपलब्ध है। सुप्रो प्लेटफॉर्म की सफलता के आधार पर प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज अपनी जोरदार ताकत, जबरदस्त स्टाइल, बेजोड़ सुरक्षा और आराम के साथ लास्ट-मील कनेक्टिविटी के लिए डिजाइन किया गया है।

सुप्रो, शुरुआत में 2015 में लॉन्च किया गया था, जो ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले एक हरफनमौला प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है। प्रतिस्पर्धी कीमत पर सुप्रोप्रॉफिट ट्रक एक्सेल का मूल्य इस प्रकार है - डीजल संस्करण की कीमत 6.61 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) और ष्टहृत्त ष्ठह्र वेरिएंट की कीमत 6.93 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) है।

ब्रांड की छह गुना वृद्धि में योगदान देने वाले सुप्रो सीएनजीडुओ की सफलता के बाद नया सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल कई इंजन और ईंधन विकल्पों, मॉर्डन स्टाइल, बेहतरीन सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सुविधाओं के साथ हरफनमौला प्लेटफार्मों की पेशकश करने के लिए महिंद्रा की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड में ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा, हमारे राइज दर्शन का एक पहलु राइज फॉर वैल्यू हमारी नवीनतम पेशकश महिंद्रा सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल में समाया हुआ है। यह लॉन्चिंग हमारी सब-2-टन सेगमेंट में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो व्यवसायों को सशक्त बनाने और भारत में लास्ट-मील कनेक्टिविटी को बदलने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल, अपने असाधारण 500 किमी रेंज वाले सीएनजीडुओ वेरिएंट के साथ, ताकत, इकोनॉमी, सेफ्टी और आराम का मिश्रण है, जो लॉजिस्टिक्स और परिवहन में बड़े पैमाने पर मूल्य-संचालित समाधान देने के हमारे मिशन को मजबूत करता है। एमएंडएम के ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट आर. वेलुसामी ने कहा, हमारे प्रसिद्ध सुप्रो प्लेटफॉर्म से निकला सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल, तकनीकी उत्कृष्टता के लिए महिंद्रा की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। इसमें बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्नत 5-स्पीड ट्रांसमिशन है, जो बहुत मजबूत है। स्टेबिलिटी के लिए बढ़ी हुई मोटाई और 19 प्रतिशत अधिक कठोरता के साथ चेसिस और एक एंटी-रोल बार है, जो सुरक्षा में नए मानक स्थापित करता है। इन्हें न केवल बेहतर प्रदर्शन और दक्षता प्रदान करने के लिए बल्कि पेलोड क्षमता में एक नया बेंचमार्क स्थापित करने के लिए सावधानीपूर्वक जोड़ा गया है।

सैमसंग ने सैमसंग डाट काम, सैमसंग शॉप एप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर मेगा ऑफर्स के साथ अपनी ग्रैंड रिपब्लिक डे सेल की घोषणा की

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट, वियरेबल्स, सैमसंग टीवी और सैमसंग के दूसरे डिजिटल उपकरणों पर बंपर ऑफर्स और कैशबैक के साथ ग्रैंड रिपब्लिक सेल शुरू की है। ये ऑफर्स सैमसंग डाट काम, सैमसंग शॉप एप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और अन्य प्रमुख बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 22.5 प्रतिशत तक कैशबैक (25000 रुपये तक) मिलेगा। बोनान्जा सेल के दौरान, गैलेक्सी ए सीरीज, एम सीरीज, एफ सीरीज, एस सीरीज और गैलेक्सी जेड सीरीज के फ्लैगशिप मॉडल के चुनिंदा मॉडल खरीदने वाले उपभोक्ताओं को 57 प्रतिशत तक की छूट मिल सकती है। उपभोक्ताओं को लेटेस्ट गैलेक्सी एस24 सीरीज स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग पर शानदार ऑफर्स भी मिलेंगे। ग्रैंड रिपब्लिक डे सेल के तहत, उपभोक्ता केवल 54999 रुपये में गैलेक्सी एस23 का लाभ उठा सकते हैं। गैलेक्सी बुक गो, गैलेक्सी बुक3 और गैलेक्सी बुक 3 प्रो जैसे गैलेक्सी लैपटॉप खरीदने वालों को 46 प्रतिशत तक की छूट मिल सकती है और उपभोक्ता गैलेक्सी के चुनिंदा मॉडल खरीद सकते हैं। वहीं, टैबलेट, वियरेबल्स और एक्सेसरीज

पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिल सकती है। सैमसंग टेलीविजन के प्रीमियम और लाइफस्टाइल मॉडल खरीदने वाले उपभोक्ता 15250 रुपये तक के अतिरिक्त एक्सचेंज लाभ के साथ 48 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। नियो क्यूएलईडी और क्यूएलईडी के चुनिंदा मॉडल खरीदने वाले उपभोक्ताओं को 124990 रुपये की कीमत वाला गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा या 69990 रुपये की कीमत वाला 50 का सेरिफ टीवी या 38990 रुपये की कीमत वाला साउंडबार मिल सकता है। सेल के दौरान, रेफ्रिजरेटर जैसे सैमसंग डिजिटल उपकरण खरीदने वाले उपभोक्ताओं को रेफ्रिजरेटर के चुनिंदा मॉडलों पर 52 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। उपभोक्ता चुनिंदा मॉडलों पर 15125 रुपये तक का एक्सचेंज लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं 28 लीटर स्लिमफ्राई माइक्रोवेव और 32 लीटर वाई-फाई सक्षम बेस्पोक माइक्रोवेव जैसे माइक्रोवेव की खरीद पर, उपभोक्ता 45 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

मारुति सुजुकी की आईईएस यूनिवर्सिटी भोपाल के साथ हुई पार्टनरशिप, पेश करेगी ऑटोमोबाइल रिटेल में बीबीए प्रोग्राम

भोपाली। ऑटोमोबाइल रिटेल के क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण से जुड़े प्रयासों को और सशक्त करते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने आईईएस यूनिवर्सिटी, भोपाल के साथ एक रूश पर हस्ताक्षर किए। इस पार्टनरशिप के तहत रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में उद्योग आधारित तीन-वर्षीय बीबीए प्रोग्राम पेश किया जाएगा। इस प्रोग्राम में एक साल की क्लासरूम ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इसके बाद छात्रों को मारुति सुजुकी डीलरशिप पर दो साल की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे प्रोग्राम के छात्रों को विषय की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। मारुति सुजुकी और आईईएस यूनिवर्सिटी ने मिलकर भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप यह प्रोग्राम विकसित किया है। दो साल की ओजेटी के दौरान, भोपाल की मारुति सुजुकी डीलरशिप पर छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों में अपने स्किल को निखारने का मौका मिलेगा। कंपनी के सीखते समय कमाएँ मॉडल के तहत छात्रों को स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत पात्र उम्मीदवारों को प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करने का भी प्रयास किया जाएगा। श्री राहुल भारती, एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर, कॉरपोरेट अफेयर्स, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा,भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन के तहत, मारुति सुजुकी ने विस्तृत कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत हमने 3 जेआइएम स्थापित किए हैं, 22 आइटीआइ को अडॉप्ट किया है, साथ ही पूरे भारत के 13 विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की है।

बंसल वायर इंडस्ट्रीज लि. ने 745 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई , एजेंसी। बंसल वायर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) के लिए 18 जनवरी, 2024 को बाजार नियामक सेबी के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील वायर निर्माण कंपनी और वॉल्यूम के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी स्टील वायर निर्माण कंपनी है, जिसका उत्पादन वित्त वर्ष 2023 में 72,176 एमटीपीए और 206,466 एमटीपीए है, जो क्रमशः 20 प्रतिशत और लगभग 4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करता है (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट)।

इस ऑफर में 5/- के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिनका कुल मूल्य 7,450 मिलियन [745 करोड़] है। कंपनी आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी और उसकी सहायक कंपनी द्वारा लिए गए सभी या कुछ बकाया उधारों के पुनर्भुगतान या पूर्व भुगतान के लिए करने का प्रस्ताव करती है। साथ ही, इस आय से कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा किया जाएगा। बंसल वायर इंडस्ट्रीज को वर्ष 1985 में निगमित किया गया था और निगमन के बाद से, कंपनी ने लगातार गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान किए हैं, जिससे स्टील वायर उद्योग में कंपनी की एक विशिष्ट पहचान बनी है। 38 वर्षों की विरासत के साथ, कंपनी को अपने विविध पोर्टफोलियो पर गर्व है, जो ऑटोमोटिव, जनरल इंजीनियरिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, हार्डवेयर, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, बिजली और ट्रांसमिशन, कृषि और ऑटो रिप्लेसमेंट जैसे क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। कंपनी की मौजूदा चार विनिर्माण सुविधाओं में माइल्ड स्टील, हाई उच्च कार्बन और स्टेनलेस स्टील तारों की 259,000 एमटीपीए की स्थापित क्षमता है। ये हैं- 1. बी-35, राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर, गाजियाबाद, 2. बी-3 लोनी औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद; 3. बी-5 और बी-6, लोनी औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद और 4. 43किलोमीटर माइलस्टोन, दिल्ली-रोहतक रोड, असौधा, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा। कंपनी दादरी, भारत में और एशिया में सबसे बड़ी भारत की सबसे बड़ी सिंगल लोकेशन स्टील वायर विनिर्माण सुविधा भी स्थापित कर रही है। कंपनी अपने प्रॉडक्ट्स की मार्केटिंग और बिक्री ब्रांड नाम 'बंसल' के तहत करती है, जिसकी निगमन के बाद से एक विश्वसनीय ब्रांड के रूप में बाजार में मजबूत प्रतिष्ठा है। यह तीन व्यापक खंडों में काम करता है, यानी, हाई कार्बन स्टील तार, माइल्ड स्टील तार (लो कार्बन स्टील तार) और स्टेनलेस स्टील तार और हम दादरी में अपने आगामी संयंत्र के माध्यम से विशेष तारों के नए सेगमेंट भी जोड़ेंगे, जिससे कंपनी को आगामी वित्त वर्ष में बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और विस्तार करने की दिशा में मदद मिलेगी।

बंसल वायर की महत्वपूर्ण वैश्विक उपस्थिति है और कंपनी 50 से अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात कर रही है (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट)। 14 वैश्विक प्रतिनिधियों के साथ कंपनी बांग्लादेश, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इज़राइल, इटली, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और वियतनाम जैसे देशों में अपने उत्पाद सप्लाई कर रही है।

हैरी ब्रूक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे

निजी कारणों से वापस इंग्लैंड लौटेंगे, 25 से खेला जाएगा पहला टेस्ट

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे। ब्रूक निजी कारणों की वजह से इंग्लैंड वापस लौट रहे हैं और वह टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारत दोबारा नहीं आएंगे। इंग्लैंड क्रिकेट (ईसीबी) ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी। ईसीबी ने हैरी ब्रूक के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। डैन लॉरेंस को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा। ईसीबी ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया, हैरी ब्रूक इंग्लैंड लौट रहे हैं। वह व्यक्तिगत कारणों से टीम इंडिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।

एशिया की पिचों पर ब्रूक का औसत 40 से ज्यादा का

एशिया की पिचों पर जो रूट और हैरी ब्रूक ही इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर में 40 से ज्यादा की औसत से रन बना सके हैं। रूट ने 49.23 और ब्रूक ने 93.60 की औसत से रन बनाए। ब्रूक ने सारे टेस्ट पाकिस्तान में ही खेले, जहां बैटर्स को मददगार पिचें ही थीं।

आज तेंदुलकर एक लाख 30 हजार रन बना लेते

शोएब अख्तर बोले- कोहली तब भी इतने ही रन बनाते, लेकिन उन्हें मुश्किल होती

दुबई (एजेंसी)। दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि सचिन तेंदुलकर आज के एरा में एक लाख 30 हजार रन बना चुके होते, क्योंकि उन्होंने उस दौर में 100 शतक बनाए हैं, जब दुनिया में ग्रेट बॉलर्स की भरमार थी। 48 साल के अख्तर ने आईएलटी 20 के दौरान विराट की बल्लेबाजी पर कहा कि विराट

मॉर्डन एरा के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। वे तब भी इतने ही रन बनाते, जितने आज बना रहे हैं। हमें भी उतनी ही पिटाई पड़ती, जितनी कि आज के गेंदबाजों को पड़ती है, लेकिन कोहली को उस दौर में थोड़ी कठिनाई होती। मैं चाहता हूं कि वे शतकों का शतक पूरा करें।

तब एक बॉल का उपयोग होता था और बॉल रिवर्स स्विंग होती थी-शोएब

जब शोएब से उनके दौर में विराट कोहली की बैटिंग पर सवाल किया गया तो 48 साल के गेंदबाज ने कहा कि विराट तब भी इतने ही रन बनाते, लेकिन उन्हें थोड़ी कठिनाई होती, क्योंकि तब एक ही बॉल का उपयोग किया जाता था, इससे बॉल रिवर्स स्विंग करती और फील्डिंग रिस्ट्रिक्शन भी होते थे। तब के गेंदबाजों की बात करें तो शेन वॉर्न और वसीम अकरम जैसे घातक गेंदबाज थे। वसीम को खेलना कौन सी आसान बात थी। बैटिंग में भी तब कई दिग्गज थे, इनमें सचिन तेंदुलकर, रिकी पॉन्टिंग, ब्रायन लारा और इंजमाम भाई जैसे ग्रेट शामिल हैं। इस इरा की उस दौर से तुलना नहीं की जा सकती।

2011 में बदले गेंदबाजी के नियम

वनडे क्रिकेट में पहले एक इनिंग में एक ही बॉल का इस्तेमाल किया जाता था। अक्टूबर 2011 में नियम में बदलाव किया गया और एक इनिंग्स में 2 गेंदों का इस्तेमाल होने लगा। सचिन तेंदुलकर ने जून 2018 में कहा था कि 2 नई गेंद से रिवर्स स्विंग नहीं मिलता जो कि पहले डेथ ओवरों में तेज गेंदबाजों का सबसे बड़ा हथियार था।

सात्विक-चिराग इंडिया ओपन बैडमिंटन के फाइनल में

मलेशियाई जोड़ी को 21-18, 21-14 से हराया, प्रणय वर्ल्ड नंबर-1 से हारकर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाड और कॉमनवेल्थ चैंपियन सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने इंडिया ओपन बैडमिंटन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं, सेमीफाइनल से एचएस प्रणय की हार से सिंगल्स में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। बुधवार को भारतीय जोड़ी ने बेहद रोमांचक मेंस डबल्स सेमीफानल में आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में 21-18, 21-14 से हराया। सात्विक-चिराग का मुकाबला 45 मिनट तक चला।

भारत और मलेशिया की जोड़ी के बीच कांटे की टक्कर – भारत और मलेशिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही हर पॉइंट के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। सात्विक-चिराग और चिया-सोह वूई दोनों जोड़ियों ने काफी तेज खेल दिखाया। दोनों पेयर के बीच टक्कर कितनी कड़ी थी। इसका अंदाजा इस बात से लगता है कि पहले गेम में 17-

17 के स्कोर तक सिर्फ एक दफा को छोड़कर कोई जोड़ी एक अंक से अधिक अंक की बढ़त नहीं बना पाई थी। एकमात्र मौके पर भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी। चिराग-सात्विक के स्मैश दमदार थे, लेकिन चिया और सोह वूई भी कहीं से कमतर नजर नहीं आ रहे थे। सोह वूई के शटल बाहर मारने पर 19-17 के स्कोर पर भारतीय जोड़ी ने दूसरी बार मैच में दो अंक की बढ़त बनाई। मलेशिया की जोड़ी ने अगला शॉट फिर बाहर मारकर सात्विक और चिराग को 3 गेम पॉइंट दिए। सोह वूई के नेट पर शॉट उलझाने से भारतीय जोड़ी ने 20 मिनट में पहला गेम 21-18 से जीत लिया। मलेशिया की जोड़ी ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त बनाई, लेकिन सात्विक-चिराग ने नेट पर बेहतर खेल दिखाते हुए स्कोर 4-4 कर दिया। भारतीय जोड़ी को चिया ने अधिक परेशान किया, लेकिन सोह वूई ने भी मौके मिलने पर कुछ अच्छे अंक जुटाए। मलेशिया की जोड़ी ब्रेक तक 11-8 से आगे रही। मलेशिया की जोड़ी ने गलत सर्विस से भी अंक गंवाए। भारतीय जोड़ी ने इस बीच लगातार पांच अंक से 15-13 की बढ़त बनाई। इसके बाद चिया और सोह वूई की लय गड़बड़ा गई। मलेशिया की जोड़ी ने दो शॉट बाहर मारे, जबकि चिराग ने बेहतरीन स्मैश के साथ 19-14 की बढ़त बनाई। भारतीय जोड़ी को छह मैच प्वाइंट मिले और चिया ने बाहर शॉट मारकर सात्विक-चिराग की फाइनल में जगह पक्की की।

फाइनल में साउथ कोरियाई जोड़ी से सामना – साल 2022 के चैंपियन सात्विक और चिराग की जोड़ी वर्ल्ड नंबर-2 दूसरी बार इंडिया ओपन के फाइनल में पहुंची है। फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना रविवार को कैंग मिन हुएक और सियो सेयुंग जेइ की साउथ कोरिया की वर्ल्ड चैंपियन जोड़ी से होगा। कैंग और सियो की तीसरी रैंक की जोड़ी ने सेमीफाइनल में होकी ताकुरो और युगो कोबायाशी की जापान की सातवीं वरीय जोड़ी को सीधे गेम में 21-19, 21-14 से हराया।

चाइनीज खिलाड़ी ने प्रणय को आसानी से हराया

पुरुष एकल सेमीफाइनल में प्रणय को दुनिया के नंबर–1 चीन के शी युकी ने 42 मिनट में 21–15, 21–5 से हराया। दूसरे गेम में युकी के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अंतिम 17 में से 15 अंक अपने नाम किए। प्रणय की युकी के खिलाफ 8 मैचों में यह छठी हार है। फाइनल में युकी की भिड़ंत चीनी ताइपे के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू से होगी, जिन्होंने टॉप–4 के मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और दूसरे वरीय जापान के कोडोई नाराओका को एक घंटा और 24 मिनट में 21–13, 15–21, 21–19 से हराकर उलटफेर किया।

पाकिस्तान ने 42 रन से जीता पांचवां टी-20

न्यूजीलैंड 92 पर ऑलआउट, इफ्तिखार को 3 विकेट, सीरीज 4–1 से कीवी टीम के नाम

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप होने से खुद को बचा लिया। टीम ने पांचवें मुकाबले को 42 रन से जीता। जीत में टीम के स्पिनर्स का अहम योगदान रहा जिन्होंने 6 विकेट झटके। क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल मैदान पर पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 134 रन बनाए। जिसके बाद न्यूजीलैंड 17.2 ओवर में 92 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गया। 3 विकेट लेने वाले इफ्तिखार अहमद प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

हसीबुल्लाह खान ने किया डेब्यू – क्राइस्टचर्च में पाकिस्तान ने टॉस जीता और इस बार टीम ने पहले बैटिंग चुनी। टीम से ओपनर हसीबुल्लाह खान ने डेब्यू किया लेकिन वह अपना खाता भी नहीं खोल सके। मोहम्मद रिजवान ने फिर बाबर आजम के साथ 53 रन की पार्टनरशिप की। बाबर 24 बॉल में 13 रन की धीमी पारी खेलकर आउट हुए और पाक ने दूसरा विकेट 10वें ओवर में गंवा दिया। बाबर आजम 24 बॉल में 13 रन बनाकर ईश सोढी का शिकार हुए। उन्होंने मोहम्मद रिजवान के साथ 53 रन की पार्टनरशिप की।

रिजवान ने 38, फखर ने 33 रन बनाए

क्राइस्टचर्च की धीमी पिच पर बैटर्स को रन बनाने में परेशानी हो रही थी। लेकिन फखर जमान ने 16 बॉल पर 4 सिक्स लगाकर तेजी से 33 रन बना दिए। उन्हें टिम साउदी ने पवेलियन भेजा, उनके बाद रिजवान भी 38 बॉल में 38 रन बनाकर आउट हो गए। फखर के बाद पाकिस्तान ने लगातार विकेट गंवाए। मोहम्मद नवाज 1, इफ्तिखार अहमद 5 और शाहीन अफरीदी भी एक ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

फरहान-अब्बास ने 130 के पार पहुंचाया

पाकिस्तान का स्कोर 114 रन पर 7 विकेट हो गया। यहां से साहिबजादा फरहान ने 19 और अब्बास अफरीदी ने 6 बॉल पर 14 रन बनाकर टीम को 130 रन के पार पहुंचा दिया। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए। उसामा मीर एक रन बनाकर नॉटआउट रहे। न्यूजीलैंड से टिम साउदी, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन और ईश सोढी को 2-2 विकेट मिले।

न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब, रचिन एक रन बनाकर आउट

135 रन के टारगेट पीछा करने उतरी कीवी टीम की शुरुआत खराब रही। रचिन रवींद्र एक ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद फिन एलन 22, टिम सायफर्ट 19, विल यंग 12 और मार्क चापमन 1 रन बनाकर आउट हो गए।

फिलिप्स ने संभाला लेकिन स्पिनर्स ने बिखेरा

54 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने कीवी टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन वह 26 रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार हो गए। उनके बाद कीवी टीम संभल ही नहीं सकी। कप्तान मिचेल सैंटनर 4, मैट हेनरी 1, ईश सोढी 1 और टिम साउदी 4 ही रन बना सके। फर्ग्यूसन खाता भी नहीं खोल सके। न्यूजीलैंड टीम 17.2 ओवर में 92 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान से इफ्तिखार अहमद ने 24 रन देकर 3 विकेट लिए। मोहम्मद नवाज और शाहीन को 2–2 सफलताएं मिलीं। जबकि जमान खान और उसामा मीर ने 1–1 विकेट लिया।

फिन एलन प्लेयर ऑफ द सीरीज

5वें टी–20 में जीत के साथ पाकिस्तान सीरीज तो नहीं जीत सका लेकिन टीम ने खुद को क्लीन स्वीप होने से बचा लिया। सीरीज 4–1 से न्यूजीलैंड के नाम रही। सीरीज के शुरुआती चारों मुकाबले कीवी टीम ने एकतरफा अंदाज में जीते थे। सीरीज के 5 मैचों में 275 रन बनाने वाले कीवी ओपनर फिन एलन प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने तीसरे टी–20 में सेंचुरी भी लगाई थी। न्यूजीलैंड के ही टिम साउदी ने सीरीज में सबसे ज्यादा 10 विकेट लिए।

अब साउथ अफ्रीका से खेलेगी न्यूजीलैंड टीम

न्यूजीलैंड टीम अब अपने घरेलू मैदान पर ही साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला 4 फरवरी से माउंट मैंगानुई और दूसरा मुकाबला 13 फरवरी से हेमिल्टन में खेला जाएगा। दूसरी ओर, पाकिस्तान टीम अब मई तक कोई मुकाबला नहीं खेलेगी। तब टीम को इंग्लैंड में होम टीम के खिलाफ 4 टी–20 की सीरीज खेलनी है। इसके बाद टी–20 वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। हालांकि, फरवरी–मार्च में पाकिस्तानी प्लेयर्स पाकिस्तान सुपर लीग भी खेलते रहेंगे।

क्या भारत में काम करेगा बैजबॉल

स्पिन पिचों पर अश्विन-जडेजा सबसे बड़ी चुनौती, 19 महीने में 72 प्रतिशत टेस्ट जीत चुका है इंग्लैंड

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम भारत में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए आज हैदराबाद पहुंचेगी। जहां टीम को 3 दिन बाद 25 जनवरी से पहला मुकाबला खेलना है। इंग्लिश टीम पिछले 19 महीनों में अपने अटैकिंग बैटिंग अप्रोच से 72त्न टेस्ट जीत चुकी है, जिसे 'बैजबॉल' के नाम से पहचाना जाने लगा है। इंग्लैंड टीम में बैजबॉल एरा की शुरुआत बेन स्टोक्स के कप्तान और ब्रेंडन मैक्कुलम के कोच बनने के बाद हुई। इन दोनों की लीडरशिप में टीम पिछले 5 टेस्ट सीरीज में अजेय रही। लेकिन इंग्लैंड के बैजबॉल मॉडल का सबसे बड़ा चैलेंज तो अब शुरू होगा। जब टीम भारत की स्पिन पिचों पर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे वर्ल्ड क्लास स्पिनर्स का सामना करेगी।

क्या होता है बैजबॉल?

क्रिकेट बुक में कोई ऑफिशियल बैजबॉल थ्योरी नहीं है, लेकिन इसे इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए अटैकिंग अप्रोच को दर्शाने के लिए नाम दे दिया गया। बैजबॉल 2 शब्दों से मिलकर बना है, इसमें बैज और बॉल शामिल हैं। 'बैज' इंग्लैंड की टेस्ट टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम का निकनेम है और 'बॉल' क्रिकेट का एक एलिमेंट, जिसके बिना खेल पॉसिबल ही नहीं है। इन दोनों शब्दों को मिलाकर '%बैजबॉल' बनाया गया।

मैक्कुलम न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं और वे अपने करियर के दौरान बहुत अटैकिंग बैटिंग करते थे। ओपनिंग करते हुए वे पहली से आखिरी बॉल तक बड़े शॉट्स लगाने पर ही फोकस करते थे। उन्हीं की स्ट्रैटजी को अब बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टेस्ट टीम ने अपना लिया। टेस्ट में आमतौर पर टीमें समय लेकर बेहद धीमी गति से रन बनाती हैं, लेकिन स्टोक्स और मैक्कुलम की लीडरशिप में इंग्लैंड टीम टेस्ट में भी बहुत तेजी से रन बना रही है। जून 2022 के बाद से टीम ने करीब 76 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस दौरान बाकी टीमों का स्ट्राइक रेट 45 से 56 के बीच ही रहा।

टाटा स्टील मास्टर्स राउंड

गुकेश की लगातार दूसरी जीत जॉर्डन को भी हराया

नीदरलैंड (एजेंसी)। 86वें टाटा स्टील सुपर ग्रांड मास्टर्स शतरंज के छठे

राउंड में भारत के ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें एक और शानदार जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में शानदार वापसी की है ,तीसरे और चौथे राउंड में हार के बाद गुकेश नें पांचवें राउंड में विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के यान नेपोमनिशी को मात दी थी और अब उन्होने मेजबान नीदरलैंड के यौर्डन वान फॉरेस्ट को पराजित करते हुए अपने आप को ख़िताबी जीत की दौड़ में शामिल कर लिया है । काले मोहरो से खेलते हुए गुकेश नें स्कॉच ओपनिंग में बेहद आक्रामक अंदाज में 45 चालों में जीत दर्ज की । भारतीय खिलाड़ियों में आर प्रज्ञानन्दा नें रूस के यान नेपोमनिशी से तो विदित गुजराती नें विश्व महिला शतरंज चैम्पियन चीन की जू वेंजून से ड्रॉ खेला ।

नासेर हुसैन बोले- बैजबॉल को न भूले टीम इंडिया

भज्जी का जवाब- भारत में काम नहीं करेगा इंग्लैंड का अप्रोच, पहला टेस्ट 25 जनवरी से

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज से पहले ही पूर्व क्रिकेटर्स के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान नासेर हुसैन ने कहा कि टेस्ट सीरीज में भारत ही फेवरेट्स है लेकिन टीम को इंग्लैंड के बैजबॉल अप्रोच को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर, भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कह दिया कि भारत की स्पिन पिचों पर इंग्लैंड टीम का बैजबॉल अप्रोच काम नहीं आएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें मुकाबले के लिए हैदराबाद पहुंच चुकी है।

स्टोक्स-मैक्कुलम का रिकॉर्ड शानदार – नासेर हुसैन ने कहा, भारत बहुत

मजबूत टीम है और टेस्ट सीरीज में वे ही फेवरेट्स भी है। लेकिन आप इंग्लैंड टीम के बैजबॉल अप्रोच को नजरअंदाज नहीं कर सकते। पिछले 19 महीने में इंग्लैंड के सामने जो भी चैलेंज आए टीम ने वहां बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैक्कुलम (ब्रेंडन) और स्टोक्स (बेन) की लीडरशिप में टीम का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बैजबॉल स्ट्रैटजी से इंग्लैंड को टेस्ट में बहुत सफलता मिली। अब उनके सामने 2 सबसे चैलेंजिंग टूर भारत और ऑस्ट्रेलिया ही हैं। इंग्लैंड के लिए ये बहुत बड़ा चैलेंज होने वाला है। टीम इंडिया इंग्लैंड के अप्रोच को समझने की कोशिश कर रही होगी। भारत मजबूत है लेकिन देखना बहुत मजेदार होगा कि सीरीज में क्रिकेट किस तरह से आगे बढ़ेगा।

भज्जी बोले- काम नहीं आएगा बैजबॉल – टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि इंग्लैंड का बैजबॉल अप्रोच भारत में काम नहीं आएगा। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के लिए कंडीशन बहुत मुश्किल होने वाली है, मैच की पहली बॉल से ही स्पिनर्स की गेंदें टर्न होने लगेंगी। इंग्लैंड टीम तभी अच्छा परफॉर्म कर पाएगी, जब उन्हें फ्लैट पिचें मिलें, जहां उनके बैटर्स को ज्यादा दिक्कत नहीं हो। अगर स्पिनर्स को मदद नहीं मिले तभी इंग्लैंड टिक पाएगी।

कुश्ती टूर्नामेंट में

रवि कुमार दहिया ने ग्रैंड प्रिक्स डी फ्रांस 2024 में जीता कांस्य पदक

नीस (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार दहिया ने ग्रैंड प्रिक्स डी फ्रांस हेनरी डेग्लेन 2024 कुश्ती टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता है। शनिवार को फ्रांस के नीस में पुरुषों के 61 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के स्टार पहलवान रवि दहिया ने कजाकिस्तान के कैरात अमिरतायेव के खिलाफ 10-4 से जीत दर्ज की। दहिया पहले मिनट में 2-4 से पिछड़ गए लेकिन उन्होंने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मुकाबला जीत लिया। इससे पहले दहिया ने 16वें राउंड में तकनीकी श्रेष्ठता (13-2) के आधार पर जर्मनी के जूलियन ज़न्सिर को हराया, उसके

बाद क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के जंगार काबिलबेकोव को 12-6 से हराया। हालाकि, भारतीय पहलवान को सेमीफाइनल में फ्रांस के अरमान एलॉयन के खिलाफ 6-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह कांस्य पदक मुकाबले में पहुँच गए। उल्लेखनीय है कि रवि कुमार दहिया ने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर 2022 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की थी।

संक्षिप्त समाचार

सांसद वीणा देवी ने वैशाली लोकसभा सीट पर ठोकी दावेदारी

पटना , एजेंसी। लोकसभा चुनाव का समय जैसे जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सियासी हलचल तेज होती जा रही है। बिहार की वैशाली लोकसभा सीट से जैसे ही पूर्व मंत्री रघुनाथ पांडेय की बहू विनीता विजय के चुनाव लड़ने की बातें शुरू हुई। साथ ही पारस गुट छोड़ लोजपा (राम विलास) गुट में शामिल हुई वैशाली सांसद वीणा देवी चिराग पासवान के गुण गाने लगी।

चिराग पासवान भविष्य के मुख्यमंत्री- सांसद वीणा देवी ने कहा की हमारे नेता चिराग पासवान है। हमारा विजन बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट है। हम विजन पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि लोजपा नेता चिराग पासवान भविष्य के मुख्यमंत्री हैं। उनके पिता रामविलास पासवान वंचितों की आवाज बने। चिराग उसी नक्शेकदम पर चल वंचित और शोषित समाज के लिए सोचते हैं। उनके पास बिहार के विकास की सोच है। इसका ही परिणाम है कि प्रधानमंत्री भी उन्हें अपना भरोसेमंद मानते हैं।

वैशाली से ही लड़ूंगी चुनाव- मुजफ्फरपुर के स्टेशन रोड स्थित एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में वैशाली सांसद ने लोकसभा चुनाव की तैयारी के संबंध में कहा कि वे पार्टी की समर्पित सिपाही हैं और उन्हें अपने नेता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि वह वैशाली से ही पार्टी के टिकट पर संसदीय चुनाव लड़ेंगी। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि चिराग पासवान के विचारों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नेता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इससे पार्टी का दायरा बढ़ रहा है और वह मजबूत हो रही है।

बद्रीनाथ हाइवे पर टैय्या पुल के पास पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक आकर सड़क पर गिरा

बद्रीनाथ, एजेंसी। पहाड़ों पर अनियोजित तरीके से हो रहे विकास का खामियाजा पहाड़ों के साथ-साथ वहां रह रहे लोगों को भी भुगतान पड़ रहा है। अब बिन बारिश और बरसात के भी पहाड़ टूटकर गिर रहे हैं। चारधाम के तहत पहाड़ों को काटकर सड़कों के चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है, जिसके लिए पहाड़ों पर ब्लास्टिंग और कटिंग का काम किया रहा है। इसी कारण शनिवार को बद्रीनाथ हाइवे पर टैय्या पुल के पास पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक सड़क पर आकर गिर पड़ा।

इतना ही नहीं, बड़े-बड़े बोल्टर भी अलकनंदा नदी में गिरे। पहाड़ी का बड़ा हिस्सा गिरने से बद्रीनाथ हाइवे बाधित हो गया, जिसके कारण गोविंदघाट, पंडुकेश?वर, पुलना, लामबगड़ का रास्ता बंद हो गया। रास्ता बंद होने से लोगों की आवाजाही बाधित हो गई। हालांकि इसमें कोई जन हानि नहीं हुई है। रास्ता खोलने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन ठंड बढ़ने और रात होने के कारण अब सुबह रास्ता साफ किया जाएगा।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इंदौर ने जनसेवा का एक साल पूरा किया

इंदौर, एजेंसी। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने इंदौर और आसपास के इलाकों के लोगों को विश्व स्तरीय चिकित्सा देखभाल प्रदान करते हुए एक साल पूरा किया है। अपनी पहली वर्षगांठ मना रहा यह अस्पताल विभिन्न विशेषज्ञताओं में अपनी शीर्ष स्तरीय चिकित्सा सेवाओं और पूर्णकालिक विशेषज्ञ प्रणाली के अनूठे मॉडल के साथ, अस्पताल उत्कृष्टता का एक बेहतरीन उदाहरण रहा है। उन्नत उपचार के तौर-तरीकों और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स प्रदान करते हुए, इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वितरण के नए मानक स्थापित कर रहा है। पिछले एक साल में, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इंदौर ने कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स और न्यूरोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञों द्वारा संचालित अपने सेंटर्स ऑफ़ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्रों) को बढ़ाया है। इन केंद्रों में देश और विदेशों से आए हुए चिकित्सकीय रूप से सबसे चुनौतीपूर्ण और जटिल मरीज़ों के मामलों का इलाज किया गया है। डॉक्टर्स के लिए सीएमई कार्यक्रमों जैसी अस्पताल की अग्रणी पहल राज्य भर में मरीज़ों के लिए चिकित्सा शिक्षा और तकनीकी एकीकरण को आगे बढ़ाने में एक उल्लेखनीय कदम का प्रतीक है। इस पहल में न केवल जानकारी और ज्ञान साझा किया गया बल्कि यह राज्य में पहली सबसे बड़ी सीएमई थी जो महत्वपूर्ण मानकीकृत प्रोटोकॉल और देखभाल मार्ग-आधारित इलाज मॉडल बनाने के लिए आयोजित की गई थी।

द वेल्स रोबोटिक-सॉल्यूशन का लॉन्च और इंदौर अस्पताल में डिजिटल पेट-सीटी की शुरूआत सटीक चिकित्सा और निदान की प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम था, जिससे मरीज़ों को इलाज से मिलने वाले परिणामों में सुधार हुआ। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इंदौर को पिछले साल इंदौर के सबसे स्वच्छ अस्पताल के रूप में पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के सीईओ और कार्यकारी निदेशक डॉ. संतोष शेट्टी ने हेल्थ चेक अप के डेटा इनसाइट्स को सांझा किया जिनमें लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण रुझानों और चिंताओं पर प्रकाश डाला गया। अस्पताल द्वारा किए गए अध्ययन के आधार पर व्यापक स्वास्थ्य जांच के महत्व पर ज़ोर दिया। डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा, हमें खुशी है कि हमने इंदौर के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हुए एक साल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। हमारी अत्याधुनिक सुविधाओं और पूर्णकालिक विशेषज्ञ प्रणाली के साथ हमने मरीज़ देखभाल और चिकित्सा उत्कृष्टता के मानक स्थापित किए हैं। इस अवसर पर, हम लोगों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

उद्धव ठाकरे को स्पीड पोस्ट से मिला राम मंदिर का निमंत्रण, संजय राउत बोले- राम श्राप देंगे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण शनिवार को स्पीड पोस्ट के माध्यम से मिला है। इसको लेकर शिवसेना ने भाजपा पर हमला बोला है। डाक से निमंत्रण भेजने पर संजय राउत ने कहा कि भगवान राम उन्हें इसके लिए श्राप देंगे। शिवसेना सांसद ने कहा, आप मशहूर हस्तियों और फिल्मी सितारों को विशेष निमंत्रण दे रहे हैं। उनका राम जन्मभूमि से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन आप ठाकरे परिवार के साथ इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं? ठाकरे ने राम जन्मभूमि आंदोलन में एक प्रमुख और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भगवान राम आपको माफ नहीं करेंगे। इसके लिए श्राप देंगे। आप भगवान राम से प्रार्थना कर रहे हैं और रावण की तरह सरकार चला रहे हैं।

संजय राउत ने सामना के संपादकीय के जरिए भाजपा पर हमला बोला है। आपको बता दें कि उद्धव ठाकरे ने पहले कहा था कि उन्हें राम मंदिर जाने के लिए निमंत्रण की आवश्यकता नहीं है। वह पहले भी कई बार वहां जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अभिषेक समारोह पीएम मोदी की जगह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाए।

उन्होंने कहा, राम मंदिर मेरे पिता बालासाहेब ठाकरे का सपना था। यह खुशी का क्षण है कि मंदिर खोला जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस बात की आलोचना की कि कैसे भाजपा ने इस आयोजन पर कब्जा कर लिया।

22 जनवरी को अपनी पार्टी की योजना की घोषणा करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं राम भक्त हूं, देश भक्त हूं, अंध भक्त नहीं। राम मंदिर का निर्माण मेरे पिता का सपना था। 22 जनवरी को जब पीएम मोदी राम मंदिर का उद्घाटन कर रहे होंगे उसी समय उद्धव नासिक के कालाराम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

कांग्रेस, सीपीएम, तृणमूल, समाजवादी पार्टी के नेता इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि मंदिर खुलने के बाद वह अपने पूरे परिवार के साथ राम मंदिर के दर्शन करेंगे। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह अपने परिवार के साथ उद्घाटन के बाद राम मंदिर जाएंगे।

आमंत्रितों की सूची में फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों, पुजारियों, न्यायाधीशों, उद्योगपतियों और राजनेताओं सहित कम से कम 8,000 लोग शामिल हैं। आमंत्रित लोगों में अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, चिरंजीवी, मोहनलाल, प्रभास, अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, अक्षय कुमार, अनुपम खेर, अजय देवगन, हेमा मालिनी, सनी देओल, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, कंगना रनौत और माधुरी दीक्षित शामिल हैं।

सरोद वादक अमजद अली खान, गीतकार और कवि मनोज मुंतशिर और उनकी पत्नी, गीतकार और लेखक प्रसून जोशी और निर्देशक संजय भंसाली को राज्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। मधुर भंडारकर, शंकर महादेवन, श्रेया घोषाल, अनुप जलोटा, सोनू निगम, अनुराधा पौडवाल, कैलाश खेर को भी आमंत्रित किया गया है। रामानंद सागर की टीवी श्रृंखला रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल और शो में उनकी सह-कलाकार दीपिका चिखलिया, जिन्होंने सीता की भूमिका निभाई थी, को भी आमंत्रित किया गया है।

सचिन तेंदुलकर, शतरंज के ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद, स्प्रिंट क्वीन पीटी उषा और फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया प्रमुख खेल हस्तियों में से हैं। उनके अलावा कपिल देव, महेंद्र सिंह धोनी, सुनील गावस्कर, विराट कोहली, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग, रवींद्र जड़ेजा और रोहित शर्मा को आमंत्रित किया गया है।

आजादी के 75 साल बाद भी देश में छुआछूत प्रचलित-मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को डॉ. बीआर आंबेडकर की 206 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी देश में छुआछूत अभी भी प्रचलित है। उन्होंने कहा कि इस प्रथा का मतलब केवल किसी विशेष समुदाय के व्यक्ति को दूरी पर रखना नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों पर अत्याचार करना और उन्हें सशक्त होने से रोकना भी अस्पृश्यता है। प्रतिमा का अनावरण करने से पहले इंदिरा गांधी नगर निगम (आईजीएमसी) स्टेडियम में सामाजिक समथ संकल्प सभा के दौरान एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह से स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी यूएसए की पहचान बन गई है। उसी तरह स्टैच्यू ऑफ सोशल जस्टिस आंध्र प्रदेश का गौरव होगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में है। उन्होंने कहा कि यह पिछले 55 महीनों में उनकी सरकार द्वारा शुरू किए गए ग्राम स्वराज की एक आदर्श अभिव्यक्ति है। उन्होंने अनुसूचित जातियों (एससी) के उत्थान के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया था। टीडीपी पर निशाना साधते हुए जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम शुरू करने का विरोध करते हैं और नहीं चाहते कि गरीब परिवारों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ें।

अयोध्या जाने वाले भक्तों के लिए नेपाल के जनकपुर से विशेष ट्रेन चलाएगा भारत

काठमांडू, एजेंसी। हिमालयी राष्ट्र के पड़ोसी भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भगवान राम के भक्तों को अयोध्या ले जाने के लिए भारत की ओर से एक विशेष ट्रेन सीता के जन्मस्थान नेपाल के जनकपुर से चलाई जायेगी। एक अधिकारी ने शनिवार को यहां बताया कि भारत सरकार श्रद्धालुओं को लाने के लिए नेपाल में एक समर्पित ट्रेन भेजेगी, जबकि नेपाल से हजारों लोग पहले ही अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। नेपाल भारत के अलावा हिंदू-बहुल देशों में से एक है।

श्रद्धालु जयनगर-जनकपुर रेलवे मार्ग से होकर जाएँगे जो नेपाल और भारत के बीच एकमात्र सीमा पार रेल कनेक्शन है। यह भारत की सहायता से बिछाया गया था। भारतीय रेलवे 20 कोच वाली ट्रेन भेजेगा।नेपाल रेलवे कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक निरंजन झा ने कहा, अधिकारियों के अनुसार, विशेष ट्रेन रविवार को जनकपुर से अयोध्या के लिए रवाना होगी।प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर नेपाल में श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।

मालदीव में भारत के विमान को उड़ान की इजाजत नहीं, राष्ट्रपति मुइज्जू की इस जिद से चली गई बच्चे की जान

माले, एजेंसी। मालदीव और भारत के बीच रिश्ते पहली की तरह नहीं रहे हैं, इनमें खटास आ गई है। ये कड़वाहट उस समय आई जब मालदीव के मंत्रियों ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के एक गलत फैसले ने 14 साल के मासूम की जान ले ली। दरअसल, बच्चे को मेडिकल इमरजेंसी के लिए भारतीय डोर्नियर विमान की जरूरत थी, जिसकी अनुमति मालदीव सरकार नहीं दी। इलाज में देरी के चलते शनिवार को बच्चे की जान चली गई।

भारतीय सैनिकों को वापस जाने का आदेश- बता दें, भारत ने पहले चिकित्सा निकासी और अन्य उच्च उपलब्धता आपदा रिकवरी गतिविधियों के लिए दो नौसैनिक हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान मालदीव को मुहैया कराया हुआ है। हालांकि, भारतीय सैनिकों को वापस भेजने के मालदीव सरकार की जिद के कारण भारतीय हेलीकॉप्टरों और विमानों का भाग्य अधर में है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से 15 मार्च तक अपने सैनिकों को वापस बुलाने को कहा है। हालांकि भारतीय अधिकारियों का कहना है कि मुद्दे का समाधान खोजने के लिए बातचीत अभी भी जारी है।

यह है मामला- जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार की है। लड़के को ब्रेन ट्यूमर था और स्ट्रोक आने पर उसकी हालत गंभीर हो गई। इसके बाद उसके परिवार ने उसे गैफ अलिफ विलिंगिली स्थित उसके घर से राजधानी माले ले जाने के लिए एयर एंबुलेंस का अनुरोध किया था। परिवार का आरोप है कि अधिकारी तुरंत चिकित्सा निकासी की व्यवस्था करने में असफल रहे।

16 घंटे की देरी बनी- रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक लड़के के पिता ने बताया, मैंने स्ट्रोक आने के तुरंत बाद उसे माले ले जाने के लिए आइलैंड एविएशन को फोन किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे फोन का जवाब दिया। इस तरह के मामले के लिए केवल एयर एंबुलेंस ही समाधान है। इमरजेंसी एयरलिफ्ट का अनुरोध करने के 16 घंटे बाद बच्चे को माले लाया गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

कंपनी की सफाई- बच्चे के मरने पर लोगों ने अस्पताल के बाहर विरोध-प्रदर्शन कर अपना गुस्सा व्यक्त किया। हालांकि, चिकित्सा निकासी के लिए जिम्मेदार कंपनी आसंधा लिमिटेड ने बयान जारी कर कहा कि जैसे ही अनुरोध की सूचना मिली, वैसे ही निकासी प्रकिया शुरू कर दी थी। हालांकि, अंतिम समय में कुछ तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से देरी हुई। कंपनी ने बयान में आगे कहा, हमें बच्चे के निधन का बेहद अफसोस है। आसंधा कंपनी का पूरा प्रबंधन और कर्मचारी शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। दिवंगत की शांति के लिए हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

सांसद नसीम ने किया राष्ट्रपति पर हमला- मालदीव के सांसद मीकैल नसीम ने ट्वीट किया, भारत के प्रति राष्ट्रपति की दुश्मनी को पूरा करने के लिए लोगों को अपनी जान की कीमत नहीं चुकानी चाहिए। बता दें कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब मालदीव के मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणियों के बाद हाल ही में भारत और द्वीपसमूह राष्ट्र के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए हैं।

गुरुजी जीडी वशिष्ठ जी ने प्रथम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एनेबल्ड ज्योतिष कियोस्क का उद्घाटन किया

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जीवन की मुख्य समस्याओं का समाधान प्राप्त होगा

प्रात : किरण

गुरुजी जीडी वशिष्ठ जी ने इतिहास रचते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के साथ भविष्य को प्रकट करने वाले पहले एआइ-एनेबल्ड ज्योतिष कियोस्क का उद्घाटन किया। इस नई पहल के माध्यम से गुरुजी वशिष्ठ जी ने 15 साल की मेहनत और करोड़ों के निवेश के बाद एक ऐसा सॉफ़्टवेयर तैयार किया है जो चुटकियों में भविष्य और उपाय बता सकता है। गुरुजी जीडी वशिष्ठ जी ने प्रेस वार्ता में बताया कि आज के युग में ज्योतिष को पूरी तरह से वैज्ञानिक माना और इसे सभी को स्वीकार करने की आवश्यकता है, बस सब्र से इसका स्वागत करना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि हमारा शरीर, आत्मा, कर्म और विचार सभी जन्मकुंडली में बैठे ग्रहों के प्रति आधारित हैं। इस नई और आधुनिक तकनीकी उपयोग से बने ह्य एआइ एस्ट्रोसाइंस कियोस्क ह्य के माध्यम से लोग अपने भूतकाल, वर्तमान, और भविष्य को आसानी से जान सकते हैं। इस कियोस्क के माध्यम से किसी को भी अपने परिवार के जीवन की समस्याओं का समाधान और सरल उपाय प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा, आपके जीवन से जुड़ी प्रमुख चीजें जैसे स्वास्थ्य, विदेश यात्रा, व्यवसाय, विवाहित जीवन, बच्चे आदि के बारे में भी तुरंत उत्तर/समाधान मिल सकता है। यह सभी जानकारी लोगों को उनके व्हाट्सएप नंबरों पर पीडीएफ फाइल के रूप में भी प्रदान की जाएगी, जो पूरी तरह सुरक्षित है। यह ऐप किसी भी व्यक्ति की निजी जानकारी को दूसरे के साथ साझा नहीं करती है। गुरुजी जीडी वशिष्ठ जी ने आगे कहा कि इस कियोस्क को विश्वभर में विस्तार करने का प्रयास किया जाएगा ताकि सभी लोग इसका लाभ उठा सकें। इस नई पहल के माध्यम से, ज्योतिष को सटीक और सरल तरीके से लोगों तक पहुंचाना उद्देश्य है। दरअसल यह सुविधा लोगों को ज्योतिष के माध्यम से अपने जीवन की मुख्य समस्याओं का समाधान प्राप्त करने का एक नया और सरल तरीका प्रदान करती है

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129